RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 4 अंक 247
फरीदाबाद, रविवार, 17 अक्टूबर, 2021
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

सिंघु बॉर्डर पर निहंग कॉलोनी बसाने में किसका हाथ

कसौटी - 12

ANIL GENERATOR
SILENT GENERATOR
on Hire 62 KVA to 1250 KVA
Sale-Purchase of Old Generator
Surendra Kapoor, Prop.
Add.: 20/6, Mathura Road, Nuchem compound Faridabad
Ph. 0129-4873365,
Mob.: 9811056365, 9311056365
Email : anil.kapoor74@yahoo.com
surendra.kapoor@gmail.com

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 33.01°C
न्यूनतम 21.01°C

क्विक न्यूज

लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर साथी सहित ढेर

जम्मू। कश्मीर में पंपोर के द्रंगबल इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकियों का खात्मा हो गया है। मारे गए आतंकियों के पास हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस, सेना की 50-आरआर (राष्ट्रीय राइफल्स) और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। कश्मीर जोन पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर उमर मुश्ताक खांडे को ढेर कर दिया गया है। उमर मुश्ताक ने दो पुलिसकर्मियों मोहम्मद यूसुफ और सुहैल अहमद की श्रीनगर में हत्या की थी।

पीएम सात मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन करेंगे: योगी

सिद्धार्थनगर (यूपी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अक्टूबर को सिद्धार्थनगर आएंगे और यहीं से उत्तर प्रदेश के सात नवनिर्मित मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण करेंगे। यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां पत्रकारों को यह जानकारी दी। वह मोदी के 25 अक्टूबर को सिद्धार्थनगर आगमन की तैयारियों का जायजा लेने शनिवार को सिद्धार्थनगर जिला मुख्यालय पहुंचे थे। उन्होंने नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज भवन और उसके परिसर का मुआयना किया और प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर जिले के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ तैयारियों को लेकर बैठक की।

महाविद्यालयों ने तीसरी कटऑफ सूची जारी की

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में जारी दाखिला प्रक्रिया के तहत इससे सबद्ध कुछ महाविद्यालयों ने शनिवार को स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए तीसरी कटऑफ सूची जारी की। इसमें दूसरी सूची के मुकाबले 0.25 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत तक अंकों में कमी आई है। दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज ने कंप्यूटर साइंस में बीएससी (ऑनर्स) के लिए तीसरी कटऑफ सूची जारी की, जिसमें दूसरी सूची के मुकाबले डेढ़ प्रतिशत तक कम अंक वाले विद्यार्थियों को दाखिला देने की पेशकश की गई है। कॉलेज ने पहली कटऑफ सूची 100 प्रतिशत अंक वालों के लिए जारी की थी। बाद में इसे 98.5 प्रतिशत किया गया। अब 97 प्रतिशत वालों को दाखिला की पेशकश कर रहा।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

राहुल गांधी फिर बन सकते हैं कांग्रेस चीफ

अगले साल अगस्त-सितंबर में होगा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली में चल रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में राहुल गांधी को कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष बनाने की मांग की गई है। यह मांग राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पार्टी की सीनियर नेता अंबिका सोनी की तरफ से की गई है। इस बीच पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि अध्यक्ष का चुनाव अगले साल 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। सीडब्ल्यूसी और दूसरी बॉडीज के चुनाव की तारीख की घोषणा पार्टी के अधिवेशन के बाद की जाएगी।

अंबिका सोनी ने बैठक में कहा कि सभी चाहते हैं कि राहुल गांधी को पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। हालांकि, यह उन पर निर्भर करता है कि वे क्या निर्णय लेते हैं। इससे पहले बैठक में मौजूद अशोक गहलोत ने भी यह बात उठाई। उन्होंने कहा, राहुल को कांग्रेस का नेतृत्व करना चाहिए और बैठक में मौजूद सभी लोग इस बात का समर्थन करते हैं। दोनों नेताओं की बात सुनने के बाद राहुल ने कहा कि वे दोबारा पार्टी अध्यक्ष बनने पर विचार करेंगे।

सोनियाजी के नेतृत्व पर नहीं उठाया जा रहा सवाल: आजाद

जी-23 में शामिल कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कांग्रेस नेतृत्व पर सवाल उठाने की बात पर सफाई दी है। उन्होंने कहा, सोनिया जी के नेतृत्व पर कोई सवाल नहीं उठाया जा रहा है। बैठक में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, राहुल गांधी को कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व करना चाहिए। बैठक में मौजूद सभी लोगों ने उनकी बात का समर्थन किया। दरअसल कांग्रेस के जी-23 ने पिछले साल सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखकर पार्टी में बड़े बदलावों और प्रभावी नेतृत्व की जरूरत बताई थी। इनमें आनंद शर्मा, कपिल सिब्बल और गुलाम नबी आजाद भी शामिल थे। जी-23 के कई नेता सोनिया को याद भी दिला चुके हैं कि जमीनी स्तर पर अभी तक कोई बदलाव नहीं हुआ है और कांग्रेस का ग्राफ लगातार नीचे की तरफ जा रहा है। पार्टी को पंजाब से लेकर छत्तीसगढ़ तक संकट का सामना भी करना पड़ा है।

सोनिया ने कहा, संगठन चुनावों का शेड्यूल तैयार है और वेणुगोपाल जी इसकी पूरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देंगे। सोनिया ने कहा है कि पूरा संगठन चाहता है कि कांग्रेस फिर से खड़ी हो, लेकिन इसके लिए एकता और पार्टी हितों को सबसे ऊपर रखना जरूरी है। इससे भी ज्यादा जरूरत खुद पर काबू रखने और अनुशासन की है।

लखीमपुर हिंसा पर सोनिया ने कहा कि यूपी के लखीमपुर खीरी में हुई चौंकाने वाली घटना भाजपा की मनोदशा दिखाती है कि वे किसान आंदोलन को किस तरह देख रहे हैं। बॉर्डर पर चले रहे तनाव पर उन्होंने कहा, विदेश नीति राजनीतिक ध्रवीकरण का एक जरिया बन गई है। हम बॉर्डर के मसले पर चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। आर्थिक सुधार के सवाल का जवाब सरकार देश की संपत्तियां बेचकर देना चाहती है। केंद्र का इस समय एक ही एजेंडा है कि सब कुछ बेच दो। जम्मू-कश्मीर में अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) पर बढ़ते हमले चिंता का विषय हैं। इसकी जितनी हो सके, उतनी निंदा की जानी चाहिए। कांग्रेस में उठते विरोध के स्वर पर उन्होंने कहा, हम इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, लेकिन अगर हम एकजुट रहते हैं और पार्टी के हित में सोचते हैं तो मिलकर हर चुनौती का सामना कर सकते हैं। स्थायी अध्यक्ष के सवाल पर सोनिया ने कहा, हमने कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव 30 जून तक निपटाने का रोडमैप पहले ही बना लिया था, लेकिन कोरोना संक्रमण के कारण इसे आगे बढ़ाना पड़ा।

हरियाणा में महिलाओं को एकजुट करेगी महिला कांग्रेस

चंडीगढ़। महिला कांग्रेस ने प्रदेश में अपना कुनबा मजबूत करने की तैयारी कर ली है, जिसके चलते सोमवार को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्षा नीटा डिसूजा पहली बार हरियाणा दौरे पर आ रही हैं। डिसूजा के हरियाणा दौरे को महिला कांग्रेस खासी उत्साहित है। नीटा को हाल में महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है, जिसके बाद वह सोमवार को पहली बार हरियाणा दौरे पर आ रही हैं। महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुधा भारद्वाज प्रदेश की महिलाओं को पार्टी के साथ जोड़ने में जुटी हुई हैं। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष का सोमवार को हरियाणा दौरान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। डिसूजा का दिल्ली से लेकर चंडीगढ़ तक जहां करीब 10 स्थानों पर महिलाओं द्वारा स्वागत किया जाएगा वहीं पंचकूला में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक होगी।

सरेंडर करने वाले निहंग ने मीडिया को दीं गालियां

पेशी के वक्त धक्का-मुक्की और पगड़ी उतरने पर भड़का आरोपी

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

सिंघु बॉर्डर पर बेअदबी मामले में बर्बर हत्या के मामले में आत्मसमर्पण करने वाला निहंग सरबजीत सिंह शनिवार को कोर्ट में पेशी के बाद भड़क गया। कोर्ट रूम से गाड़ी की ओर ले जाते समय मीडियावालों की धक्का-मुक्की में पगड़ी गिरने से निहंग गुस्से में अपशब्द कहने लगा। इससे पहले पुलिस ने सरबजीत को शनिवार को कोर्ट में पेश कर सात दिन की रिमांड हासिल कर ली। पेशी के बाद पुलिस टीम जैसे ही कोर्ट रूम से बाहर निकल निहंग सरबजीत को लेकर कार की ओर बढ़ी तो वहां पहले से जमा मीडियाकर्मी उनकी तरफ लपके। कार तक आते-आते पुलिस टीम को मीडियाकर्मियों ने घेरे में ले लिया। पुलिस टीम जैसे ही सरबजीत को गाड़ी के पिछले दरवाजे को खोलकर बैठाने लगी मीडियाकर्मियों की धक्का-मुक्की के बीच उसकी पगड़ी उतर गई। सरबजीत इससे बौखला गया और गाड़ी के दरवाजे को पकड़ खड़ा हो अपशब्द कहने लगा। करीब एक मिनट तक सरबजीत गालियां देता रहा। पुलिसकर्मियों ने मीडियाकर्मियों को थोड़ा पीछे हटाया और सरबजीत को समझाकर गाड़ी में बैठा दिया। इसके बाद डोर बंद कर पुलिस वहां से गाड़ी लेकर निकल गई।

पुलिस सरबजीत सिंह को लेकर दोपहर 1.15 बजे सोनीपत कोर्ट पहुंची। 1.30 बजे सिविल जज जूनियर डिवीजन किमी सिंगला की कोर्ट में सुनवाई शुरू हुई। पुलिस ने दलील दी कि आरोपी निहंग ने बेशक गुनाह कबूल कर लिया है, लेकिन अभी लखवीर सिंह की हत्या में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी बाकी है। पुलिस ने कहा कि हत्याकांड में सरबजीत के साथ शामिल अन्य लोगों की भी पहचान हुई है। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस को उसे लेकर पंजाब के गुरदासपुर और चमकौर साहिब इलाके में जाना पड़ सकता है। आरोपी को लेकर अभी वारदातस्थल का भी दौरा किया जाना है, इसलिए उसका रिमांड दिया जाए। बंद कमरे में एक घंटे चली बहस के बाद अदालत ने निहंग सरबजीत सिंह को 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। निहंग सरबजीत सिंह की पेशी को देखते हुए सोनीपत कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए थे। कोर्ट का गेट अंदर से बंद रखा गया। जिस कोर्ट में सुनवाई चल रही थी वहां सादे कपड़ों में पुलिस के जवान भी तैनात रहे। लगभग 2.30 बजे पुलिस निहंग सरबजीत सिंह लेकर कोर्ट से बाहर निकल गई। निहंग सरबजीत के वकील मुनार्क के अनुसार, सोनीपत पुलिस ने 14 दिन का रिमांड मांगा था, लेकिन अदालत ने 7 दिन का पुलिस रिमांड ही मंजूर किया। साथ ही कोर्ट ने सोनीपत पुलिस को निर्देश दिए कि 7 दिन के पुलिस रिमांड के दौरान निहंग सरबजीत का रोजाना मेडिकल करवाया जाए। हर रोज उसके पक्ष और परिवार वालों को सरबजीत सिंह से मिलने की अनुमति रहेगी। रोजाना होने वाली एक्टिविटी की डेली बेस पर डीडीआर दर्ज की जाएगी।

पुलिस ने मांगा था 14 दिन का रिमांड, मिला सात दिन का

सरबजीत के बाद एक और निहंग ने किया आत्मसमर्पण

'गुरु ग्रंथ की बेअदबी करते जितने पकड़े जाएंगे उन्हें ऐसे ही सजा दी जाएगी'

सरेंडर से पहले निहंग सिख सरबजीत सिंह ने कहा कि बेअदबी करते जो भी पकड़े जाएंगे, उन्हें इसी तरह सजा दी जाएगी। वह सरकार और कानून पर भरोसा नहीं करते। यह भी दावा किया कि 20 लोग पंजाब से बेअदबी की घटनाएं करने के लिए भेजे गए हैं और उन्हें 30 हजार रुपये दिए गए। सरबजीत ही नहीं दूसरे निहंगों ने भी चेतावनी देते हुए कहा कि धर्म को लेकर राजनीति न की जाए, नहीं तो अंजाम सभी ने देख लिया। सरबजीत ने दावा किया था लखबीर सिंह देर रात 3 बजे श्री गुरु ग्रंथ साहिब को उठाकर ले जाने का प्रयास कर रहा था। उसने वहां पड़े रुमाला साहिब को बिखेर दिया। वह मौके पर पहुंचा और उसे दबोच लिया। लखबीर से श्री गुरु ग्रंथ साहिब लेकर उनका दोबारा से प्रकाश किया गया। निहंग सिख ने यह भी कहा कि इस मामले में किसानों या संयुक्त किसान मोर्चा का कोई लेना देना नहीं है।

चार आरोपी पकड़े, निहंग नारायण ने भी किया सरेंडर

अमृतसर/नई दिल्ली लखबीर की हत्या के मामले में 4 आरोपी पकड़े जा चुके हैं। शनिवार शाम को पुलिस ने भगवंत सिंह और गोविंद सिंह नाम के दो निहंगों को हिरासत में लिया। इससे पहले शनिवार दोपहर को दिल्ली के निहंग नारायण सिंह ने सरेंडर कर दिया था। वहीं हत्या के 15 घंटे बाद शुक्रवार शाम को निहंग सरबजीत सिंह ने भी सरेंडर किया था। सिंघु बॉर्डर पर लखबीर की हत्या के बाद दिल्ली के निहंग नारायण सिंह को सरेंडर के बाद अमृतसर के देवीदास पुरा गुरुद्वारे के बाहर से हिरासत में लिया गया। पुलिस ने कहा, नारायण सिंह के अमृतसर पहुंचने की खबर मिलते ही इलाके को घेर लिया गया था। गुरुद्वारे से बाहर निकलते ही पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। नारायण सिंह ने कहा, लखबीर सिंह ने गुरु का अपमान किया था, इसलिए उन्होंने जो किया, ठीक किया। अगर सरबजीत सिंह कसूरवार है, तो मैं भी कसूरवार हूं। मैंने भी सरबजीत सिंह का उतना ही सहयोग किया है। 2014 से गुरुओं का अपमान हो रहा है। गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान की कितनी घटनाएं सामने आईं, लेकिन पुलिस ने सहयोग नहीं दिया। एक भी आरोपी पर कार्रवाई नहीं की गई। इस घटना में आरोपी को सरेआम पकड़ लिया गया और उस समय जो ठीक लगा, निहंग जत्थेबंदियों ने वही किया। ऐसे में मैं भी उतना ही कसूरवार हूं, जितना सरबजीत।

हिरासत में लिए जाने के बाद पुलिस की गाड़ी में बैठने से पहले नारे लगाता नारायण सिंह।

बॉर्डर पर हत्या का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

नई दिल्ली। सिंघु बार्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल पर अनुसूचित जाति के व्यक्ति की हत्या का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। इसे लेकर अदालत में एक याचिका दाखिल की गई है। इस याचिका में लखबीर सिंह की हत्या का जिक्र करते हुए शीर्ष अदालत से उस लंबित जनहित याचिका पर तत्काल सुनवाई करने की अपील की गई है जिसमें दिल्ली की सीमाओं से प्रदर्शनकारियों को हटाने की मांग की गई थी। याचिका में दलील दी गई है कि भाषण और अभिव्यक्ति की आजादी जीने के अधिकार से ऊपर नहीं हो सकती है। स्वाति गोयल और संजीव नेवार ने वकील शशांक शेखर झा के जरिए ये याचिका दाखिल की है। इसमें कहा गया है कि अगर इन प्रदर्शनों को ऐसे ही चलते रहने दिया गया तो देश को बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। याचिका में केंद्र सरकार को राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों को सभी तरह के प्रदर्शन रोकने और महामारी खत्म होने तक ऐसे प्रदर्शनों की इजाजत नहीं देने के संबंध में निर्देश देने का अनुरोध किया है। वकील शशांक शेखर झा ने कहा कि स्वाति गोयल और संजीव नेवार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। इनकी याचिका सुप्रीम कोर्ट में मार्च, 2021 से लंबित है। कई कोशिशों के बावजूद अब तक मामले की सुनवाई नहीं हुई है।

हरियाणा में अब मिलेगा प्राइवेट नौकरियों में आरक्षण

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रदेश में तीस हजार तक की नौकरियों पर मिलेगा आरक्षण का लाभ

हरियाणा के युवाओं को अब निजी क्षेत्र की नौकरियों में 75 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। प्रदेश में हरियाणा स्टेट एम्प्लॉयमेंट ऑफ लोकल कैंडिडेट एक्ट लागू होने जा रहा है। लंबी जद्दोजहद के बाद उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का ड्रीम प्रोजेक्ट अब धरातल पर काम करेगा। प्रदेश सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना जारी करने के लिए चुनाव आयोग की मंजूरी मांग ली है।

हरियाणा सरकार ने पिछले साल विधानसभा में यह विधेयक पास किया था। इसके बाद यह मामला कई माह तक तत्कालीन राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य के पास फंसा रहा। मार्च माह के दौरान राज्यपाल द्वारा इसे मंजूरी दिए जाने के बाद प्रदेश के कुछ औद्योगिक संगठनों ने मसौदे पर आपत्ति दर्ज करवा दी, जिसके बाद मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री ने हरियाणा के विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। देश की जीएसटी में हरियाणा का योगदान 4.7 प्रतिशत, रक्षा सेवाओं जैसे कि आर्मी, नेवी, एयर फोर्स आदि में भी हरियाणा की भागीदारी 10 प्रतिशत से कम नहीं है। वहीं शिक्षा, तकनीक, सामान्य सेवाओं, खेलों के क्षेत्र में तो ये भागीदारी और भी कई गुणा बढ़ जाती है। पिछले दो दशक में लाखों एकड़ जमीन अधिग्रहण करके जो कारखाने, कंपनियां हरियाणा में लगी उसमें हरियाणा के मूल निवासी तो 15 प्रतिशत से भी कम है और एक लाख रुपये सैलरी जैसी पोस्ट वाली बड़ी नौकरियों में तो ये प्रतिशत एक से भी नीचे है। ऐसे में सरकार द्वारा लागू किया जा रहा नया कानून प्रदेश के युवाओं के लिए कारगर सिद्ध हो सकता है।

यह कानून प्रदेश के लाखों युवाओं के हितों को ध्यान में रखकर लागू किया जा रहा है। दूसरी तरफ सरकार द्वारा युवाओं के कौशल विकास पर ध्यान दिया जा रहा है। जिससे युवाओं को प्रारंभिक स्तर पर ही ऐसा प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वह उद्योगों की मांग को पूरा कर सकें। युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार मिल सकेगा।

दुष्यंत चौटाला
उपमुख्यमंत्री हरियाणा।

दूर हुई संवैधानिक अड़चनें

प्रदेश सरकार द्वारा पास किए 75 प्रतिशत आरक्षण अधिनियम की संवैधानिकता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। सरकार का दावा है कि 'हरियाणा स्टेट एम्प्लॉयमेंट ऑफ लोकल कैंडिडेट एक्ट' पूर्ण रूप से संवैधानिक है और संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं करता। संविधान का अनुच्छेद 16 सिर्फ राज्य सरकार के अंतर्गत आने वाली नौकरियों में निवास स्थान के आधार पर आरक्षण देने पर पाबंदी लगाता है। प्राइवेट क्षेत्र की नौकरियां इस नियम से बाहर हैं। संविधान के अनुच्छेद 21 में रोजगार को एक मौलिक आधार माना गया है और राज्य सरकार की ये संवैधानिक जिम्मेदारी है कि वो रोजगार देने के लिए कानून बनाएं। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के अनुसार इस कानून से कंपनियों, उद्योगों, अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा क्योंकि 75 प्रतिशत आरक्षण अधिनियम को सभी उद्योगपतियों, कंपनियों आदि से आठ से दस दौर की चर्चा के बाद सहमति से तैयार किया गया है।

किन पदों पर होगा लागू: सरकार ने यह एक्ट बनाते समय 50 हजार मासिक वेतन तक के पदों को इसके दायरे में रखा था। इसके बाद प्रदेश के कई उद्योगपतियों तथा औद्योगिक संगठनों ने इस आपत्ति जताई। जिसके बाद सरकार ने 30 हजार रुपये मासिक वेतन वाले पदों को आरक्षण के दायरे में शामिल कर लिया है। इससे अधिक वेतन वाले पदों पर आरक्षण नहीं मिलेगा।

केरल में बाढ़ से सामान्य जीवन पटरी से उतरा

केरल/उत्तराखंड। केरल में भारी बारिश के बाद पांच जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। कोट्टायम, इडुक्की पथनमथिट्टा, एर्णाकुलम और त्रिशूर में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा सात जिले ऐसे हैं, जहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इनमें तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, अलाप्पुझा, पलक्कड़, मलाप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड शामिल हैं। कोट्टायम जिले के कूटिकल में लैंडस्लाइड से 3 लोगों की मौत हो गई है, इनका शव बरामद कर लिया गया है। जबकि 14 लोग लापता हैं। जानकारी के मुताबिक यह घटना प्लापल्ली में हुई। यहां 3 घरों को भी नुकसान पहुंचा है।

यूके-हिमाचल में अलर्ट

उधर, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में मौसम बदलने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला की ओर से प्रदेश में दो दिन भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, चोटियों पर भारी बर्फबारी की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने 17 और 18 अक्टूबर को प्रदेश के मैदानी व मध्य पर्वतीय भागों में भारी बारिश-ओलावृटि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, चोटियों और उच्च पर्वतीय कुछ भागों में भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है।

शिल्पा शेट्टी-राज कुंद्रा पर अब धोखाधड़ी का आरोप

'राज कुंद्रा ने मेरा यौन शोषण किया, जबरन किस किया'

एजेंसी। मुंबई

एक्ट्रेस और मॉडल शर्लिन चोपड़ा ने एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी व पोर्नोग्राफी केस में गिरफ्तार और जमानत पर चल रहे उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ धोखाधड़ी और मानसिक प्रताड़ना की शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को दी शिकायत में शर्लिन ने कहा, उन्होंने राज कुंद्रा के जेएल स्ट्रीम कंपनी के लिए तीन वीडियो शूट किए थे, लेकिन उन्होंने वादे के मुताबिक पैसे नहीं दिए। शिकायत में एक्ट्रेस ने कहा है कि राज जिस्म की नुमाइश करवाने के बाद कलाकारों को पेमेंट नहीं करते हैं।

शर्लिन की शिकायत के मुख्य बिंदु

शर्लिन ने आरोप लगाया है कि लड़कियों से जिस्म की नुमाइश करवाकर उनकी पेमेंट क्लियर नहीं करते। क्या ये होता है एथिकल बिजनेस? आपको बिजनेसमैन बनना है, जाइए सीखिए, टाटा कैसे बिजनेस करते हैं। एथिक्स के साथ करते हैं। जो वादे करते हैं वो निभाते हैं। आप क्या करते हैं? आप आर्टिस्ट के घर पर जाकर उनका यौन शोषण करते हैं। उनके घर पर जाकर उसे अंडरवर्ल्ड की धमकी देते हैं। बोलते हैं यौन शोषण का केस वापस ले वरना तेरी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। कुंद्रा ने उन्हें किसी रंजीत बिंद्रा का नंबर दिखाते हुए कहा था कि वह डी कंपनी का आदमी है और उनके साथ कुछ भी हो सकता है। वह बोले, जो एक दो फिल्में तेरे हाथ में हैं वो भी छूट जाएंगी। इस तरह आप बात करते हैं। मैं अब नहीं डरूंगी। दुर्गा मां का आशीर्वाद लेकर आई हूं मैं। मैं नहीं डरूंगी। न आपसे, न आपके पावर से।

शर्लिन चोपड़ा ने ट्विटर पर वीडियो शेयर किया, जिसमें वे मीडिया से बात कर रही हैं। कैप्शन में शर्लिन ने लिखा, आज मैं अपनी कानूनी टीम के साथ जुहू पुलिस स्टेशन गई थी, राज कुंद्रा और शिल्पा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए। एक्ट्रेस ने अपनी शिकायत में कहा है कि कुंद्रा ने न सिर्फ उनका शोषण किया, बल्कि अंडरवर्ल्ड की धमकी तक दी। वीडियो में शर्लिन ने रोते हुए कहा कि अब वे डर-डरकर नहीं जी सकतीं।

बता दें कि इसी साल जुलाई में शर्लिन चोपड़ा ने राज पर शोषण का आरोप लगाते हुए दावा किया था कि राज दो साल पहले 2019 में एक दिन अचानक उनके घर पहुंचे थे और उनके साथ यौन दुराचार किया। शर्लिन ने आरोप लगाया था कि राज ने उन्हें जबरन किस किया था। शर्लिन के मुताबिक, उन्होंने राज को पीछे धक्का देने की खूब कोशिश की। लेकिन राज नहीं माने और वह डर गई थीं।

फरीदाबाद पायनियर

हरियाणा, रविवार, 17 अक्टूबर, 2021 | ग्रेटर फरीदाबाद • सराय • एनआईटी इंडस्ट्रियल एरिया • बल्लभगढ़ • तिगांव • पलवल | ई-पेपर www.pioneerhindi.com

शहर का तापमान

- अधिकतम 29.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 23.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- बल्लभगढ़ स्थित श्री गोपाल मंदिर में श्री राम कथा : दोपहर 3 बजे
- सेक्टर-8 में महाराणा प्रताप भवन में राजपूत सम्राट मिहिर भोज के राज्याभिषेक दिवस पर कार्यक्रम: सुबह 9 बजे
- पाली मोहब्बताबाद क्रेशर जोन स्थित एसोसिएशन कार्यालय पर रागनी प्रतियोगिता और भजन: सुबह 11 बजे
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच : सुबह 9 बजे

निवेश गुरु

अमूमन म्यूचुअल फंड्स में 10 से 12 फीसदी तक का अनुमानित रिटर्न मिलता है। एसआईपी के जरिए इंवेस्ट किया जाए तो जोखिम कम रहता है। इसमें आप थोड़ा-थोड़ा पैसा लगाकर लाखों रुपए जोड़ सकते हैं। अगर आप हर महीने महज 1500 रुपए भी निवेश करते हैं तो आप इसके जरिए 30 साल में लगभग 53 लाख तक का फंड बना सकते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

सरसों की बिजाई के लिए एसएसपी उपयुक्त खाद

फरीदाबाद। कृषि उपनिदेशक डॉ. महाबीर सिंह ने कहा कि सरसों की बिजाई के लिए एसएसपी उपयुक्त खाद है। क्योकि इसमें 16 प्रतिशत फास्फोरस के साथ-साथ 12 प्रतिशत सल्फर भी होता है। जो फसल (तेल) की गुणवता व पैदावार को बढ़ाता है। उन्होंने जिला में किसान भाइयों को सलाह दी है कि वे सरसों की बिजाई के समय डीएपी की बजाए एसएसपी खाद का ही प्रयोग करें। कृषि उपनिदेशक ने बताया कि चौधरी चरण सिंह, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार की सिफारशों के अनुसार सरसों की फसल को आठ किलो फास्फोरस प्रति एकड की आवश्यकता होती है। जोकि एक बैग एसएसपी 16 प्रतिशत प्रति एकड डालने से पूरा हो जाता है। जबकि डीएपी खाद में 46 प्रतिशत के एक बैंग में 23 किलोग्राम फास्फोरस होता है। जोकि सरसों की लगभग तीन एकड़ बिजाई के लिए पर्याप्त है। परन्तु यह देखने में आया है कि सरसों की बिजाई में हमारे किसान भाई 2 एकड़ में ही एक बैग डीएपी खाद डाल देते हैं। इससे किसान भाईयों का व्यर्थ में ही ज्यादा धन खर्च हो जाता है तथा खाद की मात्रा भी अधिक डाली जाती है।

क्विक न्यूज

आज होगी श्रीराम कथा

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ स्थित श्री गोपाल मंदिर का 43 वां वार्षिकोत्सव श्री राम कथा के जरिये मनाया जाएगा। इस मौके पर डॉ. ठाकुरदास दिनकर कथावचक के रूप में उपस्थित रहेंगे। 17 अक्टूबर से शुरू हो रही श्रीराम कथा आगामी 20 अक्टूब तक जारी रहेगी। रोजाना दोपहर तीन से शाम छह बजे तक बल्लभगढ़ स्थित मोहना रोड़ के श्री गोपाल मंदिर में होगी। कथा का समापन 20 अक्टुबर को किया जाएगा। जिसमें सुबह 9 से 10 बजे तक हवन और 10 से दोपहर एक बजे तक प्रवचन तत्पश्चात भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस मौके पर विशेष आमंत्रित महंत श्री कामेश्वरानंद, उदासीन साधु आश्रम, बल्लभगढ़ और पंडित बनवारी लाल शर्मा, ब्रजवासी श्री राम कथा मर्मज्ञ, मथुरा उपस्थित रहेंगे। वहीं पदाधिकारीगण में बलदेव कृष्ण जुनेजा उपस्थित रहेगे। इसके साथ ही विशेष सहयोग श्री श्यामा श्याम संकीर्तन मंडल व महिला संकीर्तन मंडल का बल्लभगढ़ होगा।

निगम अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे हैं लोग

रुपये और मकान देने का लालच देकर प्लॉट मालिकों को फंसा रहे माफिया

राजेश दास। फरीदाबाद

नगर निगम अधिकारियों की लापरवाही के कारण शहर भर में धड़ल्ले के साथ अवैध निर्माण हो रहे हैं। शहर की रिहायशी कालोनियां हो या फिर सेक्टर अवैध निर्माण से कोई भी इलाका अछूता नहीं हैं। निगम के अधिकारियों की मिलीभगत से नियमों को ताक पर रख कर चार से छह मंजिला फ्लैटों का निर्माण किया जा रहा है। जिसका खामियाजा आए दिन आसपास रहने वाले अन्य लोगों को उठाना पड़ रहा है।

अवैध इमारतें झुकने रुकने से पड़ोसियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। निगम के नीचे से लेकर उच्चाधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई करने को तैयार नहीं है। शहर में सक्रिय बिल्डिंग माफियाओं द्वारा प्लॉट मालिकों को झांसे में लेकर यह पूरा खेल खेला जा रहा है। बिल्डिंग माफिया प्लॉट मालिक को दो फ्लोर और कुछ रुपयों का लालच देकर चार से छह मंजिला फ्लैटों का निर्माण कर रहे हैं। शेष अपने हिस्से के फ्लोर प्लॉट मालिक के ही हाथों बिकवा कर माफिया चलते बनते हैं। बाद में यदि अदालत के आदेश पर कोई कार्रवाई होती है तो भुगतना प्लॉट मालिक को पड़ेगा। माफियाओं को निगम अधिकारियों की मिलीभगत के कारण ही निर्माण के दौरान कोई झांकने तक नहीं आता।

शहर के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अवैध निर्माणों का फाइल फोटो।

झांसा देकर हो रहा खेल

यूं तो शहर के एनआईटी इलाके में तीन से चार मंजिला फ्लैट बनाकर अवैध रूप से बेचने का गौरखधंधा करीब डेढ़ दर्शकों से चल रहा है। लेकिन गत वर्ष सरकार ने लोगों को नियमों का पालन करते हुए चार मंजिला मकान बनाने की छूट दी थी। जिसके बाद तो शहर में अवैध निर्माणों की आंधी सी चल पड़ी है। शहर में फ्लैट बनाकर बेचने वाले माफिया बुरी तरह सक्रिय हो गए है। फ्लैट बनाने के लिए यह लोग प्लॉट नहीं खरीदते। यह लोग ऐसे प्लॉटों पर नजर रखते हैं, जिनके मालिकों के मकान काफी पुराने हो गए हैं। यह प्लॉट मालिक को निर्माण के बाद दो फ्लोर देने के साथ ऊपर से कुछ रुपये भी देने का झांसा देते हैं। प्लॉट मालिक को झांसे में लेने के बाद यह लोग चार से छह मंजिला फ्लैट तैयार करते हैं। दो फ्लोर मालिक को देकर शेष दो या तीन फ्लोर अन्य लोगों को बेच कर प्लॉट मालिक के हाथों ही उनके नाम पर रजिस्टरी करवा देते हैं। ऐसे में कभी दिक्कत हुई तो इसका खामिया मालिक को भुगतना पड़ेगा।

मिलीभगत का परिणाम अवैध निर्माण

एनआईटी में रहने वाले लोगों के परिवार बढ़ने से हो रही परेशानी को देखते हुए प्रदेश सरकार ने चार मंजिला मकान बनाने की छूट प्रदान की थी। इससे पहले शहर में सिर्फ ढाई मंजिल तक मकान बनाने की छूट थी। चार मंजिला मकान बनाने की अनुमति देने के साथ सरकार ने कुछ शर्ते भी लगाई थी। शहर में सक्रिय बिल्डिंग माफियाओं ने वह सभी शर्ते निगम अधिकारियों से मिलीभगत कर पूरी तरह ताक पर रख दी। नियमों के मुताबिक बिल्डिंग के निर्माण के दौरान डीपीसी के लेबल की जांच करवानी होती है। डीपीसी की जांच तो दूर पूरी की पूरी बिल्डिंग खड़ी हो जाती है और निगम के संबंधित अधिकारी मौके पर झांकने तक नहीं आते। वहीं बिल्डिंग का निर्माण करवाने से पहले न तो सबडिविजन करवाया जा रहा है और ही नक्शा पास करवाते हैं। निर्माण के बाद ज्यादातर इमारतों का कंप्लीशन तक नहीं करवाया गया है। इन औपचारिकताओं को पूरा करवाने के लिए नगर निगम को शुल्क दिया जाता है। लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से बिल्डर सरकार को राजस्व का चूना लगा रहे हैं।

शहर में कई जगह लगे हैं अवैध फ्लैटों के खिलाफ जागरुकता के बोर्ड।

पड़ोसी भुगत रहे खामियाजा

एनआईटी इलाके के एनएच एक, दो, तीन और पांच में पिछले करीब दो दशकों से धड़ल्ले के साथ अवैध रूप से चार से छह मंजिला फ्लैटों का निर्माण किया जा रहा है। कुछ साल पहले एनएच पांच में अवैध तरीके से बनाई गई एक इमारत झूक गई थी। हाल ही में एनएच तीन में अवैध रूप से बनाई गई एक पांच मंजिला इमारत झूक जाने से साथ लगते मकान में दरारे आ गई और अन्य कई तरह नुकसान हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए मालिक को परिवार के साथ मकान खाली करके जाना पड़ा। पीड़ित मकान मालिक ने मामले की शिकायत एनएन तीन पुलिस चौकी को दी थी। इलाके में धड़ल्ले के साथ हो रहे अवैध निर्माणों को देखते हुए एनएच तीन डी ब्लॉक के निवासियों ने इनके खिलाफ गत मार्च में शिकायत की थी। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे पहले सूरजकुंड इलाके के लक्कड़पुर में अवैध रूप से बनी पांच मंजिला इमारत में गहरी दरारें आ गई। शहर में अवैध रूप से बनाए जा रहे फ्लैटों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने के लिए कुछ लोगों ने बोर्ड तक लगवा हुए हैं।

एनएच तीन में रिहायशी प्लॉट पर किया गया व्यवसायिक निर्माण।

नहीं की जाती है कार्रवाई

समाजसेवी विष्णु गोयल का कहना है शहर भर में नगर निगम अधिकारियों की मिलीभगत से धड़ल्ले के साथ अवैध निर्माण किये जा रहे हैं। जिससे शहर में स्थिति दिन पर दिन गंभीर होती जा रही है। नगर निगम के छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों तक अनेक लोग अवैध निर्माणों के खिलाफ शिकायत कर रहे हैं। लेकिन इनके खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर शिकायतकर्ता का नाम ही निगम कर्मचारियों द्वारा निर्माणकर्ता के समक्ष उजागर कर दिया जाता है।

किसान की फसल के एक-एक दाने की होगी खरीद: नागर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर ने तिगांव की अनाज मंडी का औचक निरीक्षण कर मौके पर मिली समस्याओं का तुरंत समाधान किया। सोमवार से तीन-तीन एजेंसियां किसानों से अनाज खरीदेंगी।

उन्होंने बताया कि किसानों की खरीद में कुछ शिकायतें मिली थीं जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे। उन्हें यहां अनाज में नमी के आधार पर कम खरीद किए जाने के बारे में पता चला। उन्होंने एफसीआई के परचजेर को डांट लगाई और उच्च अधिकारियों से बात कर अन्य एजेंसियों को भी हायर करने का इंतजाम किया। विधायक नागर ने बताया कि उन्होंने जिला उपायुक्त से बात कर एफसीआई के साथ-साथ वेयरहाउस और हेफेड के परचेजर को भी तिगांव अनाज मंडी में लगाने के लिए बात की है। सोमवार से यहां तीन-तीन एजेंसियां किसानों का अनाज खरीदेंगी। शनिवार को भी करीब 350 क्विंटल अनाज की खरीद हुई है। विधायक राजेश नागर ने बताया कि हमारी हरियाणा की सरकार किसान हितैषी सरकार है। यही कारण है कि आज हरियाणा सबसे ज्यादा फसलों पर एमएसपी देने वाला राज्य बन गया है। हम पूरी तरह से सजग हैं। यदि किसी भी किसान को कोई दिक्कत होती है तो वह सीधे उनसे संपर्क कर सकता है। हम हर किसान के एक-एक दाने की खरीद सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए हम प्रतिबद्ध हैं।

तिगांव अनाज मंडी में दौरे के दौरान निर्देश देते विधायक राजेश नागर।

विधायक ने अधिकारियों से कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और इनकी परेशानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मौके पर एजेंसी के सीएमडी से भी बात की और हालात बताए। इसके बाद यहां खरीद शुरू हो गई। जिसके बाद किसान प्रसन्न नजर आए। मंडी प्रधान श्रीपाल, मांगे गोयल, देवराज गोयल, बबलू नर्वत, सौरव रावत, योगेंद्र मास्टर, जगबीर नंबरदार, देवेंद्र कपासिया, मार्केट सचिव रणधीर सिंह, एफसीआई से परचेजर योगेश सोलंकी, परचेजर विपुल आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

एमवीएन-17 का आईआईटी में धमाकेदार प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

आईआईटी खड़गपुर के द्वारा घोषित आईआईटी (जेईई-एडवांस) की परीक्षा में, फाइनल स्कोर के आधार पर एमवीएन-17 के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

एमवीएन-17 के छात्र रिशित सिंगला ने एआईआर 68, ओजस्वी बंसल ने एआईआर 438, दिविज सिंगला ने एआईआर 723, हर्शीत गुप्ता ने एआईआर 880, चेतन्या गोईका ने एआईआर 982, रैंक प्राप्त कर फरीदाबाद में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण देश में एमवीएन-17 की श्रेष्ठता का परचम लहरा दिया है। एमवीएन सेक्टर-17 से 67/215 छात्रों ने सफलता प्राप्त कर श्रेष्ठता का परिचय दिया है। एमवीएन सदैव अपने छात्रों को सर्वश्रेष्ठ सुविधा, शिक्षण एवं वातावरण उपलब्ध कराता है। कोरोना जैसी महामारी के समय में भी एमवीएन-17 के योग्य अध्यापकों ने ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से जी-तोड़ मेहनत की। विद्यालय के प्रबंधकों और अभिभावकों का योगदान अविस्मरणीय है। ऑनलाइन पढ़ाई की समुचित व्यवस्था के लिए एमवीएन-17 की प्राचार्य अगल्या वेंकटेश का योगदान सराहनीय है, जिन्होंने छात्रों के कन्धे से कन्धा मिलाकर एमवीएन-17 को नई ऊंचाई प्रदान की है।

जेईई एडवांस में पास हुए एमवीएन-17 के विद्यार्थी।

बाबा राजकुमार के जन्म दिवस पर किया भंडारे का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सुप्रसिद्ध परसोन मंदिर में रहने वाले बाबा राजकुमार की जन्म दिवस पर अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र शर्मा बबली ने खेड़ी पुल बाईपास रोड पर भंडारे का आयोजन किया। सुरेन्द्र शर्मा बबली ने बताया कि बाबा राजकुमार की महत्ता अद्‌भुत थी। वह विशेष शक्तियों से ओत-प्रोत ज्ञाता और विद्वान थे।

उनकी सूक्ष्मदृशी सोच और परम ज्ञान की कृपा के चलते ही आज हम सुखी जीवनयापन कर रहे हैं। इस अवसर पर सुरेन्द्र शर्मा बबली ने माता पीताम्बरा की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की और बाबा राजकुमार के चरणों में माथा टेका।

बाबा राजकुमार को श्रद्धांजलि देते ब्राह्मण सभा के सदस्य।

उन्होंने कहा कि माता पीताम्बरा की बहुत बड़ी अनुकंपा है और यहां पर मनोकामना मांगने से अवश्य पूरा होती है। भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास के बच्चों ने प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर एल आर शर्मा मैनेजर, चन्द्रपाल शर्मा, संजीव पाराशर, कैलाशर पाराशर, राजू पाराशर और कर्ण पाराशर आदि मौजूद रहे।

ऐतिहासिक कलश यात्रा में शामिल हुईं 551 महिलाएं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजीव कॉलोनी वार्ड-नंबर एक में श्रीमद्‌भागवत कथा से पूर्व धूमधाम के साथ कलश यात्रा निकाली गई। सिर पर कलश धारण किए महिलाएं आकर्षण का केंद्र बनी हुई थीं। कलश यात्रा टीटू वाटिका से शुरू होकर सेक्टर 56 से परिक्रमा कर भागवत कथा स्थल तक पहुंची। कलश यात्रा में 551 महिलायें शामिल हुईं और पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। रास्ते में स्थानीय लोगों ने पानी व अन्य चीजों का स्टाल लगाकर कलश यात्रियों की सेवा की।

कथा व्यास आचार्य पंडित श्रीराम बापू महाराज ने विधिविधान से पूजा अर्चना के बाद कलश यात्रा का शुभारंभ किया। कलश यात्रा पूरे क्षेत्र में भ्रमण किया। भक्तों के जयकारे से माहौल भक्तिमय हो गया। पीले वस्त्रों और चुनरी धारण किए हुए महिलाओं ने कलश को सिर पर रखकर प्रभु का स्मरण करते हुए भक्ति मय वातावरण में भक्ति संगीत के साथ नृत्य करते कथास्थल तक पहुंची।

राजीव कॉलोनी वार्ड-नंबर एक में श्रीमद्‌भागवत कथा से पूर्व धूमधाम के साथ कलश यात्रा निकाली गई।

इस कलश यात्रा देखने के लिए सड़कों और अपने घरों की छत से लोगों ने कार्यक्रम की सफलता को लेकर प्रभु से कामना की। श्रीमद्‌भागवत कथा के आयोजक भाजपा नेता मुकेश डागर ने बताया कि 23 अक्टूबर तक दोपहर दो बजे से शाम छह बजे तक चलेगी।

23 अक्टूबर को भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को भक्ति ज्ञान महोत्सव का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि कथा का समापन हरिद्वार में होगा और कलश यात्रा में शामिल सभी महिलाएं हरिद्वार में गंगा स्नान करेंगी।

स्थानीय पार्षद सपना डागर ने भी कलश यात्रा में भाग लिया। इस मौके पर राजीव कालोनी, झाड़सैंतली, सेक्टर 55 की सरदारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट बल्लभगढ़ 9811477204
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

ये कैसे रहनुमा हैं और कैसी राजधानी है
नहीं है शर्म आंखों में नहीं आंखों में पानी है
अहम लादे हुए लोगों को अब ये कौन समझाये
ये काया माटी की है और माटी में समानी है

डॉ. आहूजा के नेतृत्व में डीएवीएम नई ऊंचाइयां छूएगा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

डीएवी शताब्दी कॉलेज फरीदाबाद के प्रिंसिपल के रूप में डॉ. सतीश आहूजा ने 15 वर्ष के सफल कार्यकाल के बाद 12 अक्टूबर को डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, फरीदाबाद में बतौर प्रिंसिपल डायरेक्टर ज्वॉइन किया। वह शिक्षा के क्षेत्र में एक विशाल अनुभव के साथ एक विपुल शिक्षक और शोधकर्ता हैं और डीएवी प्रबंधन संस्थान उनके नेतृत्व में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए उत्सुक हैं।

डॉ. सतीश आहूजा को टीचिंग और एडमिनिस्ट्रेशन का भरपूर अनुभव है और डॉ. सतीश आहूजा कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर पर कई समितियों और परिषदों के सदस्य हैं, जिनमें एमडीयू स्पोर्ट्स काउंसिल के अध्यक्ष और कार्यकारी परिषद स्पोर्ट्स बोर्ड, यूथ रेडक्रॉस, छात्र कल्याण समिति के सदस्य के रूप में शामिल हैं। वह लायंस क्लब ऑफ फरीदाबाद सूर्या के संस्थापक चार्टर अध्यक्ष और एक गैर सरकारी संगठन सूर्या-केयरिंग द नेशन के संस्थापक ट्रस्टी हैं। उनके जीवन के विभिन्न स्थलों को प्राप्त करने के लिए उन्हें सम्मानित किया गया है।

डीएवी मैनेजमेंट में प्रिंसिपल डायरेक्टर ज्वॉइन करने पर हवन करते डॉ. सतीश।

उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में कैसे व्यापार में सुधार करने के लिए विषय पर अधिकतम अवधि के लिए प्रतिभागियों की अधिकतम संख्या के लिए सबसे लंबे समय तक व्यापार व्याख्यान देने के द्वारा दर्ज किया गया है। डॉ. सतीश आहूजा ने अपने नए कार्य के लिए सर्वशक्तिमान का आशीर्वाद लेने के लिए 14 अक्टूबर को हवन यज्ञ किया। मौके पर केएल खुराना, अध्यक्ष आर्य प्रदेशिक प्रतिनिधि उपसभा, चौधरी, क्षेत्रीय अधिकारी, डीएवी स्कूल, हरियाणा, श्रीदास, प्राचार्य, डीएवी स्कूल, सेक्टर, 49, ज्योति दहिया, प्रिंसिपल डीएवी स्कूल एनआईटी-3 की, डॉ. मुकेश बंसल, प्रोफेसर, डीएवी शताब्दी कॉलेज, आापी हंस, उद्योगपति और एक कट्टर आर्य समाजवादी, अनीता गौतम, प्रिंसिपल, डीएवी स्कूल, सेक्टर 14, डॉ. हेमा अरोड़ा, प्रिंसिपल, डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, सेक्टर 30, सतीश सलूजा, संस्थापक सदस्य, डीएवी शताब्दी कॉलेज, रवि कुमार, अध्यक्ष, पूर्व छात्र संघ, डीएवी शताब्दी कॉलेज मौजूद रहे।

डीग में आयोजित किया गया कबड्डी टूर्नामेंट

फरीदाबाद। हर वर्ष की तरह दशहरा के मौके पर गांव डीग में आयोजित प्रो कबड्डी टूर्नामेंट में 15 टीमों ने भाग लिया।

गांव डीग की टीम सागरपुर, लडोली, पृथला, दिल्ली बुराड़ी, गुड़गांव, मीठापुर, सुमपेड़, बीएसए बल्लभगढ़, भविष्य बल्लभगढ़ आदि टीमों ने भाग लिया। टीमों को फिर ए और बी दो भागों में बांट दिया गया। जिसमें की टीमें में बीएमसी सागरपुर, भविष्य बल्लभगढ़, बीएसए बल्लभगढ़, दिल्ली बुराड़ी, सुमपेड़ टीम बी में दिल्ली मीठापुर, पृथला, दिल्ली मीठापुर,भी गुड़गांव लाडली अभी फाइनल मैच नहीं हो पाया है। मुख्य अतिथि के तौर पर नैनपाल रावत के छोटे भाई दर्द पाल रावत ने मैच की शुभारंभ कराया। ग्राम की समस्त सरदारी मौजूद थी। कबड्डी का आयोजन के संयोजक नवीन चौधरी, सुमित, सुभाष गहलोत के साथ समस्त गांव डीग निवासी चरण सिंह, भीम सिंह, परसराम, गिर्राज, प्रीतम, ज्ञानचंद, सुनील, चेतन, प्रवेश, परवीन, रणवीर मौजूद रहे।

मृतक की पहचान

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक नाम पता नामालूम व्यक्ति मैन मथुरा रोड नजदीक DS Doors के पास मृत अवस्था में पाया गया है जिसका रात के समय कोई नाम पता नामालुम गाडी चालक एक्सिडेंट करके भाग गया है। मुकद्मा न. 266 दिनांक 08.10.2021 धारा 279, 304 AIPC थाना सराय ख्वाजा में दर्ज रजिस्ट्रर किया गया है जिसकी लाश पोस्ट मोर्टम के लिए बीकेएच फरीदाबाद मोर्चरी में रखवाई गई है। हुलिया रंग गेहुंआ, कद 5 फिट, नीली कमीज व नीली लोवर पहने हुए, दाएं कान में प्लास्टिक की बाली, दाएं हाथ में स्टील का कड़ा हैं। उपरोक्त के बारे में कोई भी सूचना मिलती है तो प्रबंधक अफसर थाना सराय ख्वाजा को सुचित करें।

प्रबंधक अफसर थाना सराय ख्वाजा फरी., मो. न. 9582200121, 9654254199

डेंगू: अस्पतालों में बिस्तर और ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स नहीं

कविता। फरीदाबाद

चार नए मामले आने से डेंगू का आंकड़ा पहुंचा 161 पर

बीके में प्लेटलेट्स जांच की मशीन लगवाने की उठ रही मांग

शहर में दो दिनों में 11 डेंगू मरीजों की पुष्टि जिला मलेरिया विभाग द्वारा की गई है। जिससे डेंगू के मरीजों की संख्या का आंकड़ा 161 पर पहुंच गया है, लेकिन डेंगू के मरीजों की बढ़ती संख्या को रोकने के जो प्रयास स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम द्वारा किए जा रहे हैं, वह नाकाफी साबित हो रहे हैं। क्योंकि मरीजों को अस्पतालों में बिस्तर और न ही ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स नहीं मिल रहे हैं। जिसे देखते हुए बीके अस्पताल में प्लेटलेट्स जांच की मशीन लगवाने की मांग सोशल मीडिया पर उठ रही है।

बंद रहीं मशीनें : जिले में संतों का गुरुद्वारा, रोटरी क्लब, डिवाइन, क्यूआरजी, एशियन अस्पताल, सर्वोदय अस्पताल, एस्कोर्ट्स अस्पताल के अलावा सेक्टर-58 स्थित पवन अस्पताल में प्लेटलेट्स

बीके अस्पताल में मौजूद ब्लड बैंक।

जांच की मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन जांच किट न होने से लोगों को यहां एक से तीन दिनों का समय दिया जा रहा है। शनिवार को संतों के गुरुद्वारे और पवन अस्पताल में जांच किट न होने से मरीजों को प्लेटलेट्स उपलब्ध नहीं हो सके।

बीके बन सकता था सहारा : बीके अस्पताल में ब्लड सैपरेटर मशीन उपलब्ध है। लेकिन यह मशीन केवल रक्त से प्लाज्मा अलग करके ही प्लेटलेट्स बना सकती है। हालांकि इन दिनों मशीन का उपयोग हो रहा है। बीके अस्पताल की ब्लड बैंक से सितम्बर में 37 यूनिट और अक्टूबर में 57 यूनिट प्लेटलेट्स डोनेट की जा चुकी है। रक्तदान शिविरों के बाद ही यहां प्लेटलेट्स बनाने की प्रक्रिया की जाती है। शनिवार को यहां प्लेटलेट्स लेने आए लोगों को वापस लौटना पड़ा।

उठ रही यह मांग : बीके अस्पताल में डायरेक्ट प्लेटलेट्स बनाने वाली मशीन न होने पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट वायरल हो रही है। जिसमें लिखा है कि ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स मशीन न होने से लोगों को 11 हजार रुपये में बाहर से प्लेटलेट्स लेने पड़ रहे है, लेकिन प्लेटलेट्स समय पर नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि मशीनों पर किट उपलब्ध नहीं है। जिसे देखते हुए नवप्रयास सेवा संगठन द्वारा 18 अक्टूबर को सीएमओं को स्वास्थ्य मंत्री के नाम ज्ञापन देने की घोषणा की है। जिसमें उन्होंने बीके अस्पताल में मशीन की मांग रखने की बात कही है। इस वायरल संदेश में उन्होंने जिला उपायुक्त को भी इस समस्या के लिए ज्ञापन देने की बात कही है।

बच्चों के मिड-डे-मील अकाउंट बंद कराए, वर्चुअल खातों से रहेगी नजर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पायलट स्कीम से विद्यार्थियों को मिलेगा पोषणयुक्त चावल

विभाग अगले सप्ताह प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में खुलवाएगा नए वर्चुअल खाते : डीसी

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि अब वर्चुअल अकाउंट खुलने से मिड-डे-मील राशि के इस्तेमाल में पूरी तरह से पारदर्शिता रहेगी। कुपोषण से बचाने के लिए स्कीम शुरू की गई है। पायलट स्कीम के जरिए बच्चों को एफसीआई की ओर से दिए जाने वाले पोषणयुक्त चावलों में आयरन, विटामिन बी-12, फॉलिक एसिड जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में होते हैं। इन चावलों का सेवन बच्चों को कुपोषण से बचाएगा। पोषणयुक्त चावलों में जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और खनिज की मात्रा को कृत्रिम तरीके से बढ़ाया जाता है। अब बच्चों को पोषणयुक्त आटे के साथ पोषणयुक्त चावल भी मिलेंगे। फिलहाल, स्कूली विद्यार्थियों को 100 ग्राम चावल और अपर प्राइमरी 150 ग्राम दिए जा रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ऋतु चौधरी ने बताया कि गत वर्ष कोरोना में सरकार ने सरकारी स्कूलों में मिड-डे-मील में खाना बंद करा कर सूखा राशन बंटवाना शुरू कर दिया था। इसके लिए लॉकडाउन में भी अध्यापकों की ड्यूटी विद्यार्थियों को घर-घर राशन पहुंचाने की लगाई गई थी। जिला के सभी राजकीय स्कूलों में मार्च 2020 से 6 अक्टूबर 2021 तक विद्यार्थियों को सूखा राशन दिया जा दिया जा रहा था। इस सूखे राशन में विद्यार्थियों को चावल व आटा मिलता था, लेकिन अब शिक्षा विभाग ने छह अक्टूबर को पत्र जारी कर प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में मिड-डे-मील के खाते बंद करने के आदेश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि मिड-डे-मील के इन बैंक खातों को बंद करके विभाग मिड-डे-मील के नए वर्चुअल खाते खुलवाए जाएंगे और पायलट

जितेंद्र कुमार, जिला उपायुक्त।

स्कीम चलाई जाएगी। इस स्कीम के तहत बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें एफसीआई की ओर से सामान्य चावल की जगह पोषण युक्त चावल दिया जाएगा। वहीं, वर्चुअल खातों में विभाग मिड-डे-मील की राशि के इस्तेमाल को अकाउंट खोलकर देख सकेंगे। यह प्रोसेस मिड-डे-मील ग्रांट के रुपयों के इस्तेमाल में पारदर्शिता बरतने के लिए लागू की गई है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी बलबीर कौर ने कहा कि विभाग की इस पर सीधी नजर रहेगी। शिक्षा विभाग ने पुराने फिजिकल मिड-डे-मील के खातों को बंद कराकर अब नए वर्चुअल अकाउंट खोलने की तैयारी कर ली है। इससे विभाग के पास वर्चुअल खातों में डाली पूरी राशि की जानकारी रहेगी। इन खातों के जरिए मिड-डे-मील की राशि के एक-एक रुपये का सीधा हिसाब विभाग के पास रहेगा। पता चल सकेगा कि किस स्कूल ने राशि के कितने रुपये कहां इस्तेमाल किए हैं, जबकि पुराने खातों के जरिए विभाग को हर जिला के हर स्कूल से अकाउंट की जानकारी मांगनी पड़ती थी। अब वर्चुअल अकाउंट खुलने से मिड-डे-मील राशि के इस्तेमाल में पूरी तरह से पारदर्शिता रहेगी।

कुपोषण से बचाने के लिए स्कीम शुरू की गई है। पायलट स्कीम के जरिए बच्चों को एफसीआई की ओर से दिए जाने वाले पोषणयुक्त चावलों में आयरन, विटामिन बी-12, फॉलिक एसिड जैसे पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में होते हैं। इन चावलों का सेवन बच्चों को कुपोषण से बचाएगा। पोषणयुक्त चावलों में जरूरी पोषक तत्व, विटामिन और खनिज की मात्रा को कृत्रिम तरीके से बढ़ाया जाता है। अब बच्चों को पोषणयुक्त आटे के साथ पोषणयुक्त चावल भी मिलेंगे। फिलहाल, स्कूली विद्यार्थियों को 100 ग्राम चावल और अपर प्राइमरी 150 ग्राम दिए जा रहे हैं।

भारतीय रेडक्रॉस समिति की सदस्य्य मनोनीत होने पर सुषमा गुप्ता का स्वागत

सुषमा गुप्ता का स्वागत करते जिला रेडक्रॉस के सदस्य।

फरीदाबाद। भारतीय रेडक्रॉस समिति, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली में उत्तर जोन से सदस्य मनोनीत होने पर हरियाणा राज्य रेडक्रॉस चंडीगढ़ की उपाध्यक्ष सुषमा गुप्ता का आज जिला रेडक्रॉस सोसायटी फरीदाबाद में पधारने पर जिला सचिव व अन्य पदाधिकारियों द्वारा गुलदस्ते भेंट कर स्वागत किया गया।

सचिव विकास कुमार ने कहा कि हरियाणा राज्य ने तीसरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की समिति के चुनावों में जीत हासिल कर हैट्रिक बनाई है। इसके लिए गुप्ता विशेष बधाई की पात्र हैं। इससे पहले डीआर शर्मा, महासचिव, हरियाणा राज्य रेडक्रॉस समिति इसके दो बार सदस्य रह चुके हैं। वहीं सुषमा गुप्ता ने अपनी गतिविधियों को इसी प्रकार भविष्य में भी और तेज गति से जारी रखते हुए मानव सेवा पथ पर अग्रसर रहने का संकल्प दोहराया। सुषमा गुप्ता ने कहा कि उनका यह प्रयास होगा कि हरियाणा के सभी जिला शाखाओं में रक्तकोष शुरू किए जाएं और प्रत्येक शाखा में एक एम्बुलेंस उपलब्ध रहे। इस दौरान उन्होंने जिला रेडक्रास सोसायटी के कार्यों का अवलोकन कर उनकी प्रशंसा भी की। विकास कुमार ने कहा कि सुषमा गुप्ता रेडक्रॉस की मानवीय गतिविधियों में पिछले 15 वर्षों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने संस्था में शुरुआत समिति की आजीवन सदस्य बनकर की तथा रेडक्रॉस के कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। उन्होंने गरीब लड़कियों की शादी, लड़कियों की शिक्षा एवं उनकी सुरक्षा से संबंधित अनेक कार्य किए हैं।

युवा खेल से अपना भविष्य उज्जवल बनाएं : उपायुक्त

बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन पर खिलाड़ी और अभिभावक।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला उपायुक्त जितेंद्र यादव का कहना है कि खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा कर अपने जीवन को उज्जवल बना सकता है। उपायुक्त सेक्टर-14 स्थित मानव रचना स्पोर्ट्स अकैडमी में जिला फरीदाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित 41वें जिला फरीदाबाद बैडमिंटन चैंपियनशिप के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियों और अभिभावकों को संबोधित कर रहे थे।

प्रतियोगिता में 325 खिलाड़ी शिरकत कर रहे हैं। फरीदाबाद जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अमित भल्ला, मानव रचना स्पोर्ट्स अकैडमी के निदेशक सरकार तलवार, जिला फरीदाबाद बैडमिंटन एसोसिएशन के पैटर्न आनंद मेहता, महासचिव संजय सपरा, रवि कालरा, हेमंत शर्मा, कोच संजय नागर, कोच आदित्य मेहता विशेष रूप से उपस्थित थे।

उद्घाटन अवसर पर विभिन्न आयु वर्ग के मैच करा। खिलाड़ियों व अभिभावकों को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त जितेंद्र यादव ने कहा कि आज के समय में युवाओं पर पढ़ाई का बहुत ज्यादा भार होता है तथा खेल के माध्यम से पढ़ाई के भार को कम तो किया जाता ही है साथ ही साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागी बन कर युवक अपने जीवन को भी उज्जवल बना सकते हैं।

सप्ताहिक ऑनलाइन शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कोर्स का समापन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बिग डाटा कंप्यूटिंग में उभरते अनुसंधान क्षेत्रों पर एक सप्ताह का शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कार्यक्रम (एसटीटीपी) संपन्न हुआ । यह कार्यक्रम एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित था। कार्यक्रम का संचालन शिक्षा और उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

समापन दिवस समारोह में सर्वप्रथम शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग कार्यक्रम की थीम कुलसचिव डॉ एसके गर्ग द्वारा प्रस्तुत की। बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डॉ. रविंद्र कुमार सोनी ने अपने ज्ञानमयी शब्द प्रतिभागियों के समक्ष रखे और कार्यक्रम के अंत में अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा प्रतिक्रिया एवं ग्रुप फोटोग्राफ के साथ कार्यक्रम को विराम दिया। सम्मेलन मेंशोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों सहित देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता कुलपति दिनेश कुमार ने की। जेसी बोस विवि के सूचना विज्ञान और कंप्यूटिंग संकाय के डीन प्रो कोमल भाटिया ने सभापतित्व किया।

क्यूआरजी बैडमिंटन टूर्नामेंटस सम्पन्न

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने के लिए पैरा शूटर सिंहराज अधाना को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

खेल के माध्यम से स्वास्थ्य और कॉर्पोरेट जगत को एक प्लेटफार्म पर लाने के उद्देश्य से क्यूआरजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारा सेक्टर-86 स्थित प्ले आल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित क्यूआरजी बैडमिंटन डबल्स टूर्नामेंट 2021 का समापन हुआ। यह टूर्नामेंट 22 दिन चला।

खास मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे निशानेबाज सिंहराज अधाना को टोक्यो पैरालिंपिक 2020 में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाने के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही फरीदाबाद के डीसी आईएएस जितेन्द्र यादव भी बतौर मुख्य अतिथि स्वागत किया गया। पैरा शूटर सिंहराज अधाना, डीसी जितेन्द्र यादव, क्यूआरजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के संचालन वाइस प्रेसिडेंट राजीव गोयल उपस्थित रहे। समापन समारोह के

क्यूआरजी बैडमिंटन टूर्नामेंट के समापन पर पुरस्कार वितरित करते उपायुक्त।

अवसर पर विजेता टीमों को पुरस्कार राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

क्यूआरजी अस्पताल द्वारा स्वास्थ्यकर्मियों और कॉर्पोरेट्स के लिए पहली बार आयोजित बैडमिंटन डबल टूर्नामेंट में फरीदाबाद और पलवल जिले से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल, नर्सिंग होम एसोसिएशन फरीदाबाद, ऑर्थो फोरम, फरीदाबाद सर्जनंस एसोसिएशन, डेंटल एसोसिएशन और फिजियोथेरेपी एसोसिएशन जैसी बड़ी संस्थाएं, हेल्थ से जुड़े कॉर्पोरेट जगत (एनएचपीसी, आईओसीएल, एस्कॉर्ट्स, जेसीबी, टैकमसेह), हरियाणा पुलिस, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम और शिक्षा विभाग ने भी हिस्सा लिया। टूर्नामेंट में आईएमए ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पार्टिसिपेशन के लिए भी कई नाम भेजे गए जो क्वालीफाइंग मुकाबलों तक पहुंचे।

पैरा शूटर सिंहराज अधाना ने कहा कि हर किसी को खेलों में भाग लेना चाहिए। खेलने से न केवल हमारी फिटनेस बनी रहती है बल्कि हम शारीरिक रूप से भी मजबूत बनते हैं। अपने जीवन में कभी नकारात्मक विचारों को मत आने दो, हमेशा सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। मेरी इस कामयाबी के पीछे मेरे द्वारा किया गया लगातार प्रयास है। उन्होंने क्यूआरजी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को कोविड सुरक्षा के बीच इस टूर्नामेंट आयोजन की बधाई दी। फरीदाबाद के डीसी आईएएस जितेन्द्र यादव ने कहा कि इस बैडमिंटन चैंपियनशिप के माध्यम से जिला स्तर पर तमाम हेल्थकेयर वर्कर्स और कॉर्पोरेट्स को एक मंच पर लाने का विचार बेहद सराहनीय है।

थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों का मनाया जन्मदिन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्लब आफ फरीदाबाद इंडस्ट्रीयल टाउन के सहयोग से थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चो का जन्मदिन मनाया गया। निशुल्क दवा वितरण किया गया इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि अनीता जैन (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इनरव्हील् क्लब्स ऑफ इंडिया 301) रही।

संस्था का हमेशा प्रयास रहा है बच्चो को स्वस्थ तो रखा जाये उन्हें खुशिया भी दी जाये जिसके लिए संस्था समय समय पर प्रोग्राम करती रहती है। कार्यक्रम उसी कड़ी का ही एक हिस्सा था। रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद इंडस्ट्रीयल टाउन काफी सालो से संस्था के साथ जुड़ा हुआ है जब भी संस्था को किसी प्रकार की जरूरत होती है क्लब हमेशा संस्था के साथ खड़ा मिलता है आज भी रोटरी

थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों का जन्मदिन मनाते टीम के सदस्य।

क्लब ऑफ फरीदाबाद इंडस्ट्रीयल टाउन के द्वारा 1 लाख रुपये की दवाइयों का वितरण किया गया। जिसके लिए क्लब के रोटेरियन संजय आहूजा का विशेष सहयोग रहा। मुख्यातिथी जैन ने कहा कि वो इनरव्हील्स क्लब्स को संस्था के साथ जो? कर एक बहुत बड़ा अभियान चलायेगी ताकि अधिक से अधिक लोगो को इस भयानक बीमारी के बारे में पता चल सके व बीमारी पर काबू पाया जा सके।

उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर रोटरी इंटरनेशनल पोलियो पर काबू पा सकता है तो थैलेसीमिया पर भी काबू पाया जा सकता है। संस्था के महा सचिव रविंद्र डुडेजा ने बताया की अक्टूबर माह में ही स्व. नरेंद्र चंचल का जन्मदिन आता है, उन्होंने बच्चों की मदद के कई कार्य किए थे। वहीं अलोक मित्तल का भी जन्मदिन आता है। व्यस्त कार्यक्रम के कारण वो फरीदाबाद नहीं आ पाये।

साथ ही थैलेसीमिया बच्चों का हेल्थ चेकअप डॉ. अमिता महाजन व् उनकी टीम अपोलो हॉस्पिटल दिल्ली द्वारा किया गया और संस्था द्वारा निशुल्क दवाइया दी गयी। अंत में संस्था के प्रधान हरीश रतरा ने बताया की संस्था का हमेशा प्रयास है बच्चों का सुखी और स्वस्थ जीवन। अंत में हरीश रतरा ने सभी गणमान्य लोगो का बच्चो की खुशियों में शामिल होने के लिए धन्यवाद किया।

बालिका दिवस के उपलक्ष्य में महिला जागरुकता कार्यक्रम

फरीदाबाद। सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार 75वें स्वतंत्रता वर्ष के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव अभियान के तहत स्थानीय वन स्टॉप सेंटर के द्वारा महिला शक्ति केंद्र के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य पर जिला में अलग अल आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्लोगन, लेखन, प्रतियोगिताएं और कन्या पूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों से बालिकाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

वन स्टाफ सेन्टर की इन्चार्ज डॉ. मीनू यादव ने बताया कि पीड़ित महिलाओं के लिए जिला में वन स्टॉप सेंटर सुरक्षित साबित हो रहा है। यहां पर आई हुई महिलाओं को पूरा आत्म

स्लोगन, लेखन, प्रतियोगिताएं और कन्या पूजन एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

और सामाजिक सम्मान मिला है। वन स्टॉप सेंटर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा जिला के बीके नागरिक अस्पताल में वन स्टॉप सेंटर स्थापित किया गया है। यह वन स्टॉप सेंटर सखी नाम से विख्यात है, जहां किसी भी प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं एवं बच्चियों को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

आरपीएस क्रिकेट क्लब ने छह विकेट से जीता मैच

फरीदाबाद। सातवें ऑल इंडिया रविंद्र फागना यूथ कप क्रिकेट टूर्नामेंट मैच में आरपीएस क्रिकेट क्लब ने अयाज क्रिकेट क्लब को छह विकेट से हराया। पाली रविंद्र फागना क्रिकेट अकादमी स्थित मैदान पर खेले गये मैच में बीसीसीआई कोच धर्मेंद्र फागना ने बताया कि आरपीएस क्रिकेट क्लब ने टॉसजीत कर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। अयाज क्रिकेट क्लब ने 26.2 ओवर में 10 विकेट पर 95 रन बनाए। सूरज ने 21 रन, निशांत ने 17 रन, गौतम और रिजवान ने 12-12 रन बनाए। आरपीएस के गेंदबाज मिथिलेश रावत ने चार विकेट, यतीश ने तीन विकेट, अनिरुद्ध, अमित और सौभाग्या ने एक-एक विकेट ली। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरपीएस क्रिकेट क्लब ने 17.5 ओवर में चीर विकेट में 97 रन बनाकर मैच जीत लिया। नक्ष ने नाबाद 54 रन, आदी और विकास ने 13-13 रन बनाए। अयाज के गेंदबाज सोहिल ने दो विकेट, राज सिंह ने एक विकेट ली। मैच में मैन ऑफ द मैच पुरस्कार ने मिथिलेश रावत को दिया गया।

शादी झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय डॉ. अंशु सिंगला के दिशा निर्देश के तहत कार्य करते हुए महिला थाना एनआईटी की टीम ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ बलात्कार करने के जुर्म में एक आरोपी को गिरफ्तार जेल भेज दिया। आरोपी सुनील, करनेरा गांव का रहने वाला है। आरोपी के खिलाफ महिला थाना एनआईटी में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी ने भाई की साली के साथ बलात्कार किया था। पीढ़िता ने बताया कि बहन का देवर सुनील हमारे घर आता-जाता था। वर्ष 2019 में सुनील ने पीड़िता को फोन किया और कहा कि पीड़िता की बहन की तबीयत खराब है और जल्दी से वह उसके घर आ जाए। जब वह बहन के ससुराल पहुंची तो उसकी बहन वहां पर नहीं थी। आरोपी ने युवती को घर बुलाकर शादी का झांसा दिया और उसके साथ बलात्कार की वारदात को अंजाम दे दिया। आरोपी ने पीड़िता को कई बार बाहर बुलाया और उसके साथ बलात्कार किया। उसकी वीडियो भी बना ली। मई 2021 में पीढ़िता ने आरोपी से शादी करने के लिए कहा तो वह आनाकानी करने लगा। आरोपी के घर वालों शादी करने से इनकार कर दिया। एएसआई सोनिका महिला थाना एनआईटी टीम ने सूत्रों की सहायता से आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जल गुणवत्ता परीक्षण की छात्रों को देंगे प्रशिक्षण : दीपक

फरीदाबाद। जल जीवन मिशन के उद्देश्यों व पेयजल की गुणवत्ता के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा। स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार दीपक कुमार ने अपने कार्यालय में शनिवार को इसके लिए ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर की बैठक बुलाई। जिला सलाहकार दीपक कुमार ने बताया कि मुख्य कार्यालय से आदेश प्राप्त हुए हैं कि कैथल जिले के 36 साइंस स्ट्रीम स्कूलों में जल गुणवत्ता परीक्षण को लेकर 11वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि विद्यार्थियों द्वारा गांव में ही जल की गुणवत्ता का प्रशिक्षण किया जा सके। जिला सलाहकार दीपक कुमार ने बताया कि कैथल जिले के कुल 36 विद्यालयों का मुख्य कार्यालय द्वारा चयन किया गया है जिनमें पानी की गुणवत्ता को लेकर कार्यक्रम किया जाना है। साइंस स्ट्रीम विद्यालयों में बच्चों को जल की गुणवत्ता को लेकर विशेष कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण दिया जाएगा। दीपक कुमार ने बताया कि मुख्य कार्यालय द्वारा इन स्कूलों का चयन किया गया है और इसका लक्ष्य 31 अक्टूबर 2021 रखा गया है और कैथल जिले के सभी ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर की इस कार्य को पूरा करने के लिए ड्यूटी लगा दी गई है। मौके पर बीआरसी सतविंदर सिंह, रघबीर सिंह, साहिब सिंह, विष्णु शर्मा, चंद्रशेखर और संदीप कुमार मौजूद रहे।

मंत्री ने अपने दफ्तर पर मोहित को किया सम्मानित

बल्लभगढ़। यूपीएससी के एग्जाम में पलवल जिले के मोहित रावत द्वारा 462वी रेंक हासिल करने पर हरियाणा के परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचंद शर्मा ने मोहित रावत को सेक्टर 8 कार्यालय पहुंचने पर शॉल भेंट की और मिठाई खिलाकर बधाई देते हुए उसके सुनहरे भविष्य की कामना की। मूलचंद शर्मा ने लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में देश प्रदेश का युवा बिना किसी खर्ची और पर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरियां पा रहे हैं। बता दे कि यूपीएससी की परीक्षा पास करने वाला मोहित रावत पलवल जिले के गांव बहीन निवासी सिंचाई विभाग फरीदाबाद में कार्यकारी अभियंता वीरेंद्र रावत का भतीजा और मूलचन्द शर्मा के मित्र जवाहर सिंह रावत का पुत्र है। सेक्टर 8 फरीदाबाद कार्यालय पर मोहित रावत के साथ उनके पिता जवाहर रावत सहित गांव की सरदारी पहुंची तो परिवहन मंत्री शर्मा ने सभी को बधाई दी। मोहित रावत ने बताया कि उसका सिलेक्शन उत्तर प्रदेश में डिप्टी कलेक्टर के पद पर भी हो चुका है। मौके पर टिपरचंद शर्मा, बहीन गांव के पूर्व सरपंच राम प्रसाद, मनीष रावत, जितेंद्र श्योराण, जगत नंबरदार कीठवाड़ी, कार्यकारी अभियंता वीरेंद्र रावत, आरपी श्योराण, पारस जैन, बृजलाल शर्मा, चंद्रसेन मौजूद रहे।

कोरोना के खिलाफ टीका सबसे ज्यादा मददगारः गुर्जर

फरीदाबाद। कोरोना वायरस के संक्रमण से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए दुनियाभर में वैक्सीनेशन की रफ्तार को तेज कर दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक वैक्सीन, गंभीर संक्रमण से सुरक्षा देने के साथ मौत के खतरे को कम करने में सहायक हो सकती है। शरीर में वायरस के खिलाफ एंटीबॉडीज बनाने में भी वैक्सीन को काफी कारगर माना जाता है। यह जानकारी केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने सेक्टर-30 एफआरयू-1 में आयोजित कोरोना वैक्सिनेश कैम्प का निरीक्षण करने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के मुताबिक कोरोना संक्रमण का खतरा टला नहीं है। आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा कवज के लिए वैक्सीन की दोनों डोज अवश्य लगाएं। डॉ. ज्योति शर्मा, डॉ. मंजीत, डॉ. शैली आदि स्वस्थ विभाग के लोग उपस्थित थे।

जरूरतमंद परिवारों के लिए सबसे बेहतरीन योजना : गुर्जर

फरीदाबाद। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण महत्वकांक्षी योजना है। यह बात केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने सेक्टर-9 झुग्गी अदल सिंह डिपो होल्डर के यहां प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत जरूरतमंद परिवार के लोगों को राशन वितरण करने के दौरान कही। उन्होंने योजना के सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना महामारी की पहली लहर के देश में लगे लॉकडाउन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश की 80 करोड़ जरूरतमंद जनता को मुफ्त राशन देने का ऐलान किया था। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत प्रदान किये जाने वाले पांच किलो अनुदानित अनाज के अतिरिक्त निशुल्क अनाज प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना का लाभ पाने के लिए आपके पास राशन कार्ड होना अनिवार्य है। राशन कार्ड में जितने लोगों के नाम दर्ज हैं, उसी हिसाब से सभी को पांच-पांच किलो अनाज उपब्लश करवाया जाता है। डीएफएससी विंसेल सहरावत, इंस्पेक्टर हिमालय, गिरीश सहित अनेकों लोग उपस्थित थे।

स्काउट एंड गाइड की रैली को दिखाई सीजेएम ने हरी झंडी

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश वाई एस राठौर के दिशानिर्देशानुसार एवं न्यायाधीश मंगलेश कुमार चौबे सीजेएम जिला सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड हरियाणा जिला फरीदाबाद द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अजरोंदा फरीदाबाद से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर सेक्टर 15 फरीदाबाद में रैली निकाली गई। पैनल अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता ने बताया कि हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड हरियाणा जिला फरीदाबाद के डीओसी चतर सिंह ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की रैली में हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड हरियाणा जिला फरीदाबाद के स्काउट एंड गाइड के पदाधिकारियों, स्काउट एंड गाइड, स्कूल अध्यापक- अध्यापिकाओं और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अजरोंदा के बच्चों ने भाग लिया। बेटी बचाओ -बेटी पढ़ाओ रैली को न्यायाधीश मंगलेश कुमार चौबे ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड हरियाणा जिला फरीदाबाद के जिला सचिव अजय कुमार शर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अजरोंदा फरीदाबाद के प्रधानाचार्य जय प्रकाश ने की।

1947 के विभाजन का दर्द-बुजुर्गों की जुबानी

बंटवारे में पाकिस्तान से आए बुजुर्गों ने मेहनत करके पीढ़ियों का किया सुधार

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

भारत-पाकिस्तान बंटवारे के समय छह साल के रहे सुंदर दास मेहता ने अपनी आंखों से बहुत कुछ वह देखा, जो आज भी वे याद करके सहम जाते हैं। लोग अपने सामने अपनों को खो रहे थे। सब कुछ लुटाकर भारत पहुंचे लोगों ने खूब मेहनत करके खुद को स्थापित किया। जो बचपन में यहां आए थे, आज बुजुर्ग हो चुके हैं, लेकिन उस समय को कभी भूल नहीं सकते।

सुंदर दास मेहता ने साझा की देश के बंटवारे की दुखभरी दास्तान

सुंदर दास मेहता ने बताया कि अंग्रेजों ने भारत के दो टुकड़े किये एक भारत और दूसरा पाकिस्तान। सभी हिन्दुओं को भारत आना था तथा मुसलमानों को पाकिस्तान जाना था। उनके पिताजी दुकानदारी करते थे। साथ में अन्य व्यापार भी।

सुंदर दास मेहता।

परिवार टिब्बी करानी बस्ती, तहसील तौंसा जिला डेरा गाजीखान में रहता था। दोनों समुदायों के लोग बेहद ही शांति और प्रेमपूर्वक रहते थे। बंटवारे का ऐसा ग्रहण लगा कि लोगों में दुश्मनी हो गई। खून के प्यासे हो गये। वहां से निकलकर भारत आने वालों को खूब दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सुंदर दास के मुताबिक विभाजन के समय अपनी दुकान, मकान और अन्य जायदाद छोड़कर आना पड़ा। सुरक्षित भारत पहुंचने में भारतीय फौज ने लोगों की मदद की। फौज ने ट्रकों के माध्यम से मुजफ्फरगढ़ भेजा। फिर गाड़ी में सवार होकर भारत आए। कई शहरों में उनका रहना हुआ। आखिरकार डेरा गाजी खान के रहने वालों को गुरुग्राम अलॉट हुआ था। यहां आकर परिवार ने मेहनत, मजदूरी करनी शुरू कर दी।

परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने को दिन-रात काम किया। बड़े-बुजुर्गों ने बच्चों की पढ़ाई भी करवाई, ताकि उनका भविष्य संवर सके। पढ़-लिखकर अगली पीढ़ी ने बड़ों की सीख और आशीर्वाद से मुकाम हासिल किया। आज परिवार खुशहाल जीवन जी रहा है।

बीएसएफ के जवान समेत दो ने लगाई फांसी

सोहना। भोंडसी में स्थित बीएसएफ के हवलदार ने गले में फांसी का फंदा लगा जीवन लीला समाप्त कर ली। शव पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में रखवा दिया है। जानकारी के अनुसार बीएसएफ में हवलदार असम निवासी यूके डेमारी (48) का शव खुले परिसर में पेड़ के नीचे पड़ा मिला। हादसे की सूचना भोंडसी थाना पुलिस को दी। एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों को असम में सूचित कर दिया है। दूसरा मामले में शुक्रवार देर रात पीकौर सिटी परिसर में 51 वर्षीय ठेकेदार होशियार सिंह पुत्र सीमाराम ने मानसिक रूप से परेशान होकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। शव परिसर के अंदर मिला।

एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग को मिला संसाधन भवन

गुरुग्राम में एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग के नये भवन का लोकार्पण करते उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शनिवार को किया संसाधन भवन का लोकार्पण

650 अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था हुई एक छत के नीचे

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

संसाधन भवन नाम से गुरुग्राम जिले के एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग को नया कार्यालय भवन मिल गया है। शनिवार को उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने इस भवन का लोकार्पण किया। विभाग का यह नया कार्यालय भवन गांव झाड़सा में बने सर छोटू राम भवन के सामने सेक्टर-32 में बनाया गया है।

लोकार्पण समारोह में मीडिया से बातचीत करते हुए उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि इस नए कार्यालय भवन में एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग के सभी 650 अधिकारियों व कर्मचारियों को एक छत के नीचे काम करने का मौका मिलेगा। इससे न केवल उनकी कार्यकुशलता में सुधार होगा बल्कि आम नागरिकों को भी इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस भवन निर्माण के लिए 57 करोड़ का एस्टीमेट बनाया गया था, लेकिन किफायती ढंग से काम करते हुए लोक निर्माण विभाग ने इसका निर्माण 45 करोड़ रुपये में किया है। यह भवन एनर्जी इफेक्टिव-वे में बनाया गया है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम के मध्य में होने की वजह से शहर के सभी कौनों से लोग अपनी समस्या को यहां आकर आसानी से सुलझवा पाएंगे।

इस वर्ष करीब 3000 करोड़ का रेवेन्यू जुटाया

दुष्यंत चौटाला के मुताबिक आबकारी एवं कराधान विभाग ने चालू वित्त वर्ष में अब तक लगभग 3000 करोड़ रुपये का रेवेन्यू एकत्रित किया है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में दो हजार करोड़ रुपये का राजस्व एकत्रित किया गया था। यह दशातज़ है कि विभाग के अधिकारी व कर्मचारी प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं।

किसान नेताओं को भी लेनी चाहिए हत्या की जिम्मेदारी

सिंघु बॉर्डर पर एक व्यक्ति को धरना स्थल पर मारे जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में दुष्यंत ने कहा कि यह बर्बरतापूर्ण घटना है, जिसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। इस घटना पर पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। एक व्यक्ति ने जिम्मेदारी भी ली है, परंतु जो 40 के करीब धरना स्थल के नेता हैं, उन्हें भी उसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन, विभाग या आंदोलन में ऐसी कोई गलत घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी संबंधित संगठन, विभाग या आंदोलन के नेतृत्व की होती है। ऐलनाबाद उपचुनाव पर दुष्यंत ने कहा कि गठबंधन ने अपना मजबूत उम्मीदवार उतारा है। हम पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेंगे और चुनाव जीतेंगे।

एनएसजी के स्थापना दिवस पर

कमांडो ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

गुरुग्राम के मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत करता गूगल डॉगी।

मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस पर डीपीएस के एक आपरेशन को रीक्रिएट करने के दौरान हेलिकॉप्टर से स्कूल की छत पर उतरते कमांडो।

शनिवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस पर एक ऑपरेशन के लिए सूझबूझ से आगे बढ़ते सेना के जवान।

शनिवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस पर कमांडो के इशारे पर करतब दिखाता डॉगी।

शनिवार को गुरुग्राम के मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस पर डॉगी के साथ तालमेल करके करतब दिखाते कमांडो।

शनिवार को मनाया गया एनएसजी का 37वां स्थापना दिवस

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

एनएसजी (नेशनल सिक्योरिटी गार्ड-राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड) का 37वां स्थापना दिवस शनिवार को एनएसजी मानेसर परिसर में धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में एनएसजी एनएसजी कमांडो ने खुले आसमान में और हरियाली जमीन पर जो हैरतअंगेज कारनामे दिखाए, उन्होंने हर किसी को हैरान कर दिया। इस समारोह में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

चाहे हेलिकॉप्टर पर रस्सियों के सहारे लटककर सेल्यूट करना हो या फिर पैराशूट से उड़ान भरकर सेल्यूट करना हो, पूरे शौर्य और साहस के साथ कमांडो ने यह काम किया। आसमान में सेना के हेलिकॉप्टर्स की गरजना, जमीन पर बंदूकों से निकली गोलियों की ठांय-ठांय से कमांडो ने दिखाया कि वे किस तरह से किसी भी ऑपरेशन में काम करते हैं।

गूगल डॉगी रहा आकर्षण का केंद्र, मंत्री को दिया गुलदस्ता

मुख्य अतिथि केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय जब कार्यक्रम में पहुंचे तो मंच पर गूगल नाम डॉगी ने उन्हें गुलदस्ता भेंटकर करके स्वागत किया। कोरोना प्रोटोकॉल के तहत भी ऐसा किया गया और दिखाया गया कि ये डॉगी आम डॉगी से कहीं अलग है। सुरक्षा से लेकर अन्य कई जरूरी कार्यों में भी इनकी महत्ती भूमिका रहती है। गृह राज्य मंत्री को गूगल डॉगी ने ना केवल गुलदस्ता दिया, बल्कि कमांडो के इशारे पर उनसे हाथ भी मिलाया। मंत्री ने अपनी कुर्सी से उठकर डॉगी के साथ यह काम किया। साथ ही एक गुलाब का फूल उनके गले में लगाया। अपने मास्टर कमांडो के इशारे पर गूगल डॉगी ने अतिथि के साथ फोटो भी खिंचवाई।

डीपीएस की एक घटना पर कमांडो ने दिखाया शौर्य

दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) का एक वाकया दिखाया गया, जब बदमाशों ने स्कूल में घुसकर बच्चों, शिक्षकों को बंधक बना लिया था। अपनी सूझ-बूझ से एनएनजी कमांडो ने सभी को सुरक्षित बचाने में कामयाबी हासिल की। सबसे पहले हेलिकॉप्टर की मदद से कमांडो यहां बनाई गई डीपीएस स्कूल की इमारत की छत पर रस्सी के सहारे उतरे। उसके बाद उन्होंने पूरी एकाग्रता के साथ आगे बढ़कर स्कूल की उस कक्षा तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की, जहां पर बंधक बनाया गया था। हकीकत के ही ऑपरेशन की तरह कमांडो यहां पूरी फूर्ति और सुरक्षा के साथ आगे बढ़ रहे थे। उनके साथ एक डॉग भी था, जो कमांडो की तरह से नजर रखे हुए थे। कक्षा के दरवाजे के भीतर पहुंचकर कमांडो ने सभी बदमाशों को ढेर कर दिया।

रोबोट से उड़ाया बॉक्स, बम वाला बैग उठा मशीन में डाला

इसी तरह से एक ब्रिपकेस में रखे बम को रोबोट के माध्यम से क्षतिग्रस्त किया गया। वहां एक बैग में रखे बम को रोबोट के माध्यम से उठाकर बम निष्क्रिय करने की मशीन में डालकर उसे निष्क्रिय कर दिया। कमांडो और डॉगी का यहां तालमेल भी बेहतर नजर आया।

कमांडो के इशारों पर डॉगी कभी रिंग से निकलते दिखाई दिए तो कभी कहीं से कूदते दिखाई दिए। कमांडो के साथ-साथ सुरक्षा के काम में डॉगी की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यह दिखाया गया।

संक्षिप्त समाचार

खाद की नहीं है कमी : दुष्यंत चौटाला

गुरुग्राम। उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में खाद पर्याप्त मात्रा में है, परसों ही इसकी समीक्षा की गई थी। उन्होंने कहा कि लोग पहले ही खाद का स्टॉक करने लगे, इसलिए अब यह निर्णय लिया गया है कि पहले सरसों की बिजाई करने वाले किसानों को खाद दी जाएगी और उसके बाद गेहूं की बिजाई करने वालों को मिलेगी। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां सेक्टर-32 में एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग कार्यालय के लोकार्पण समारोह में मीडिया से बातचीत में कही। बाजरा खरीद के बारे में पूछे गए सवाल पर उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को 600 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से भावांतर भरपाई योजना के तहत पैसा दिया जा रहा है। जो सीधे डीबीटी के माध्यम से उनके खाते में डाला जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग पौने तीन लाख किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उनकी उपज के हिसाब से पैसा उनके खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा देश का पहला प्रदेश है जहां पर ऐसी व्यवस्था की गई है कि किसान की फसल की अदायगी 72 घंटे में नहीं होने पर देरी के लिए उसे 9 प्रतिशत का ब्याज मिलेगा। इस समारोह में जजपा के जिला अध्यक्ष ऋषि राज राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष सुबे सिंह बोहरा, गुरुग्राम के अतिरिक्त उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग के मुख्यालय से ज्वाइंट एक्साइज एंड टैक्सेशन कमिश्नर कृष्ण कुमार समेत कफी अधिकारी मौजूद रहे।

निरंकारी कॉलेज में सिखाए जाएंगे रोजगार के गुर

सोहना। निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालस जल्द ही रोजगार संबंधित चार नये प्रशिक्षण शुरू करेगा। ये सभी छह-दह माह के होंगे। निरंकारी बाबा गुरबचन सिंह मैमोरियल महाविद्यालय अब अपने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ रोजगार संबंधी कोर्स भी कराएगा। जिससे शिक्षा प्राप्ति के बाद विद्यार्थी रोजगार के योग्य बन सकें। इन सभी प्रशिक्षण की फीस कम से कम रखी जाएगी। कोर्स एनआईआईटी के माध्यम से कराए जाएंगे। इनमें बेसिक आईटी, वेबडिजाइनिंग, टैली और इंग्लिश स्पिकिंग एण्ड प्रसनल्टी डैब्लैपमेंट शामिल हैं। कॉलेज के प्रधानाचार्य एमएस खत्री ने बताया कि ये सभी कोर्स कम से कम फीस पर विद्यार्थी को कराए जाएंगे। अक्टूबर के बाद रोजगार कोर्स की कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। निरंकारी मिशन का उद्देश्य अपने विद्यार्थियों शिक्षा प्राप्त करने के बाद तुरन्त रोजगार हासिल कर सके।

धूमधाम से मनाया दशहरा झांकियों ने मन मोहा

दशहरा के अवसर पर सोहना में रावन दहन से पहले राम, लक्ष्मण और सीता की निकाली गई झांकी। उसके बाद अनाज मंडी में रावण का पुतला जलता हुआ।

सोहना। सोहना में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, रावण, मेघनाथ पर आधारित झांकियां निकाली गई। शहर के तीन स्थानों पर रावण दहन हुआ।

सोहना में शुक्रवार को तीन अलग-अलग संगठनों द्वारा रामलालीओं का मंचन किया गया। जिसमें तीनों ही रामलीला समितियों द्वारा रावण दहन किया गया। रावण दहन से पहले शहर में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम, लक्ष्मण, सीता, रावण के रूप में झांकियां निकाली गईं। झांकियां शहर के राममंदिर, पुराना बस स्टैंड से निकाली गई। झांकियां देखने के लिए शहरवासियों की भीड़ उमड़ी और रावण दहन देखा।

आतंकवाद विश्व की बड़ी समस्या है: नित्यानंद राय

एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस पर पहुंचे थे गृह राज्य मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

देश की सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा एजेंसी राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) विश्व के सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा बलों में से एक हैं। एनएसजी अपने आदर्श वाक्य सर्वत्र, सर्वोत्तम, सुरक्षा पर खरी उतरी है। एक विश्व स्तरीय शून्य त्रुटि बल होने के नाते एनएसजी ने विषम परिस्थितियों में उत्कृष्टता और कारगरता सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक हथियारों और उपकरणों को हासिल किया है। यह बात केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शनिवार को जिले के मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस समारोह में कही।

उन्होंने कहा कि एनएसजी पर देशवासियों को गर्व है। आतंकवादी घटनाओं से निपटने के लिए

गुरुग्राम के मानेसर स्थित एनएसजी के 37वें स्थापना दिवस समारोह में मंचासीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद व अधिकारी।

एनएसजी पूरी तरह से सक्षम है। एनएसजी के पास आधुनिकतम प्रशिक्षण व विश्वस्तरीय उपकरण भी हैं। आतंकवाद भारत की ही नहीं, अपितु विश्व की सबसे बड़ी समस्या है, जिससे केंद्र सरकार निपट भी रही है। इसमें एनएसजी जैसे सुरक्षाबलों का पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने विभिन्न घटनाओं में शहीद हुए 19 जवानों को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने देश की एकता व अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। देशवासियों को एनएसजी पर पूरा विश्वास है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने के लिए सरकारी व गैर सरकारी प्रतिष्ठानों से आह्वान किया हुआ है, जिसमें एनएसजी भी अपना पूरा सहयोग दे रही है।

पहली बार देश में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक सुरक्षा नीति बनी है जिसका एनएसजी भी एक हिस्सा है। आंतरिक सुरक्षा के मामलों में गृह विभाग पूरी तरह से सजग है। केंद्र सरकार की नीतियों के कारण आतंकवाद की घटनाओं में काफी कमी आई है। केंद्र सरकार ने सुरक्षाकर्मियों व उनके परिजनों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं भी शुरु की हुई हैं।

सदैव तैयार रहती है एनएसजी: डीजी

एनएसजी के महानिदेशक एमए गणपति ने कहा कि एनएसजी कर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए वह केंद्रीय गृह राज्यमंत्री का आभार प्रकट करते हैं। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में एनएसजी के विकास और आतंकवाद, काउंटर हाईजैकिंग व अत्यधिक खतरे वाले व्यक्तियों की सुरक्षा और राज्य पुलिस बलों के क्षमता निर्माण के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में सौंपे गए किसी भी कार्य को करने के लिए एनएसजी सदैव तैयार है। एनएसजी कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा के लिए राष्ट्रीय पुलिस पदक से भी मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

गठबंधन सरकार ने भ्रष्टाचार की सीमाएं लांघी : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

गुरुग्राम में पहुंचे पूर्व सीएम ने पत्रकार वार्ता में कही यह बात

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने किया ऐलनाबाद उपचुनाव में कांग्रेस की जीत का दावा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ऐलनाबाद उपचुनाव में कांग्रेस की जीत का दावा किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि अपने दो साल के कार्यकाल में बीजेपी-जेजेपी सरकार ने घोटाले, किसान और आम जनता को परेशान करने के अलावा कुछ नहीं किया। गठबांन सरकार ने भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं लांघ दी हैं। सरकार

गुरुग्राम में पत्रकारों से बात करते पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा।

हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रदेश का हर वर्ग इस सरकार से परेशान है। यह बात उन्होंने शनिवार को यहां गुड़गांव गांव में पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया के निवास पर पत्रकार वार्ता में कही।

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि आज ना तो किसान को धान का उचित रेट मिल रहा है और ना ही बाजरा के किसानों को एमएसपी मिल रहा है। 2250 रुपये क्विंटल एमएसपी वाला बाजरा 800 से 1000 रुपये के रेट पर पिट रहा है। भावांतर योजना का 600 रुपये यदि जोड़ भी दिया जाए तो भी किसानों को करीब 600 रुपये प्रति क्विंटल का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं, पूरे हरियाणा में डीएपी खाद को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। किसानों को कई-कई घंटे लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ता है। फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रही। सरकार की कुनीतियों के चलते किसानों को ना वक्त पर खाद व बीज मिल पाता और ना ही वक्त पर फसल की खरीद और ही पेमेंट हो पाती।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जहां एक तरफकिसान को अपनी हर छोटी बड़ी जरूरत के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है तो वहीं आम आदमी को भी बिजली जैसी आधारभूत समस्याओं से दो चार होना पड़ रहा है। गांव और शहरों में लोगों को लंबे-लंबे पावर कट झेलने पड़ रहे हैं। जबकि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान हमने प्रदेश को बिजली उत्पादन में सरप्लस स्टेट बना दिया था।

हुड्डा ने गुरुग्राम समेत पूरे प्रदेश की सड़कों की हालत को दयनीय बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश का शायद ही कोई ऐसा जिला होगा जहां चलने लायक सड़कें बची हों। जर्जर और बड़े-बड़े गड्ढों से भरी सड़कें हादसों को न्यौता दे रही हैं। सरकार ने दो लोगों को पूरे प्रदेश की सड़कों की मरम्मत का जिम्मा सौंप रखा है। लेकिन कहीं पर मरम्मत का काम नहीं हुआ। इस मामले में भी जांच होनी चाहिए।

श्री हुड्डा ने कहा कि गठबंधन सरकार के 2 साल और बीजेपी सरकार के 5 साल असफलताओं से भरे पड़े हैं। सरकार की तमाम जनविरोधी नीतियों और नाकामियों का खुलासा करने के लिए कांग्रेस विधायक दल की तरफ से विपक्ष आपके समक्ष कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस सरकार से जनता का मोह पूरी तरह भंग हो चुका है। इसलिए बरोदा उपचुनाव में गठबंधन को बुरी तरह से हराया था। अब ऐलनाबाद उपचुनाव में भी उसे हार का सामना करना पड़ेगा और कांग्रेस का प्रत्याशी जीत दर्ज करेगा।

सोहना अनाज मंडी में खरीदे गए बाजरे का नहीं हो रहा लदान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना अनाज मंडी में किसानों से खरीदे गये बाजरे का लदान धीमी गति से हो रहा है। जिसके चलते किसानों को बाजरे की ढेरियां लगाने के लिए जगह नहीं मिल पा रही है। अभी तक करीब 17 हजार क्विंटल बाजरे की खरी हो चुकी है। शुक्रवार को भी अनाज मंडी में किसानों के बाजरे खरीद की गई।

मंडी में दिन प्रति दिन बाजरे की आवक बढ़ती जा रही है। अभी तक मंडी में किसानों द्वारा करीब 17 हजार क्विंटल बाजरा आढ़तियों को बेचा गया है। किसान का बाजरा 1500 रुपये से अधिक कीमत पर खरीदा गया है। इससे पहले किसान के बाजरे को निजी बोली पर 1360 रुपये में खरीदा था। जबकि बाजरे

सोहना की अनाज मंडी में आढ़तियों द्वारा खरीदा किसानों से बाजरे के लगे चट्टे।

की सबसे कम कीमत 1051 रही है। मंडी की फड़ों के ऊपर आढ़तियों द्वारा निजी कीमत पर खरीदा गया बाजरे के चट्टे लगा दिए हैं, लेकिन बाजरे का लदान न के बराबर किया जा रहा है। इसके अलावा मंडी परिसर में अवैध रूप से बनी पार्किंग में अलग-अलग स्थानों पर 200 से 250 वाहन खड़े हैं। जिसके चलते किसानों को अपने बाजरे के लिए खाली स्थान नहीं मिल पा रहा है। मार्केट कमेटी सचिव कृष्ण कुमार का कहना है कि पिछले दिनों हुई बारिश के कारण बाजरे में नमी बरकरार है। जिसके चलते किसान बाजरे को खुले में सूखने के इरादे से लदान करने में देरी कर रहा है। आढ़तियों को बाजरे का लदान जल्द से जल्द करने के आदेश जारी कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम जिला खेल अधिकारी को किया निलंबित

लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में नहीं पहुंचे थे डीएसओ

सीएम की घोषणा- बिजली कनेक्शन जारी करने को सरकार नई पॉलिसी लेकर आएगी सरकार

प्राइवेट डेवेलपर द्वारा विकसित की जा रही कॉलोनियों में बिजली समस्याओं पर कही यह बात

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में शनिवार को जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लेते मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को गुरुग्राम जिला खेल अधिकारी को निलंबित कर दिया है। उनका यह निलंबन जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति में गैर हाजिर रहने के कारण किया गया। वे बिना किसी अग्रिम सूचना के बैठक से अनुपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के समक्ष बैठक में गांव खंडेवला में खेल से संबंधित एक समस्या रखी गई। जिस पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जिला खेल अधिकारी को बुलाया गया। वे बैठक में हाजिर नहीं मिले। बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने तत्काल उनके निलंबन के आदेश कर दिए। शनिवार को हुई बैठक में कुल 17 समस्याएं अथवा शिकायतें रखी गई थी, जिनमें से मुख्यमंत्री ने ज्यादात्तर का निपटारा मौके पर ही कर दिया। मुख्यमंत्री ने बैठक में उपस्थित मनोनित सदस्यों द्वारा उठाई गई जनहित की समस्याओं को भी सुना और उनके समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बिजली कनेक्शन पर मुख्यमंत्री का अहम निर्णय

गुरुग्राम में प्राईवेट डेवेलपर द्वारा विकसित ऐसी कॉलोनियां, जिनमें इंफ्रास्ट्रक्चर में छोड़ी गई कमी की वजह से बिजली के स्थाई व अस्थाई कनेक्शन नहीं दिए जा रहे हैं, उनके लिए राज्य सरकार जल्द ही एक पॉलिसी बनाने जा रही है। इससे प्राईवेट डेवेलपर कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को राहत मिलेगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को गुरुग्राम में जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में कही। गुरुग्राम में सुशांत लोक-1,2 व 3, पालम विहार, साउथ सिटी-1 व 2, मालिबु टाउन, आरडी सिटी, मेफिल्ड गार्डन, उप्पल साउथेंड, सनसिटी, विपुल वर्ल्ड, सरस्वती कुंज सहित 16 निजी डेवेलपर कॉलोनियों में डेवेलपर द्वारा छोड़ी गई इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी की वजह से उपभोक्ताओं को स्थाई व अस्थाई बिजली कनेक्शन देना बंद करने का मामला बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया गया।

इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे उपभोक्ताओं के लिए तीन तरह की ग्रुपिंग करके नई पॉलिसी बनाई जा रही है, ताकि उन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने ईडीसी का सारा पैसा डेवेलपर के पास जमा करवा दिया है, वह पैसा डिवलेपर से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी को दूर किया जाएगा और उपभोक्ताओं को कनेक्शन जारी किए जाएंगे। इसी प्रकार जिन उपभोक्ताओं का ईडीसी का पैसा लंबित है, उनसे वह राशि भरवाकर इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरा करके कनेक्शन दिए जाएंगे।

डेंगू-वायरल फीवर को लेकर कांग्रेस विधायक ने भाजपा पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। मेवात

डेंगू और वायरल फीवर के लगातार बढ़ रहे केसों पर चिंता व्यक्त करते हुए सीएलपी उपनेता आफताब अहमद ने भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार को जमकर कोसा। आफताब अहमद ने कहा कि अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी है। इसके अलावा संसाधनों का भी अभाव देखने को मिल रहा है।

विधायक ने कहा कि एक-एक बेड पर कई-कई मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इलाके के गांवों में बड़े स्तर पर डेंगू के केस तेजी से बढ़ रहे हैं। डेंगू और वायरल फीवर से लोगों की जान भी जा रही है। मेवात जिले में डेंगू के सैकड़ों केसों की पुष्टि हो चुकी है, कई दर्जन लोग अब तक मौत के मुंह में समा चुके हैं। आफताब अहमद ने कहा कि मामले को लेकर उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के एसीएस से मुलाकात कर मेडिकल कॉलेज नल्हड़ और स्वास्थ्य विभाग मेवात में चिकित्सकों के साथ-साथ सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोगों को पर्याप्त मात्रा में बेड और डॉक्टर के साथ दवाई आदि उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

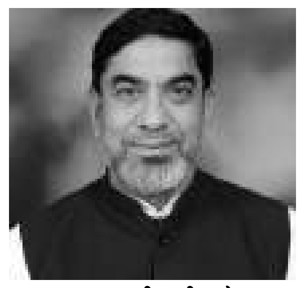

आफताब अहमद सीएलपी उपनेता।

आफताब अहमद ने कहा कि कोरोना महामारी से लोग पहले ही परेशान थे। अब रही-सही कसर डेंगू और वायरल फीवर ने पूरी कर दी है। स्वास्थ्य विभाग को लोगों की सेहत पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि डॉक्टरों को जिस लगन और मेहनत के साथ मरीजों का इलाज करना चाहिए, उस तरह का नजारा दिखाई नहीं दे रहा है। आफताब अहमद ने इलाके की जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि वह इस मामले को लेकर पूरी तरह से गंभीर हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से लगातार बातचीत कर रहे हैं। विधायक ने कहा कि लोगों को भी डेंगू के डंक से बचने के उपाय करने चाहिए, ताकि डेंगू के केसों में कमी देखने को मिल सके।

वाटर टैंक के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप

पुन्हाना। सरकार द्वारा लोगों को घर-घर पेयजल पहुंचाने की नीयत से शहर के वार्ड नं. पांच में लाखों रुपये की लागत से बनवाए जा रहे पेयजल टैंक निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री के इस्तेमाल की शिकायत सीएम विन्ड़ो, सीएम एमीनेट पर्सन सहित जिला प्रशासन को करके टैंक में चल रहे निर्माण कार्य की जांच कराने की मांग की है।

शिकायत में बताया कि घटिया ईंट, सीमेंट और क्रेशर आदि के कारण कुछ दिन पूर्व टैंक की चारदीवारी गिर चुकी है। लोगों का कहना है कि जनस्वास्थ्य विभाग में आंख बन्द करके चलने वाले ऐसे निर्माण कार्यों की कड़े स्तर पर जांच होनी चाहिए। अब तक पुन्हाना शहर में इसी अधिकारी की देख-रेख में दर्जनों ऐसे मनमाने कार्य किए गए हैं, जिनका जनता को कोई लाभ नहीं मिल रहा। शिकायतकर्ता साजिद खान ने सीएम

घटिया निर्माण सामग्री के प्रयोग के चलते वाटर टैंक की गिरी हुई दीवार।

विन्ड़ो सहित सरकार व प्रशासन संबंधित विभागाधिकारियों को प्रेषित की शिकायत में बताया कि शहर के वार्ड नं. पांच में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से हजारों लीटर क्षमता का वाटर टैंक का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसमें ठेकेदार द्वारा जमकर घटिया निर्माण सामग्री का खुलेआम प्रयोग कर रहा है। जन स्वास्थ्य विभाग के एक्शन संदीप कुमार ने बताया कि अगर ऐसा है तो मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

7 नवंबर तक 134ए के तहत आवेदन भरने की प्रकिया शुरू

सोहना। अभिभावक अपने बच्चों का 134ए के तहत 7 नवंबर तक निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने के लिए ऑनलाइन आवेदन जमा करा सकेंगे। जिसकी परीक्षा 19 नवंबर को खंड स्तर पर ही होगी।

सोहना खंड में सीबीएसई और हरियाणा शिक्षा बोर्ड के करीब 100 निजी और इंटरनेशनल स्कूलों में वर्ष 2021-22 के लिए 134ए के तहत होने वाले दाखिला प्रक्रिया को शुरु हो गई है। ऐसे स्कूलों में अपने बच्चों को दाखिला दिलाने वाले गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले अभिभावक सात नवंबर तक आवेदन जमा करा सकते हैं। 19 नवंबर को होगी और 28 दिसम्बर के बाद परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का इच्छानुसार दाखिला किया जाएगा। खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल ने बताया कि आवेदन भरने से लेकर दाखिला होने तक की प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

ई-मेल पर समस्या बताएं कर्मचारी होगा समाधान : लारोइया

भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी का गठन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम जिला की कर्मचारी प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का गठन यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में एक सभा का आयोजन किया गया।

प्रदेश संयोजक विद्यानंद लांबा एवं प्रदेश सह प्रभारी रामफल शर्मा ने इसमें शिरकत की। अध्यक्षता कर्मचारी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक एमआर लारोइया ने की। एमआर लारोइया ने इस अवसर पर कहा कि कोई भी कर्मचारी अपनी समस्या संगठन की ई-मेल पर भेजें, उनका बिना देरी के समाधान, निराकरण किया जाएगा। एमआर लारोइया ने भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़

भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ को कर्मचारी प्रकोष्ट की सूची सौंपते जिला संयोजक एमआर लारोइया।

के साथ मिलकर अंतिम सहमति लेकर कार्यकारिणी के 39 सदस्यों (जिला संयोजक व सह-संयोजकों) के नामों की घोषणा की गई। इसमें पीसी जैन को, हरीश भीरगु को जिला सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। श्री लारोइया के मुताबिक हरीश भीरगु पुराने व कर्मठ भाजपा कार्यकर्ता हैं। इन्होंने पार्टी के लिए सदैव पूरी निष्ठा से काम किया है। इसके अलावा कार्यकारिणी के सदस्यों में पटौदी विधानसभा से अशोक शर्मा, डीसी यादव, विजयपाल चौहान, विजयपाल, सुभाष बोहरा, मलखान नंबरदार, सुंदर सिंह नेहरा को शामिल किया गया है। बादशाहपुर विस से पवन ठाकरान, हेतराम सिंह ठाकरान, फूलचंद वर्मा, कपिल भारद्वाज, राजकुमार चौहान, राजेश बावा, एसडी शर्मा, सुभाष शर्मा, टीसी अग्रवाल, पीके गुप्ता, रतनलाल गुप्ता व सुशील जोशी शामिल किये गये हैं। गुरुग्राम विधानसभा से अमित शर्मा, केसी शर्मा, वीके शर्मा, दिनेश चौहान, एसके जैन, कृष्ण वर्मा, मदन यादव, सुभाष गुप्ता और सोहना विधानसभा से गजेंद्र चौहान, देवेंद्र सिंह, उमेश सिंह चौहान, राजेश बाघनकी, डा. त्रिवेंद्र चौहान और बीरपाल नेगी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

धूमधाम से मनाया संघ का 96वां स्थापना दिवस

ललित गर्ग। पुन्हाना

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने शहर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक उच्च विद्यालय प्रांगण में विजयदशमी पर्व और संघ का 96वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। प्रात: के समय आयोजित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने शस्त्रों का तिलक लगाकर पूजन कर शारीरिक प्रदर्शन किया।

स्वयंसेवकों ने संघ के गणवेष में राष्ट्रीय गीत गुन-गुनाकर लोगों को राष्ट्र भावना के प्रति संदेश भी दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता विभाग प्रचार प्रमुख अनिल कश्यप और अध्यक्ष रूप में समाजसेवी वेद राम शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान संघ स्वयंसेवकों ने सूर्य नमस्कार, योगासन, समता, खेल आदि

विजयदशमी कार्यक्रम में मौजूद स्वयंसेवक व शहर के लोग।

कार्यक्रम किए। मुख्य वक्ता अनिल कश्यप ने बताया कि संघ की शाखाओं द्वारा आज व्यक्ति निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जो समाज में हर प्रकार की बुराइयों को खत्म करने की क्षमता रखता है, उन्होंने कहा कि आज एक मजबूत देश के लिए एक मजबूत समाज की आवश्यकता है और मजबूत समाज के लिए एक मजबूत व्यक्ति की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक चरित्रवान समाज का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ की शाखाओं के माध्यम से स्वयंसेवक शारीरिक व मानसिक रूप से इतना मजबूत हो जाता है कि वह अपने बारे में कम और देश और समाज की भलाई के बारे में ज्यादा विचार करता है।

उन्होंने बताया कि पूरे देश में साठ हजार से अधिक शाखाए खेल के माध्यम से व्यक्ति निर्माण कर रही हैं। शाखाओं के अलावा भी संघ के 80 प्रकल्प चल रहे हैं जो गो संवर्धन, समरसता जैसे कार्य कर लोगों में देशभक्ति की प्रेरणा जगाते हैं। विजयदशमी पर्व असत्य पर सत्य की जीत व अधर्म पर धर्म की जीत के रूप मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि दशहरा पर्व पर हमें भगवान राम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का प्रण लेना चाहिए। राजा-महाराजा भी किसी युद्ध में विजय पाने के लिए अपने विजय रथ की शुरुआत इसी दिन से करते थे, क्योंकि विजयादशमी पर्व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर समाजसेवी धर्मवीर सैनी, जिला समरसता प्रमुख लालाराम भारद्वाज, नगर कार्यवाह अमित कुमार, राजकुमार, सुनील गर्ग, नवीन कुमार, राकेश कंसल, उत्तम चंद गोयल, लोकेश, तरुण भारद्वाज, राजीव सर्राफ, सुभाष सिंगला, दीपक जैन आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

तावडू में डीएपी खाद के लिए केन्द्र पर पहुंचे सैकड़ों किसान

पायनियर समाचार सेवा। तावडू

उपमंडल सहित नूंह जिले में डीएपी खाद की किल्लत से किसान खासे परेशान हैं। महीनों बाद शुक्रवार शाम अधिकृत डीलर के गोदाम पर खाद के करीब दो हजार बैग पहुंचे, जिसकी जानकारी मिलते ही क्षेत्र के सैकड़ों किसान नई अनाज मंडी स्थित खाद की दुकान पर अर्द्धरात्रि तीन बजे से ही खाद के लिए कतार में लग गए। शनिवार को तहसीलदार शालिनी लाठर, सदर व शहर थाना प्रभारी रतन सिंह और चन्द्रभान की मौजूदगी में किसानों को खाद वितरित किया गया। ताकि किसी तरह का हगांमा उत्पन्न न हो। किसानों की भीड़ को लेकर पुलिस बल भी तैनात किया गया।

उल्लेखनीय है कि खरीफ की फसल के समय से ही क्षेत्र में डीएपी खाद की भारी किल्लत बनी हुई है। जिसके कारण किसान परेशान हैं, किसानों को अब यह भी चिंता सताने लगी है कि अगर समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुआ तो रबी की फसल की बिजाई समय पर नहीं होने के कारण असर पड़ सकता है, और इसका खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ सकता है। किसान प्रति आधार कार्ड पर दो बैग खाद मिलने से भी नाराज नजर आए। जिनका कहना था कि जो किसान कई कई एकड़ जमीन के मालिक हैं, इस हिसाब से ये खाद बहुत कम है। किसान यूनूस, खालिद धनपति, बिमला, जावेद, खुर्शीद, राजेश, खान मोहम्मद, प्रवीन आदि किसानों ने कहा कि महीनों से किसान डीएपी खाद के लिए भटक रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला के सभी बच्चों के बनाएं आधार कार्ड : सुभीता ढाका

नूंह। अतिरिक्त उपायुक्त सुभीता ढाका ने निर्देश दिए है कि जिला के शून्य से छह वर्ष तक के सभी बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिए तेजी से कार्य करें। अतिरिक्त उपायुक्त सुभीता ढाका जिला में कार्यरत सभी आधार ओरेटर्स की मीटिंग ले रही थी। उन्होंने ने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी में पंजिकृत शून्य से छह साल के सभी बच्चों का आधार कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। श्रीमती ढाका ने बताया कि जिला में करीब 1100 आंगनबाड़ी सेंटर है जिनके करीब 60,000 बच्चों का आधार कार्ड बनना बकाया है। उन्होंने जिला ई मैनेजर आरिफ राजाका को निर्देश दिए कि सभी आधार ओरेटर्स पंचायत या क्लस्टर की आंगनबाड़ी वर्कर को खुद से फोन करके सभी बकाया बच्चों का आधार का कैम्प लगाकर पंजीकरण करें। सीएससी ई जिला मैनेजर आरिफ राजाका ने बताया कि यदि कोई आधार ऑपरेटर किसी भी नागरिक से आधार कार्ड व अन्य सेवाओं की सरकारी फीस से ज्यादा फीस लेता है तो मोबाइल नम्बर 8930089703 पर सम्पर्क करें अथवा जिला सचिवालय के कमरा नम्बर 308 में शिकायत दें।

रबी फसलों की बुवाई में किसानों को नहीं आनी चाहिए परेशानी

नूंह। उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार की प्राथमिकता है कि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो। जिला प्रशासन नूंह में खाद की निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गम्भीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से महंगे उर्वरकों की बजाए सरसों के लिए सिंगल सुपर फासफेट (एसएसपी) खाद का इस्तेमाल करने की सलाह दी। सरसों की बुवाई के एसएसपी सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि उसमें फासफोरस के अलावा सल्फर तत्व भी होता है। गेहूं की बुवाई में एनपीके खाद का प्रयोग करें, इसमें तीन मुख्य तत्वों की मात्रा होती है और पैदावार भी अच्छी होती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को सरसों की बुवाई के समय एसएसपी खाद प्रयोग करने के लिए जागरूक करें क्योंकि यह सरसों की खेती के लिए लाभकारी है। अगामी रबी फसलों की बुवाई के लिए पर्याप्त मात्रा में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एसएसपी खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। डीसी ने कहा कि जिला के सभी एसडीएम और कृषि अधिकारी खाद वितरण कार्य को देख रहे हैं। उपनिदेशक कृषि प्रताप सिंह की टीम सुचारू रूप से खाद विक्रेताओं का ओपनिंग और क्लोजिंग स्टॉक चेक कर रही है।

नगीना में मच्छर मारने की दवा के छिड़काव की मांग

फिरोज पुर झिरका। कस्बा नगीना में मच्छरों की बढ़ती जनसंख्या की वजह से आमजन पीड़ित है मच्छरों के आतंक की वजह से नगीना की जनता रात को ठीक से नींद भी नहीं ले पा रही है। जिसकी वजह से उनके शरीर पर शारीरिक और मानसिक प्रभाव पड़ रहा है। सर्व जातीय सेवा समिति के उपाध्यक्ष रजत जैन ने बताया कि कस्बा में इन दिनों मच्छरों का आतंक मचा हुआ है क्योंकि क्षेत्र में फैल रही बीमारियों की वजह से जनता परेशान है। मच्छरों के आतंक व बढ़ती जनसंख्या की वजह से जनता भयभीत है। इनकी सरकार, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग से मांग है कि कस्बा नगीना में मच्छरों को मारने की दवा का छिड़काव करवाया जाए जिससे किसी भी संभावित बीमारी को समय रहते फैलने से रोका जा सके। जनता को मच्छरों की समस्या से छुटकारा मिल सके।

खरीफ की फसलों के पंजीकरण को आज खुलेगा पोर्टल

नूंह। उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि मेरी फसल मेरा ब्योरा खरीफ की फसलों के पंजीकरण के लिए पोर्टल रविवार 17 अक्टूबर तक पोर्टल दोबारा से खुलेगा है। उपायुक्त ने बताया कि जो किसान पहले किसी कारणवश पंजीकरण नहीं करा पाए वे तुरन्त पंजीकरण करा सकते हैं। किसानों द्वारा अपने कृषि उत्पादों को मंडियों में बेचने और सरकार द्वारा चलाई गई कृषि योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अपनी फसलों का पंजीकरण पोर्टल पर कराना अति आवश्यक है। उन्होंने किसानों से अपील की कि जिन किसानों ने अपनी फसलों का पंजीकरण मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर नहीं कराया है, तुरन्त अपना पंजीकरण पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए पोर्टल को दोबारा से खोला गया है। इस लिए किसान इसका लाभ उठाएं।

गांव-गांव तक भेजा जा रहा कानूनी जागरुकता का संदेश

नूंह। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा दो अक्टूबर से 14 नवम्बर तक शुरू किए गए अभियान आजादी का अमृत महोत्सव के अनुसरण में नूंह जिला में निरन्तर कानूनी जागरुकता से सम्बंधित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। नूंह सहित राज्य के सभी जिलों में अमृत महोत्सव के तहत आयोजित गतिविधियों की समीक्षा के लिए पंचकूला में परामर्श कार्यक्रम का भी आयोजन हुआ। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रतीक जैन ने बताया कि न्यायमूर्ति राजन गुप्ता, न्यायाधीश, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, कार्यकारी अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने परामर्श कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा करते हुए न्यायमूर्ति राजन गुप्ता ने निर्देश दिए कि नालसा के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस अभियान के दौरान कम से कम तीन बार सभी गांवों को कवर किया जाना चाहिए। प्रतीक जैन ने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण अब लैंगिक समानता पर एनिमेटेड क्लिप और मध्यस्थता पर एक रेडियो/पब्लिसिटी जिंगल के माध्यम से सभी कानूनी जागरुकता शिविरों, सेवा शिविरों, स्कूलों, कॉलेजों और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों द्वारा बड़ी संख्या में जनसंख्या तक पहुंचने के उद्देश्य से जागरुकता कार्यक्रम चलाएगा। उन्होंने बताया कि विधिक सेवाएं प्राधिकरण का काम केवल कानूनी सहायता प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कानूनी सेवाओं की अवधारणा के बारे में लोगों में जागरुकता पैदा करना भी है। उन्होंने बताया कि अमृत महोत्सव के तहत जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की टीमों ने विभिन्न गांवों में जाकर दौरा किया गया और लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया।

बाल महोत्सव के तीसरे दिन तृतीय चरण की प्रतियोगिताओं का आयोजन

नूंह। जिला बाल कल्याण परिषद नूंह की ओर से आयोजित किए जा रहे चार दिवसीय जिला स्तरीय बाल महोत्सव-2021 में तीसरे दिन भी बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।

बाल महोत्सव का आयोजन सरदार गुरमुख सिंह मैमोरियल स्कूल में किया जा रहा है, जिसमें जिला के सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों के लगभग 600 बच्चे भाग ले रहे हैं। जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने कहा कि विद्यार्थी के जीवन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का होना अत्यंत आवश्यक है। यह व्यक्ति की छुपी हुई प्रतिभा निखारने के साथ साथ जीवन में आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रमुख माध्यम है। प्रतियोगताएं आपको मानसिक मजबूती प्रदान करने के साथ ही आपके जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने में सहायक सिद्ध

भाषण प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे।

होती हैं। विद्यार्थी के जीवन में लक्ष्य का होना जरूरी है।

महोत्सव के तीसरे दिन विभिन्न वर्गों में स्कूली बच्चों ने भाषण प्रतियोगता, फन गेम, एकल गान व समूह गान, क्विज प्रतियोगता आदि प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन किया। सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहे विजेताओं को 14 नवंबर को आयोजित बाल दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

शहबाज अहमद का टी-20 विश्व कप के लिए टीम में चयन

कासिम खान। मेवात

मेवात जिला के शिकरावा गांव की गलियों में खेलकर भारतीय टीम तक का सफर तय करने वाले शाहबाज अहमद का आईपीएल टी-20 विश्व कप में नेट बॉलर के रूप में चयन होने से इलाके में जश्न का माहौल है। शिकरावा गांव ही नहीं बल्कि पूरे मेवात को अपने इस लाड़ले पर गर्व है।

उन्हें उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा भरोसा है कि जिस तरह शहबाज अहमद ने रणजी ट्रॉफी 2019 में सबसे उम्दा प्रदर्शन किया था और हाल ही में हुए 20-20 मैचों में सबसे बेहतरीन गेंदबाजी कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी और खींचने में सफल रहे युवा शाहबाज अहमद को बीसीसीआई भारतीय भविष्य का क्रिकेटर मानकर चल रही है।

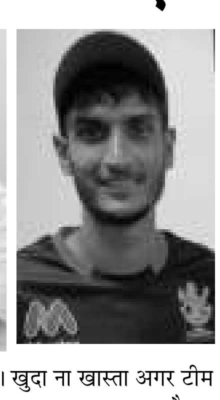

शाहबाज अहमद ने गेंद और बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन कर यह मुकाम हासिल किया है।

शिकरावा गांव के उभरते युवा क्रिकेट खिलाड़ी के चयन के बाद युवाओं में भी नई चेतना जागी है। शाहबाज अहमद के बचपन के कोच व रिश्ते में चाचा लगने वाले मास्टर फारुख ने कहा कि न केवल परिवार के लोगों को शाहबाज अहमद के चयन से अपार खुशी है, बल्कि इलाके का हर बच्चा-बच्चा शाहबाज अहमद को भारतीय क्रिकेट टीम में खेलते हुए देखने का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहा है। कुल मिलाकर कोरोना महामारी को देखते हुए इस बार टीम के 15 खिलाड़ियों के अतिरिक्त आठ खिलाड़ियों को नेट गेंदबाज और बल्लेबाज के रूप में अतिरिक्त जगह दी गई है। खुदा ना खास्ता अगर टीम पर कोरोना का साया पड़ता है या कोई खिलाड़ी चोटिल होता है, तो शाहबाज अहमद भारतीय टीम में खेलता हुआ नजर आ सकता है।

इलाके के लोगों ने शाहबाज अहमद के लिए भारतीय टीम में चयन होने से लेकर उसके खेलने तक के लिए दुआओं का दौर शुरू कर दिया है। मेवात का छोरा लाजवाब है। नूंह जिले के शिकरावा गांव में जन्मा आईपीएल में रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु के खिलाड़ी शहबाज अहमद ने अपने चयन को क्षेत्ररक्षण और गेंदबाजी के साथ बल्लेबाजी में साबित कर दिया है। शहबाज अहमद का मेवात क्षेत्र पूरी तरह से दीवाना है। आईपीएल में खेलने का अवसर उसे मिल चुका है।

चाचा और कोच मोहम्मद फारुख अध्यापक से लेकर क्रिकेट के दीवाने उनके दादा मोहम्मद इशाक को अपने लाड़ले पर पूरा भरोसा है कि जिस तरह से शहबाज आईपीएल में कप्तान विराट कोहली की उम्मीदों पर खरा उतरा है, अगर उसे भारतीय टीम में 11 खिलाड़ियों में खेलने का मौका मिला तो वहां भी वह मेवात और देश का नाम दुनिया में रोशन करेगा।

पायनियर क्लासीफाइड

PUBLIC NOTICE

Be it known to the public at large that my clients (1) Shri Puran Chand S/o Shri Sukhpal (2) Smt. Ram Shri W/o Shri Puran Chand both R/o H.No. C-5783, Dabua Colony, NIT Faridabad have severed all their relationship from their son namely "Dharmender" and have disowned/debarred him from all their moveable and immoveable properties as he roams in bad society, for all intent and purposes. Anybody deals with him in any manner he/she shall be doing so at his/her own risk, cost and responsibility and my clients, their close relative, properties shall not be answerable for any acts, deeds and things done by "Dharmender".

Vikas Sharma, Advocate

मेवात की खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

बेदखली सूचना, नाम परिवर्तन, गुमशुदगी, रस्म पगड़ी इत्यादि के विज्ञापन सस्ते दरों पर प्रकाशित करवाने के लिए पायनियर परिवार से जुड़िए

कासिम खान
ब्यूरो प्रमुख (साउथ हरियाणा)
9050976800
9416103259
ओल्ड थाना पिनगवां के सामने मत्री मार्केट पिनगवां, मेवात।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

अंतरिक्ष में बढ़ते कदम

स्पेस एसोसिएशन से भारत भी अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कर सकेगा। इस पहल से डिजिटल तकनीक और सेवा को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इंडियन स्पेस एसोसिएशन के उद्घाटन के साथ अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत के विस्तार का नया अध्याय प्रारंभ हो गया है। यह एक औद्योगिक संस्था है, जो अंतरिक्ष क्षेत्र की नीतियों और इसकी बढ़ोतरी को समर्पित है। उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने उचित ही कहा है कि सरकार इस क्षेत्र के संचालन का दायित्व नहीं उठा सकती हैं। तकनीक के तीव्र विस्तार तथा शोध एवं अनुसंधान में उल्लेखनीय वृद्धि ने इस क्षेत्र में असीम संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

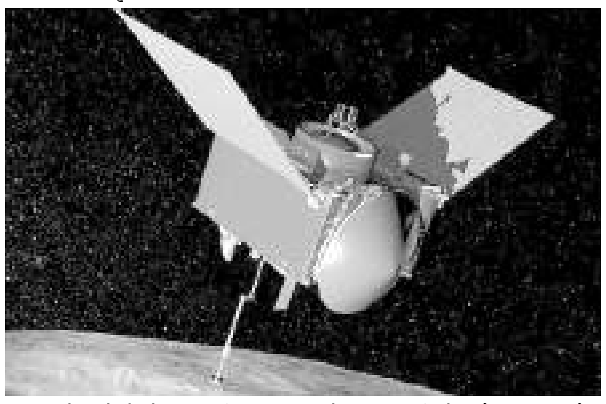

अनेक देशों में सरकारी अंतरिक्ष एजेंसिया निजी क्षेत्र के सहकार के साथ अपनी उपस्थिति बढ़ाती जा रही हैं। स्पेस रिसर्च और अनुभव में भारत उन कुछ देशों में शामिल है, जिन्होंने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब अपने दायरे को बढ़ाने का बड़ा मौका है। स्पेस एसोसिएशन उसी दिशा में सक्रिय होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के संसाधनों और उसकी सुविधाओं का लाभ अब निजी क्षेत्र के उपक्रम भी उठा सकेंगे। एसोसिएशन एक निजी औद्योगिक संस्था होने के नाते अपने सदस्य उपक्रमों को नए अनुसंधान करने, सेवा बढ़ाने तथा नवोन्मेष के लिए प्रेरित कर सकेगा। ये कंपनियां इस मंच के माध्यम से आपसी तालमेल भी बढ़ाएंगी और इसरो के साथ एक पुल की भूमिका भी निभाएगी। सामूहिक रूप से निजी क्षेत्र सरकार के समक्ष अपने प्रस्तावों को भी मजबूती से प्रस्तुत कर सकेगा।

दूरसंचार, इंटरनेट, मौसम और आपदाओं की जानकारी, अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में सरकार और निजी क्षेत्रों की परस्पर भागीदारी से निवेश और कमाई की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। देश में ही अगर विभिन्न सेवा प्रदाता होंगे, तो हमें विदेशी सैटेलाइटों पर भी कम निर्भर रहना होगा तथा हम अन्य देशों के साथ अपनी उपलब्धियों का लाभ भी साझा कर सकेंगे। भारत में अभी केवल तीन लाख सैटेलाइट संचार ग्राहक हैं, जबकि अमेरिका में यह आंकड़ा 45 लाख और यूरोप में 21 लाख है।

धीरे-धीरे हमारे यहां ग्राहकों का विस्तार होगा और हमें अधिक सैटेलाइटों और संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी। यह सब काम अकेले इसरो के बस का नहीं होगा और उसके शोध व अनुसंधान के काम पर भी दबाव बढ़ेगा। अपने देश में स्पेस सेवा और सुविधाओं के बढ़ने से दुनिया के कई देशों की मांग भी हम पूरी कर सकेंगे। विकसित देशों में बड़े पैमाने पर निजी क्षेत्र ने अंतरिक्ष में निवेश किया है। स्पेस एसोसिएशन के अस्तित्व में आने से भारत भी इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कर सकेगा। पिछले कुछ वर्षों से भारत में डिजिटल तकनीक और सेवा पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है। संचार, सूचना, मनोरंजन और वित्तीय लेन-देन के मामले में उन प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव भी दिखने लगे हैं। महामारी के मौजूदा दौर ने भी इसके महत्व को रेखांकित किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती, भूमि-वन संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों आदि अनेक क्षेत्रों में स्पेस तकनीक का महत्व बढ़ता जा रहा है। उम्मीद है कि स्पेस एसोसिएशन एक बड़ी पहल साबित होगा।

स्वास्थ्य सेवा में सुधार की जरूरत

मृत्यु एक समय में जीवन का हिस्सा थी और उसे अनिवार्य की तरह स्वीकार किया जाता था। आज उससे एक शत्रु की तरह किसी भी कीमत पर लड़ा जाता है।

डॉ एमआर राजागोपाल
(लेखक)

कोई यह आरोप नहीं लगा सकता है कि भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पूरी तरह से खराब है। इसने कुछ चमत्कार भी किए हैं। दो पीढ़ी पहले बच्चे कीट संक्रमणों और खुजलियों के साथ बड़े होते थे। साथ ही, वे अधिक खतरनाक चेचक और पोलियो से भी ग्रस्त होते थे, जो उनका जीवन बदल देते थे। अब ये सब लगभग या पूरी तरह से अतीत की स्वास्थ्य समस्याएं हो चुकी हैं। जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। मधुमेह और उक्त रक्तचाप अब पहले की तरह जानलेवा नहीं रहे। करीब तीन दशक पहले समय से पहचान हो जाने और प्रारंभ में ही उपचार मिलने के बावजूद एक-तिहाई कैंसर रोगी पांच साल तक ही जीवित रह पाते थे। आज आधे से कैंसर पीड़ित दस साल या उससे अधिक समय तक जीवित रह सकते हैं।

आधुनिक दवाओं ने हम में से अधिकतर को स्वस्थ रखा है, लेकिन ये दवाएं आधुनिक 'स्वास्थ्य सेवा' के नकारात्मकों प्रभावों को दूर करने में असफल रही हैं। आज स्वास्थ्य सेवा की चार प्रमुख समस्याओं में सबसे पहली परेशानी है दर्द और दुख के उपचार से विमुख रहना। आज हमारे देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली दर्द और लगातार दुख सहने का उपचार नहीं करती है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की बायो-एथिक्स इकाई का कहना है कि रोगी के दुख का निवारण करना स्वास्थ्य सेवा प्रदाता का मौलिक कर्तव्य है। उसके अनुसार, इस नियम का कोई भी अपवाद नहीं हो सकता है, लेकिन चार प्रतिशत से भी कम लोग दर्द से बुनियादी राहत तक पहुंच पाते हैं, इससे संबंधित शेष पहलुओं की तो बात ही छोड़ दें। दूसरी समस्या है कि जो लोग आधुनिक स्वास्थ्य प्रणाली में पीछे छोड़ दिए गए हैं, उन्हें सबसे अधिक इसकी आवश्यकता है। इनमें दिव्यांग लोग हैं। वे हैं, जो सांस्कृतिक या भौगोलिक रूप से हाशिये पर है। बुजुर्ग या लैंगिक भेदभाव के शिकार लोग हैं, खासकर गरीब, जो समुचित स्वास्थ्य सेवा हासिल करने की स्थिति में नहीं हैं।

तीसरी समस्या है कि मरणासन्न लोगों की ठीक से देखभाल नहीं की जाती है और उन्हें सघन चिकित्सा इकाई में बंदी की तरह मरने के लिए विवश किया जाता है और उनके पास साथ देने के लिए केवल दुख-दर्द होते हैं। मृत्य एक समय में जीवन का हिस्सा थी, उसका स्वागत नहीं था, लेकिन उसे अनिवार्य की तरह स्वीकार किया जाता था। आज उससे एक शत्रु की तरह किसी भी कीमत पर लड़ा जाता है। इस युद्ध की हर घड़ी विषाद लाती है और मरने की दुखदायी प्रक्रिया दिनों, सप्ताहों और महीनों तक बढ़ जाती है और चौथी समस्या, जो सबसे अहम है कि उपचार का बढ़ता भयावह खर्च हमारी चार प्रतिशत जनसंख्या को हर साल गरीबी रेखा से नीचे धकेल देता है। उपचार के खर्च का कम-से-कम 63 प्रतिशत हिस्सा रोगी की जेब से जाता है। इस खर्च को न तो सरकारी सहायता प्राप्त है और न ही यह किसी बीमा द्वारा संरक्षित है। ऐसे सामाजिक विध्वंस की सूची में विश्व बैंक ने भारत को सबसे बदतर 12 देशों में रखा है। संक्षेप में, प्रणाली एक ओर स्वास्थ्य सेवा देती है, तो दूसरी ओर यह स्वास्थ्य का गला घोंटती है।

आधुनिक दवाओं ने हम में से अधिकतर को स्वस्थ रखा है, लेकिन ये दवाएं आधुनिक 'स्वास्थ्य सेवा' के नकारात्मकों प्रभावों को दूर करने में असफल रही हैं। आज स्वास्थ्य सेवा की चार प्रमुख समस्याओं में सबसे पहली परेशानी है दर्द और दुख के उपचार से विमुख रहना। आज हमारे देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली दर्द और लगातार दुख सहने का उपचार नहीं करती है।

यह तस्वीर चिंताजनक है। इस नुकसान की भरपाई एक-दो वर्षों में नहीं की जा सकती है। यह हाथी के बच्चे को घर में पालने जैसा मामला है। हाथी बढ़ता जाएगा और घर के लोगों को उसके इर्द-गिर्द रहना सीखना होगा, लेकिन उसे बाहर निकालने की आवश्यकता होगी, भले ही इसके लिए दरवाजा तोड़ना पड़े या एक समय ऐसा आएगा, जब वह हाथी पूरा घर तबाह कर देगा। भारतीय स्वास्थ्य सेवा के मामले में हम ऐसे मोड़ पर आ चुके हैं, जब हाथी को दरवाजा तोड़कर बाहर निकालना होगा। या, क्या हम घर के ढह जाने की प्रतीक्षा करेंगे?

सौभाग्य से, इनके समाधान सस्ते हैं और मुश्किल भी नहीं हैं, बस स्वास्थ्य प्रणाली को दुख कम करने के अपने कर्तव्य को स्वीकार करना होगा। यह कर्तव्य स्वास्थ्यकर्मियों को बीमारी के उपचार के साथ दुख-दर्द का उपचार करना भी सीखना होगा। पश्चिम यूरोप के देशों तथा युगांडा और केन्या जैसे कम आय के सब-सहारा अफ्रीकी देशों में ऐसा ही किया जाता है। एक बात स्वास्थ्य प्रणाली इस उत्तरदायित्व को स्वीकार कर ले तथा आवश्यक दवाओं तक पहुंच से संबंधित नियमन व प्रक्रियाओं की अनावश्यक बाधाओं को दूर कर ले, तो समाधान आसान है। अच्छी खबर यह है कि भारत ने पहले ही इस दिशा में पहल कर दी है। साल 2014 में नशीले पदार्थों से जुड़े कानून को आसान बनाया गया है, जो दर्द निवारक दवाओं तक पहुंच को रोकता था। साल 2019 के बाद से हर मेडिकल छात्र को दर्द का प्रबंधन और पैलिटिव केयर अनिवार्यत: सीखना है। साल 2017 की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के तहत डेढ़ लाख स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण केंद्रों में स्वास्थ्यकर्मियों को इस संबंध में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

लेकिन इसमें एक मुश्किल भी है। केंद्र और राज्य सरकारों का स्वास्थ्य के मद में आवंटन अभी भी सकल घरेलू उत्पादन का लगभग 1.6 प्रतिशत के बेहद कम स्तर पर है। अधिकतर देश औसतन कम-से-कम पांच प्रतिशत खर्च करते हैं। हम में से बहुतों ने अपने दादा-नाना से यह कीमती सीख ली है कि स्वास्थ्य संपत्ति से भी अधिक महत्वपूर्ण है। इस सीख को बहुत पहले भुला दिया गया है। यह जरूरी है कि लोग गंभीर होते स्वास्थ्य मुद्दों के प्रति जागरूक हों। तीन साल पहले 120 देशों के 2000 प्रतिनिधियों ने प्राथमिक स्वास्थ्य के एक वैश्विक सम्मेलन में इस पर प्रतिबद्धता जतायी थी कि हर व्यक्ति का यह मौलिक अधिकार है कि वह किसी भेदभाव के स्वास्थ्य के उच्च स्तर का आनंद उठाए। यह चार दशक पूर्व के पहले वैश्विक सम्मेलन के संकल्प का ही दोहराव था। भारत भी इस संकल्प का भागीदार है, लेकिन हमारे यहां इस संबंध में बहुत कुछ किया जाना बाकी है, जो गंभीर रूप से बीमार हैं और दुख सह रहे हैं, उनके पास आज कोई आवाज नहीं है। उनकी परेशानी को सुना जाना चाहिए। उक्त वैश्विक सम्मेलन, जिसका भारत भी एक हस्ताक्षरकर्ता है, की घोषणा में कहा गया है कि सबके लिए स्वास्थ्य तभी हो सकता है, जब सबके साथ स्वास्थ्य होगा। स्वास्थ्य-संबंधी गंभीर परेशानियों का उपचार करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इसके लिए बस समझौतों और नीतियों के प्रति संकल्प चाहिए, जिन पर हमने हस्ताक्षर किया है. भारत को अपनी प्रतिबद्धता का पालन करना चाहिए।

घाटी में निशाने पर आम आदमी

डॉ अजय साहनी
(लेखक)

कश्मीर में हर दूसरे-तीसरे महीने हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं। हर एक घटना के बाद कुछ लोगों की बातों से लगता है कि जैसे पहले कभी ऐसी घटना हुई ही नहीं। कश्मीर में जिस तरह के हालात हैं, वहां हादसा होना नयी बात नहीं है। लंबी अवधि के ट्रेंड देखें, तो हाल के वर्षों में इन हादसों में नागरिक मौतें कम हुई हैं। इस साल कश्मीर में हुई हिंसक घटनाओं में मरने वालों की संख्या अभी तक 200 से नीचे ही है। जबकि, पिछले साल यह आंकड़ा तीन सौ से थोड़ा अधिक था। पहले के कश्मीर में एक साल में तीन से चार हजार तक मौतें हुई हैं। अभी एक तरह का जो ढिंढोरा पीटा जा रहा है, उससे अफरातफरी का माहौल पैदा हो रहा है। जबकि, जमीनी हालात से उसका कोई ताल्लुक नहीं है। इसमें सिर्फ दो गुटों का फायदा है, वे चाहे मुस्लिम चरमपंथी हों या फिर हिंदुत्ववादी चरमपंथी संगठन। बाकी किसी का कोई फायदा नहीं है।

घटनाओं की पृष्ठभूमि देखना जरूरी है। इस वक्त कश्मीरी पंडितों की संपत्ति के अधिकार की बात हो रही है। अगर उनकी संपत्ति पर किसी ने कब्जा कर लिया है, तो सरकार उस पर कार्रवाई की बात कह रही है। कश्मीर में इस वक्त जो हालात हैं, उसमें ऐसा कुछ कर पाना कठिन है। अभी के हालात में घाटी में वापस जाने में पंडितों में डर होना स्वाभाविक है। घाटी में जो भी बचे-खुचे पंडित हैं, उनकी सुरक्षा भी जरूरी है। ऐसे में हर कदम सोच कर उठाना होगा। हिंदू-मुसलमान मुद्दा अलग है, इससे ज्यादा अहम है हालात को सामान्य बनाना। हालात अगर सामान्य न हुए, तो जाहिर है कि इस्लामिक चरमपंथियों को इससे फायदा होगा। इससे वे दिखा पाएंगे कि वे मुसलमानों के रक्षक बने हुए हैं। बीच में आम आदमी पिसता है, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान।

घाटी के कट्टरपंथ में कुछ नया नहीं है। आइएसआइ भी नया नहीं बना है। हाल-फिलहाल में घाटी में कोई बड़ी हिंसक घटना नहीं हुई है। हालांकि, हर हादसे के बाद कहा जाता है कि चरमपंथी गतिविधियां बढ़ रही हैं। आंकड़े इसके ठीक विपरीत हैं। ऐसा नहीं है कि अचानक हिंसक घटनाओं में तेजी आ गयी है। घाटी में ज्यादा अल्पसंख्यक बचे नहीं हैं। अगर दो-तीन परिवार उठकर चले आए, तो लोग कहने लगते हैं कि नब्बे का दशक फिर से आ गया। ऐसा कहने वालों को नब्बे के दशक की जानकारी नहीं है। उस दौर की हिंसा में लाखों लोगों ने पलायन किया था। हर साल हजारों मारे जा रहे थे। किसी तथ्य या आंकड़े की वैध तुलना होनी चाहिए। किसी के कथन पर जाने की बजाय जमीनी हालात को जानना जरूरी है। हर हादसे के बाद हालात बिगड़ रहे हैं, बार-बार ऐसा बोलना सही नहीं है।

हर मुठभेड़ में आतंकवादी मारे जा रहे हैं। भिड़ंत में कभी-कभार सुरक्षाबल भी निशाना बनते हैं। पिछले साल अलग-अलग घटनाओं में 321 मौतें हुई थीं, इस बार अभी तक 193 मौतें हुई हैं। इस समय बिखराव और ध्रुवीकरण की राजनीति हर तरफ फैली हुई है। हिंदुत्ववादी पार्टियों के लिए हिंदू खतरे में हैं, दूसरी तरफ वे चीख रहे हैं कि मुसलमान खतरे में हैं।

हमारी जमीनें ले ली जाएंगी, हमें कश्मीर में बेघर कर दिया जाएगा। ध्रुवीकरण से आम आदमी पिस रहा है। जितने लोग भी वक्तव्य दे रहे हैं उनके पास आंकड़ों की जानकारी नहीं है। अगर किसी हादसे में 25 लोग मारे जाते हैं, तो वह बहुत बड़ा हादसा है, वह दुखद है, लेकिन उसके आगे-पीछे महीनों तक कुछ नहीं होता, तो हम ऐसा नहीं कह सकते कि हालात बिल्कुल हाथ से बाहर निकल गए हैं।

लंबी अवधि के ट्रेंड देखें, तो हाल के वर्षों में इन हादसों में नागरिक मौतें कम हुई हैं. इस साल कश्मीर में हुई हिंसक घटनाओं में मरनेवालों की संख्या अभी तक 2 से नीचे ही है, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा तीन सौ से थोड़ा अधिक था.

हर चीज के दो पहलू होते हैं। हमारे सुरक्षाबल के जवानों की मौत हुई, यह दुखद है, लेकिन वह किस हालात में हुई, कार्रवाई की शुरुआत किसने की, वह अधिक महत्वपूर्ण है। सुरक्षाबल के जवान अभियान पर निकले थे, उसमें कहीं चूक हुई, वे घिर गए और पांच जवान मारे गए। हादसे के कारणों की पड़ताल की जानी चाहिए। लेकिन, ऐसा नहीं है कि रोजाना फौज के लोग मारे जा रहे हैं। पूरे साल में जवानों की केवल 26 मौतें हुई हैं, जबकि 137 आतंकी मारे गए हैं। आतंक-रोधी कार्रवाई के लिहाज से यह अनुपात अच्छा कहा जाएगा। अफगानिस्तान में तालिबान काबिज हो गया है, इससे मुसलमानों को बढ़ावा मिलेगा, यह कहना गलत है। हमारे आसपास उससे कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि इससे देश भर के अलग-अलग शहरों में विस्फोट होने लगे हैं। लोग कहते हैं कि खतरा बढ़ सकता है, होने को तो कुछ भी हो सकता है। अन्य कट्टरपंथी भी देश में आग लगा सकते हैं। अगर दो-तीन हादसे होते हैं, जो उसका मतलब यह नहीं है कि पूरे देश में अराजकता बढ़ गई है। हमारे विश्लेषण का आधार एक जैसा ही होता है, चाहे हिंदुस्तान हो या पाकिस्तान। अगर निहत्थों को मारना पाकिस्तान में खराब काम है, तो भारत में भी निहत्थों को मारना गलत है। घटना का विश्लेषण अलग होता है और ट्रेंड का विश्लेषण करना दूसरी बात है। सुरक्षा विश्लेषण ट्रेंड के विश्लेषण पर आधारित होता है। किसी एक घटना के आधार पर निष्कर्ष नहीं निकाला जाता है। उसमें यह देखा जाता है कि कहां चूक हुई, किस तरह से घटना हुई, हमारी कहां कमी रह गई या उनकी क्षमता बढ़ गई है। दीर्घकालिक विश्लेषण में हमेशा घटनाओं की प्रवृत्ति को देखा जाता है।

पैंडोरा जैसे मामलों पर लगे लगाम

लगभग पांच साल पहले पैंडोरा पेपर्स की तरह ही एक और कागजी पिटारा खुला था। पनामा पेपर लीक के नाम से मशहूर हुआ था वह पिटारा। उसमें भी ऐसे ही रहस्यों का उद्घाटन हुआ था। उसमें देश की कानून व्यवस्था को धता बता कर बड़े नामों वाले सक्षम भारतीयों ने पूंजी की जबरदस्त लुका-छुपी का खेल किया था। कुछ वैसा ही पैंडोरा के पिटारे से भी सामने आया है। इसी संदर्भ में यह याद करना जरूरी है कि 2019 में इंडियन नेशनल बार एसोसिएशन का एक व्हाइट कॉलर क्राइम सर्वे प्रकाशित हुआ था, जिसमें भारतीय उच्च वर्ग के उच्च कोटि के वित्तीय अपराधों के लगातार बढ़ते ग्राफ का खुलासा किया गया था।

बैंकों के साथ धोखाधड़ी, आयकर की चोरी और न जाने कितने अनोखे अपराध साल-दर-साल बढ़ते रहे हैं। फिर तो जाहिर है कि पनामा और पैंडोरा के अलावे कितने अन्य कागजात होंगे, जिनके बारे में हम अभी भी नहीं जानते। नाम बदल जाएं, जगह बदल जाएं, पर सच तो एक ही है। भारत के सक्षम वर्ग को मालूम है कि आयकर की व्यवस्था और वित्तीय प्रशासन से कन्नी काट कर कहां और कैसे अपने पैसे छुपाये जा सकते हैं। अद्भुत कला-कौशल में माहिर है भारतीय उच्च वर्ग। चोरी भी करते हैं, तो सुंदर, मोहक और उच्च कोटि की। जितने ग्लैमरस नाम, उतना ही उत्कृष्ट संपत्ति कर की चोरी, लेकिन उनकी चोरी की खास बात यह है कि वे बस अपने पैसे छुपाते ही नहीं, उन्हें पूंजी को वृद्धि में लगाने की वह अद्भुत अर्थगणितीय कला भी मालूम है, जो भारत भूमि के विधि व्यवस्था के अनुसार गैरकानूनी है। सब लोग नहीं कर सकते इतना उत्कृष्ट काम। अपनी मासिक कमाई पर आयकर देनेवाला भारतीय मध्य वर्ग तो बस कोई मामूली-सी कर चोरी करने पर भी धर लिया जाता है।

आयकर व्यवस्था ऐसी छोटी मछलियों को दबोचने में तनिक भी कोताही नहीं करती। ठीक वैसे ही जैसे छोटे बच्चे कुछ रुपये की हेराफेरी करने पर बड़ी आसानी से अपने मां-बाप के हाथों पकड़े जाते हैं। कोई बहुत जांच-पड़ताल करने की जरूरत नहीं पड़ती है। जिसने चोरी की है, उसके चेहरे के रंग को देख कर ही कोई उन्हें धर सकता है, लेकिन ग्लैमरस चोरी की बात ही कुछ और है। जिसकी उच्च कोटि की क्षमता है, बुद्धि व कौशल है, और पहुंच है, वह कर लेता है। कभी कोई अखबार ही जांच-पड़ताल करके खुलासा कर दे, तो कर दें। देश की आयकर और आर्थिक शासन व्यवस्था आदि तो बेचारे ही बने रहते हैं। और, कागजी रहस्यों से पर्दा उठते ही पूरी व्यवस्था फाइलें पलटने लगती है। पनामा लीक के समय भी ऐसा हुआ था और अब पैंडोरा रहस्य के खुलते ही फिर से वही सब हो रहा है। व्यवस्था के कर्ता-धर्ता नहा-धोकर, बालों में कंघी किए हुए, एकदम टाइट दिखने की कोशिश करने लगे हैं। ऐसा लग रहा है कि वे इसी दिन की ताक में कई बरसों से थे। यह अलग बात है कि बेचारे कुछ कर नहीं पाए। किसी खोजी पत्रकार के ही भरोसे है इतने बड़े देश की आर्थिक व्यवस्था। अब जब पैंडोरा का पिटारा खुल ही गया है, तो कोई बात नहीं। इससे जुड़ी सभी खबरों में पूरा ध्यान इसी पर है कि कौन-कौन से नाम सामने आ रहे हैं, किस बड़ी हस्ती ने कितने पैसे किस फर्म में लगाए. बड़े नाम और बड़े दाम के चक्कर में क्या हम दो मूल बातों पर ध्यान दे पाएंगे?

सबसे पहली बात, यह शासन व प्रशासन की कैसी व्यवस्था है, जो बड़ी आमदनी और उससे जुड़े मामलों को नजरअंदाज करने में असाधारण रूप से माहिर है! इतनी दक्षता तो महाभारत के अर्जुन को ही थी, जिनको मालूम था कि मछली की आंख कहां है। हमारे आर्थिक शासन व्यवस्था की दक्षता उसे लाखों और करोड़ों छोटी-छोटी मछलियों की आंख पर नजर रखने के लायक तो बनाती है, लेकिन वह मुट्ठी भर कुछ सैकड़ों में गिने जा सकने वाले धनी लोगों की आय पर नजर नहीं रख पाती। क्या यह अर्थशास्त्र की कोई गूढ़ पहेली है फिर एक सामाजिक और राजनीतिक गोरखधंधा? समय आ गया है कि भारत के विश्वविद्यालयों में इस विषय पर शोध एवं अनुसंधान के लिए सहयोग और प्रोत्साहन दिया जाए। आखिर राष्ट्र निर्माण के लिए ये जानना अत्यंत आवश्यक है कि क्यों हमारी आर्थिक व राजनीतिक व्यवस्था इतनी लचर रही है कि बड़े-बड़े शार्क आराम से बैंकों को ठग कर, सरकारी उपकरणों से छल कर अपनी संपत्ति को पांच, छह या सात समंदर पार बड़ी निपुणता से भेज देते हैं।

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

"मैं ही पार्टी की स्थाई अध्यक्ष हैं तथा उनसे बात करने के लिए मीडिया का सहारा लेने की जरूरत नहीं है।

– **सोनिया गांधी**
कांग्रेस अध्यक्ष

दिल्ली के सिंघु बॉर्डर पर पंजाब के एक दलित युवक की नृशंस हत्या अति-दुखद एवं शर्मनाक है। पुलिस घटना को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करे।

– **मायावती**
बसपा सुप्रीमो

महेंद्र सिंह धोनी इसलिए महान है क्योंकि वह अपने खिलाड़ियों पर विश्वास दिखाते हैं। धोनी बहुत प्रभावशाली है क्योंकि उन्होंने खिलाड़ियों पर विश्वास दिखाया है।

– **सुनील गावस्कर**
पूर्व भारतीय कप्तान"

दशहरा के दिन तक पराली जलाने पर दर्ज हुए सर्वाधिक 166 केस

करीब 200 किसानों से 2.70 लाख रुपये का वसूला जा चुका है जुर्माना

फसल अवशेष जलाने वाले 296 किसानों को नोटिस दिए गए

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

जिलेवासियों का घर से बाहर निकला मुश्किल हो चुका है, चूंकि फसल अवशेष जलाने, चल रहे निर्माण कार्यों से उड़ती धूल कणों से हवा जहरीली हो चुकी हैं। जिससे मानव जीवन पर संकट उत्पन्न होने लगा है। लोगों को सांस लेने में दिक्कत के साथ आंखों में जलन हो रही है। दूसरी ओर विजयदशमी के दिन फसल अवशेष जलाने के 166 केस दर्ज किए गए हैं, जो अब तक के सर्वाधिक केस हैं। वहीं अब तक जिले में फसल अवशेष जलाने वाले 296 किसानों को नोटिस दिए गए हैं, जबकि करीब 200 किसानों से 2.70 लाख रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है।

खेतों में पराली में लगाई गई आग।

किसानों को फसल अवशेष न जलाने के लिए कृषि विभाग द्वारा जागरूकता के कार्यक्रम चलाएं जा रहे हैं, वहीं फसल अवशेष प्रबंधन के लिए मशीन व कस्टम हायरिंग सेंटर तक खोले जा चुके हैं, बावजूद स्थिति में कोई खास परिवर्तन दिखाई नहीं दे रहा।

कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा इतने कार्य करने के बाद बावजूद, इतनी बड़ी संख्या में केस सामने आने से स्थिति को आसानी से समझा जा सकता है। जो दिखाता है कि कृषि विभाग के दावों और हकीकत में कितना अंतर है। जो दावे कृषि विभाग के अधिकारी करते नजर आ रहे हैं, वे धरातल पर फेल होते दिख रहे हैं।

किसान पराली जलाएं और जुर्माना न भरें: ओलख

भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी ग्रुप के जिलाध्यक्ष जगदीप ओलख ने किसानों से अपील की है कि जो किसान फसल अवशेष प्रबंधन कर सकता हैं, वे करें। जो किसान ऐसा करने की स्थिति में न हों तो वे फसल अवशेष जलाएं। प्रशासन के कर्मचारी खेतों में न आए, साथ ही किसान कर्मचारियों से टकराव की स्थिति से बचें। उन्होंने किसानों से कहा कि जो जुर्माना लगाया जाता हैं, उसे न भरें। एक संयुक्त चेक बनाकर मुख्यमंत्री मनोहर लाल को दिया जाएगा।

किसान फसल अवशेष न जलाएं: डॉ. आदित्य

उप कृषि निदेशक डॉ. आदित्य डबास ने बताया कि किसान नेता जो फसल अवशेष जलाने की बात कर रहे हैं, वो गलत हैं, क्योंकि फसल अवशेष जलाने से मानव के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

अस्थमा के रोगियों के लिए जहरीला धुंआ जानलेवा तक हो सकता हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वे फसल अवशेष न जलाएं ओर मशीनों से फसल अवशेष प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि किसान बताएं कि डि-कम्पोजर का स्प्रे करवाना हैं वहां पर करवाया जाएगा।

पराली जलाने वालों पर ठोंका 60 हजार रुपये का जुर्माना

गुरजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

खेतों में फानों व फसल अवशेषों में आग लगाने वालों पर जिला प्रशासन ने शिकंजा कसना शुरु कर दिया है। इस समय प्रशासन की फ्लाईंग स्कवायड तथा नोडल अधिकारियों की टीमों ने मिलकर अब तक 43 लोगों के चालान किए है। इन लोगों पर 60 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

उपायुक्त मुकुल कुमार ने बातचीत करते हुए कहा कि कृषि विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व तथा अन्य विभागों के अधिकारियों ने मिलकर फील्ड में अपना डेरा जमा लिया है। यह टीमें लगातार गांव-गांव पर नजर रखे हुए हैं। इन टीमों को हरसक की तरफ से पिहोवा में 16, बाबैन में 8, ईस्माइलाबाद से 25, लाडवा से 12, पिपली से 17, शाहबाद से 44 तथा थानेसर से 50 सहित कुल 172 जगहों पर आग लगने की सूचना दी गई थी। इस सूचना के आधार पर टीमों ने फील्ड में जाकर निरीक्षण किया।

इस निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार बाबैन में 1, इस्माइलाबाद में 10, लाडवा में 6, पिपली में 4, पिहोवा में 8, शाहबाद में 5, थानेसर में 9 सहित कुल 43 जगहों पर फानों में आग लगाने के मामलों की पुष्टि की गई है। इन लोगों पर कुल 60 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

तीन कृषि कानून रद्द नहीं हुए तो भूखी सोएगी आधी आबादी: चढ़ूनी

कहा, इसी से किसान तीन कृषि कानून के खिलाफ जारी आंदोलन को तेज करें

पंजाब से मकड़ौली टोल पर आयोजित महापंचायत में जाते हुए कहा

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भाकियू राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि यदि तीन कृषि कानून लागू हो जाते हैं तो देश की आधी से ज्यादा आबादी भूखा सोने पर मजबूर हो जाएगी। यही नहीं देश की जनता शिक्षा व चिकित्सा को तरस जाएगी, इसीलिए, किसान तीन कृषि कानून के खिलाफ जारी आंदोलन को तेज करें। वे शनिवार को पंजाब से मकड़ौली टोल पर आयोजित महापंचायत में जाते हुए गांव तालु में एक जनसभा को संबोधित करने पहुंचे थे।

गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि भाजपा सरकार ने हठधर्मिता दिखाते हुए तीन कृषि कानून लागू तो कर दिए। लेकिन अब किसानों के संघर्ष व हौसले को देखते हुए ये तीन कृषि कानून सरकार के गले की फांस बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से देश के अन्नदाताओं की पेट पर लात मारने का काम किया है, जो कि किसान कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे तथा जब तक तीन कृषि कानून रद्द नहीं हो जाते, तब तक अपना संघर्ष जारी रखेंगे।

शहीद किसानों की याद में युवा निकालेंगे मशाल यात्रा

गांव तालु में चढ़ूनी ने कहा कि लखीमपुर खीरी में शहीद किए किसानों की याद में गांव तालु के युवा किसान मशाल यात्रा निकालेंगे, जो कि गांव तालु से टिकरी बॉर्डर तक जाएगी। उन्होंने कहा कि इस मशाल यात्रा का उद्देश्य सरकार को दिखाना रहेगा कि किसान एकजुट हैं। अपनी मांग मनवाने के बाद ही संघर्ष को खत्म करेंगे। उन्होंने कहा कि लखीमपुर में मंत्री के बेटे द्वारा किया गया हत्याकांड जलियावाला बाग से कम नहीं था। चढ़ूनी ने कहा कि किसानों पर कितने भी जुल्म करे ले, लेकिन किसान मांग पूरी होने तक शांतिपूर्वक आंदोलन जारी रखेंगे।

इस दौरान चढ़ूनी ने एक बार फिर कहा कि जब तक कानून वापसी नहीं, तब तक घर वापसी नहीं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने हर तरह से जुल्म करके किसानों को डराने का कार्य किया, लेकिन किसान सरकार के षड़यंत्रों के आगे ना तो झुकेंगे तथा ना ही डरेंगे। वे अपना आंदोलन यू ही जारी रखेंगे, चाहे इसके लिए उन्हे कितना ही लंबा संघर्ष कर कोई भी कुर्बानी क्यों ना देनी पड़े।

सैकड़ों किसान मजदूर मकड़ौली महापंचायत में पहुंचे

किसान सभा और युवा कल्याण संगठन के

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर किसान सभा व युवा कल्याण संगठन, चौधरी छोटूराम व डाक्टर अम्बेडकर मंच की तरफ से सैकड़ों कार्यकर्ता कड़ौली टोल पर किसान महापंचायत में पहुंचे। सुबह पुराने बस स्टैंड पर सभी किसान मजदूर इकट्ठे हुए तथा सरकार विरोधी नारे लगाए।

इस अवसर पर इन संगठनों के विभिन्न नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार किसान आन्दोलन में हिंसा पैदा करना चाहते है। किसान मजदूर की एकता को जति और धर्म पर बांटना चाहते है, इसलिए हमारे आन्दोलन को इनकी इन साजिशों के प्रति सचैत और जागरूक रह कर शान्ति पूर्ण तरीके से व्यापक एकता के साथ आन्दोलन को जारी रखना होगा। तभी हमारा आन्दोलन सफल होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारें व उसका गोदी मीडिया किसान आन्दोलन को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। किसान मजदूर आन्दोलन उनकी इस चुनौती का सूझ बूझ से मुकाबला करेंगे।

सांस्कृतिक संध्या आज

कुरुक्षेत्र। हरियाणा कला परिषद द्वारा कला कीर्ति भवन में आयोजित किए जाने वाले साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में 17 अक्टूबर रविवार को हंसी ठट्ठा नाइट का आयोजन किया जाएगा। इसमें हरियाणा के हास्य कलाकार अपने हास्य-व्यंग्यों से लोगों को गुदगुदाने का कार्य करेंगे। यह जानकारी हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन ने दी। उन्होंने बताया कि हसीं ठट्ठा नाइट में सुप्रसिद्ध कलाकार युसुफ भारद्वाज, मास्टर महेंद्र, आलोक भदौरिया, अशोक बरौदा तथा महाबीर गुड्डू अपनी प्रस्तुति देंगे।

संक्षिप्त समाचार

शारदा रामलीला में हुआ श्रीराम का राज्याभिषेक

कुरुक्षेत्र। जय श्री शारदा रामलीला ड्रामाटिक क्लब द्वारा शुक्रवार रात राम-रावण युद्ध, रावण वध व श्रीराम राज्याभिषेक का मंचन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा, पार्षद विमला गाबा व भाजपा नेता विजय गाबा ने बतौर मुख्य अतिथि श्रीराम का राजतिलक किया। इस मौके पर हिमांशु अरोड़ा, डॉक्टर सुरेन्द्र मेहता, राम स्वरूप चोपडा, जुगल किशोर, लवकेश मेहता, नितिन गोयल, वीरेंद्र सिंह, सुरेन्द्र सैनी, पीएन गौतम, चिराग गाबा और ललित मेहता विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने कहा कि भगवान राम जैसा आदर्श चरित्र का दुनिया में कहीं कोई उल्लेख नहीं मिलता। रामायण के प्रत्येक पात्र से हमें कोई न कोई अच्छी सीख जरूर मिलती है। रामलीला के कलाकारों में सुमित गर्ग ने राम, शिव भटनागर ने लक्ष्मण, प्रिंस ने सीता, पितांबर शर्मा ने हनुमान, संजीव कौशिक ने रावण, चीनी भाई सुग्रीव और मुकेश सिसौदिया ने विभीषण का अभिनय किया। इस मौके पर प्रधान सतीश शर्मा, उपप्रधान सोहन लाल काकयान, महाप्रबंधक संजीव शर्मा पांडेय,महासचिव नरेश चौधरी, सचिव यशपाल सैनी, सहसचिव अजय ठाकुर, निदेशक दर्शन लाल सैनी, भूषण कुमार गुप्ता, करनैल सिंह, बालकृष्ण रोहिला, सोमनाथ सैनी, पूर्णचंद मटकू, महिपाल धीमान, श्रीनिवास गोयल, अथर्व, लव कुमार, गुरमीत खालसा, पदम धीमान,अरविंद मोहन शर्मा, मनोज सैनी, विनोद सैनी और राकेश आदि मौजूद रहे।

राजकीय स्कूलों में लगाया कानूनी साक्षरता कैंप: सचिव

सोनीपत। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव रमेश चन्द्र ने कहा कि भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण द्वारा दो अक्टूबर से 14 नवंबर तथा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसी कड़ी में शनिवार को गांव रोहणा, ठसका, शामड़ी, खानपुर, अहीर माजरा, खेवी गुज्जर, अटायल, भोरा रसूलपुर, सैदपुर, नाहरा, बिंदरौली, दीपालपुर, बरोणा, सिरसाढ़, आहुलाना, गोरड़, निजामपुर खुर्द, राणा खेड़ी, झरोठी, मंडोरा, कंवाली, सलीमसर माजरा, गढ़ी हकीकत, रेहमाना तथा पांची में डीएलएसए के मार्गदर्शन में कानूनी साक्षरता कैंप का आयोजन किया गया। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी रमेश चन्द्र ने कहा कि स्कूलों में कानूनी जागरूकता कैंपों का आयोजन इसलिए किया जाता है, ताकि बच्चों तथा लोगों को डीएलएसए द्वारा दी जाने वाली कानूनी सेवाओं के बारे में जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि गांव रोहणा स्थित राजकीय विद्यालय गांव शामड़ी व खानपुर में कानूनी साक्षरता कैंप का आयोजन किया गया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रियंका रही प्रथम

कुरुक्षेत्र। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय संभालखी में प्रधानाचार्य अजय अग्रवाल के मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत नौवीं कक्षा से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों का स्लोगन राइटिंग कंपटीशन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें 62 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के द्वारा बच्चों को सड़क सुरक्षा संबंधित जानकारी प्राप्त हुई और इस कार्यक्रम की संयोजिका सिमरनजीत कौर और उनके सहयोगी मंजू तथा विकास त्यागी ने बच्चों का मार्गदर्शन किया। प्रतियोगिता के बाद पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रियंका 12वीं कक्षा की छात्रा, दूसरा स्थान सिमरन दसवीं कक्षा की छात्रा और तीसरा स्थान रजनी दसवीं कक्षा की छात्रा ने प्राप्त किया। स्लोगन राइटिंग कंपटीशन में कीर्ति प्रथम स्थान, हरप्रीत द्वितीय स्थान तथा तीसरा स्थान और तीसरा स्थान खुशी ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में जीव विज्ञान के प्राध्यापक सुभाष कलसाना, हिंदी के प्राध्यापक सतीश कुमार, अंग्रेजी की अध्यापिका हरप्रीत कौर ने अपनी भूमिका निभाई और परिणाम घोषित किया।

नारायणी माता मंदिर आस्था और विश्वास का प्रतीक: कविता जैन

शिव शक्ति नारायणी माता मंदिर के स्थापना दिवस को संबोधित करते स्वामी नरेशानन्द महाराज।

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

कविता जैन ने कहा मंदिर के कार्य में सभी का सहयोग होना है जरूरी

शिव शक्ति नारायणी माता मंदिर सेवा समिति द्वारा शनिवार को महलाना रोड पर स्थित शिव शक्ति नारायण माता मंदिर का 26वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। इस दौरान मंदिर समिति की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर पूर्व मंत्री कविता जैन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। सैनाचार्य भारत स्वामी नरेशानन्द महाराज वरिष्ठ अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंदिर में महिला मंडली द्वारा भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं ने नाचते-गाते हुए माहौल को ओर भी भक्तिमय बना दिया। मंदिर के प्रधान महेन्द्र व पूर्व प्रधान ओमप्रकाश ने बताया कि नारायण माता मंदिर समिति द्वारा हर वर्ष 16 अक्टूबर को मंदिर का स्थापना दिवस मनाया जाता है। मंदिर के पूर्व प्रधान ओमप्रकाश, समाजसेवी चरणदास, दिल्ली बादली से समाज के प्रमुख व्यक्ति लक्ष्मी नारायण व मंदिर के प्रधान महेन्द्र सिंह ने कहा कि नारायणी माता मंदिर में आकर मत्था टेकने से श्रद्धालु की मुराद पुरी होती है, जो भी श्रद्धालु मंदिर में आकर सच्चे मन से मां की अराधना करता है मां उसकी हर मनोकामना पूरी करती है। नारायण माता सदा अपने श्रद्धालुओं के दुख दूर करती है। इस मौके पर ओमप्रकाश, महेन्द्र सिंह, अशोक, चरण दास आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

बारना में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता 18 से

कुरुक्षेत्र। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता 18 व 19 अक्टूबर को गांव बारना स्थित व्यायामशाला में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का आयोजन एम्बोर कबड्डी एसोसिएशन कुरुक्षेत्र द्वारा किया जाएगा।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष रमेश मलिक, सचिव जगदीप सिंह व सहसचिव लाभ सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता गांव बारना की व्यायामशाला में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। 18 अक्टूबर को लड़कों की सीनियर व जुनियर वर्ग की प्रतियोगिता आयोजित होगी। वहीं 19 अक्टूबर को लड़कियों की सीनियर व जुनियर वर्ग की खिलाड़ी भाग ले सकेंगी।

अभी खेत में पराली और दीपावली पर पटाखे न जलाएं

हरियाणा राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के एक्सईएन शैलेंद्र अरोड़ा ने की अपील

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

पर्यावरण को बचाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है, आबोहवा शुद्ध होगी तो लोग कई गंभीर बीमारियों से बच सकेंगे।

बातें हरियाणा राज्य प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के एक्सईएन शैलेंद्र अरोड़ा ने उस लोगों से कही। जब बोर्ड की टीम जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता बोर्ड लगा रहे थे।

एक्सईएन शैलेंद्र अरोड़ा ने कहा कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, पवित्र स्थान, शैक्षणिक संस्थानों के बाहर जागरूकता बोर्ड लगाएं हैं। जिन पर पटाखे व फसल अवशेष न जलाने की अपील की हैं, क्योंकि इन दिनों त्योहारी सीजन में पटाखे जलाकर लोग प्रदूषण फैलाते हैं, वहीं कई किसान फसल अवशेषों को आग के हवाले कर देते हैं। जिससे मानव जीवन संकट में आ जाता है।

उन्होंने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस बार पटाखे न जलाएं और किसान भाई फसल अवशेष न जलाएं। जो मानव जाति पर उपकार होगा।

युरोफिन्स एनालिटिकल सर्विसेज ने फार्म और खरीद बाजारों के नजदीक

कृषि कोमोडिटीज की जांच के लिए मोबाइल रेजीड्यु मॉनिटरिंग लैब का लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

युरोफिन्स साइन्टिफिक ग्रुप की सदस्य युरोफिन्स एनालिटिकल सर्विसेज इंडिया ने मोबाइल रेजीड्यु मॉनिटरिंग लैबोरेटरी के लॉन्च की घोषणा की है। जो किसानों और निर्यातकों को खेतों एवं खरीद बाजारों के नजदीक तीव्र एवं सटीक टेस्टिंग सेवाएं उपलब्ध कराएगी।

लॉन्च के अवसर पर एपीईडीए के चेयरमैन एम अंगामुथु ने कहा, 'किसानों को सशक्त बनाने के लिए, युरोफिन्स ने मोबाइल लैब का लॉन्च किया है, जिससे मूल्यांकन में लगने वाला टर्न अराउण्ड टाइम कम होगा और भारत की निर्यात क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी।' कृषि कानूनों में बदलाव के साथ किसान एवं खरीददार/निर्यातकों से उम्मीद की जाती है कि वे राष्ट्रीय बाजारों में पहुंच बनाएं और खरीद का फैसला जल्द से जल्द लें। निर्यात संबंधी कोमोडिटीज की खरीद के लिए पेस्टीसाइड रेजीड्यु एवं टॉक्सिन्स एक महत्वपूर्ण पहलू है। वर्तमान में खरीददार/ निर्यातक राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित प्रयोगशालाओं की सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। निम्न एमआरएल और ईयू जैसे देशों के सख्त कानूनों के मामलों में सैम्पल को जांच के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति की लैब जैसे युरोफिन्स में भेजा जाता है।

कारोबार एवं विनियामक पहलुओं में बदलावों के मद्देनजर लेनदेन के समय (खरीददार किसान से सैम्पल लेता है, खरीदने का फैसला लेता है) में काफी कमी आई है और किसानों के पास भी गुणवत्ता के अनुसार अपने उत्पाद को बेचने के लिए कई खरीददारों के विकल्प हैं। एक महत्वपूर्ण कारक जो लेनदेन के समय को काफी कम कर देता है, वह है सैम्पल को ले जाने और इसकी जांच में लगने वाला समय। मोबाइल रेजीड्यु मॉनिटरिंग लैब को फार्म के नजदीक स्थापित करने से टर्नअराउण्ड समय 50 फीसदी से भी कम हो जाता है और कारोबार की प्रक्रिया और तेज हो जाती है।

मोबाइल पेस्टीसाइड रेजीड्यु लैब में सभी आधुनिक उपकरण होंगे जैसे स्डैंडै, डैडै जो 500 से अधिक पेस्टीसाइड रेजीड्यु की जांच में सक्षम होंगे। कोमोडिटी में अफलाटॉक्सिन्स एवं ओकराटॉक्सिन्स की जांच कर सकेंगे। लैब निर्यात की जाने वाली कोमोडिटीज जैसे बासमती चावल, जीरा, मिर्च, सोया पर विशेष ध्यान देगी, ताकि किसान कम से कम समय में निर्यात के लिए अपने उत्पाद की गुणवत्ता जांच सकें।

इस तरह किसानों को अपने खेत के पास जांच सुविधाएं मिलेंगी, जहां मोबाइल लैब को मंडी के नजदीक खड़ा किया जाएगा। किसान कम से कम समय में अपने उत्पाद की जांच करा सकेंगे, इसके लिए उन्हें सैम्पल को दूसरे शहर में नहीं भेजना पड़ेगा। इसके अलावा, फसलों में 500 से अधिक पेस्टीसाइड रेजीड्यु की जांच की जा सकती है।

कमर दर्द को सामान्य दर्द की तरह नहीं करें नजरअंदाज, इलाज जरूर कराएं

पायनियर समाचार सेवा। गुड़गांव

स्पाइनल स्टेनोसिस एक ऐसी स्थिति है जिसमें स्पाइनल कैनाल संकरी हो जाती है। पहलू जोड़ और इंटरवर्टेब्रल डिस्क दोनों खराब हो जाते हैं। जिसके परिणामस्वरूप यह स्थिति होती है। इस विकार में बोन स्पर्स (जिसे ऑस्टियोफाइट्स भी कहा जाता है) स्पाइनल कैनाल में विकसित हो सकता है। रीढ़ की हड्डी के विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और पीठ दर्द की शुरुआती जैसे लक्षणों को शीघ्रता से पहचानने की अनिवार्यता है। हमारे दैनिक जीवन में एर्गोनोमिक चिंताओं से रीढ़ की हड्डी में उम्र से संबंधित परिवर्तन तेज हो जाते हैं। यह इस तथ्य से और भी खराब हो गया है कि महामारी के दौरान कई लोग घर से काम कर रहे हैं। गलत मुद्रा तंत्रिकाओं पर दबाव डालती है, जिससे पीठ और/या पैर में दर्द होता है और संभवतः समस्याएं होती हैं।

गुड़गांव के पारस अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ सुमित सिन्हा ने कहा, महामारी और वर्क फ्रॉम होम की वजह से लोग पहले से कहीं ज्यादा समय बैठकर काम कर रहे हैं। अधिकांश लोग डाइनिंग रूम कुर्सियों या अन्य गैर-कार्य-अनुकूल फर्नीचर में बैठते हैं। कोर मजबूत करने वाले व्यायाम रीढ़ की सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। लम्बर स्ट्रेस फैक्चर और अन्य महत्वपूर्ण पीठ के मुद्दों को रोकने में मदद कर सकते हैं। रीढ़, श्रोणि और कंधे की कमर सभी कोर पेशी संकुचन द्वारा स्थिर होती हैं, जो लोगों के लिए उनकी दैनिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण हैं, न कि केवल खेल में। यही कारण है कि, सामान्य पीठ की परेशानी के रूप में नजरअंदाज किए जाने के बजाय, रीढ़ की हड्डी का स्वास्थ्य सभी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

डॉक्टर सिन्हा ने आगे कहा, इमेजिंग उपकरण, छोटे कैमरे और थंबनेल के आकार के आसपास की त्वचा के चीरों का उपयोग करके, सर्जन न्यूनतम इनवेसिव दृष्टिकोण का उपयोग करके पारंपरिक सर्जरी के समान परिणाम और उद्देश्यों को प्राप्त कर सकते हैं। सर्जन अधिक सटीक रूप से काम कर सकते हैं और संकीर्ण सर्जिकल क्षेत्रों में कम टिशू विभाजन के साथ। रोगी इस प्रक्रिया से शारीरिक और कॉस्मेटिक दोनों स्तरों पर लाभ उठा सकते हैं।

स्पाइनल स्टेनोसिस के लिए, एमआईएस स्पाइन सर्जरी, स्पाइनल डिफॉर्मिटी रिपेयर और स्पाइनल फ्यूजन कुछ थेरेपी विकल्प हैं। स्पाइनल फ्यूजन का उद्देश्य रीढ़ की स्थिरता को बहाल करना है। सर्जन उपचार के दौरान रीढ़ को सहारा देने के लिए कशेरुकाओं के बीच की डिस्क को हटा देता है। सर्जन दो कशेरुक निकायों को एक हड्डी संरचना में एक साथ फ्यूज करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कशेरुकाओं के बीच सामग्री रखेगा। स्पाइनल सर्जरी में मिनिमली इनवेसिव सर्जरी का चलन बढ़ रहा है। नई विधियों का उपयोग करते हुए, यह प्रक्रिया मानक सर्जरी करने के लिए छोटे चीरों का उपयोग करती है। अंतःक्रियात्मक तंत्रिका निगरानी, नेविगेशन, और संचालित उपकरण इस पूरी प्रक्रिया में सर्जन की सहायता करते हैं।

प्रेरणा

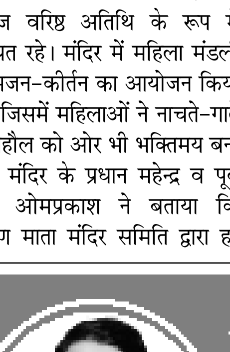

विकेश भारतीय
लेखक एवं सोशलिस्ट विचारक

हर वो चीज जो आज नई है कल पुरानी हो जाएगी,
जो आज हकीकत है कल कहानी हो जाएगी,
जमाने के डर से बदलोगे अगर कहानी के मोड़ को,
तो जिंदगी जिंदगी तो रहेगी लेकिन बेमानी हो जाएगी।

हरियाणा राज्य में कैंसर और एचआईवी मरीजों को मिलेगी पेंशन

सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग ने स्वास्थ्य विभाग से मांगा ब्यौरा

ज्यादातर रोगी करवा रहे हैं प्रदेश के निजी अस्पतालों में इलाज

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़।

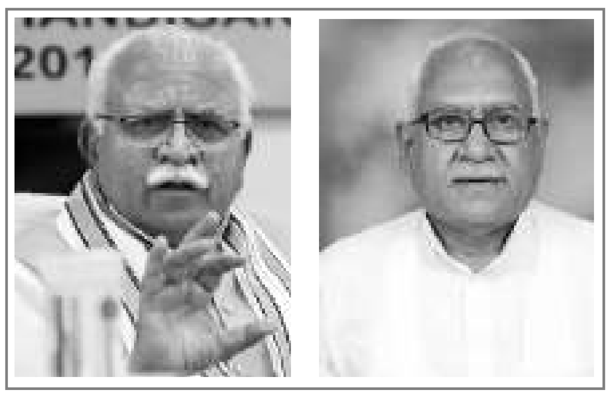

हरियाणा सरकार ने प्रदेश में कैंसर व एचआईवी पीड़ितों को पेंशन देने की तैयारी कर ली है। इस योजना को हरियाणा दिवस के अवसर अथवा मनोहर सरकार के सात साल पूरे होने पर लागू किया जा सकता है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने इस बारे में स्वास्थ्य विभाग से फाइनल रिपोर्ट मांग ली है। जिसके आधार पर लाभार्थियों का चयन किया जाएगा।

हरियाणा सरकार ने करीब दो साल पहले कैंसर तथा एचआईवी पीड़ितों को मासिक पेंशन देने का ऐलान किया था। जिसे लागू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से दोनों बीमारियों से संबंधित लोगों का ब्यौरा मांगा गया। इस बीच कोरोना के चलते प्रदेश में सभी गतिविधियां बंद हो गई। कोरोना की पहली लहर समाप्त होने के बाद दूसरी लहर शुरू हो गई। जिसके चलते प्रदेश में कैंसर रोगियों तथा एचआईवी पॉजिटिव रोगियों की संख्या में बदलाव हो गया।

कोरोना की दूसरी लहर समाप्त होने के बाद सरकार ने अब कैंसर रोगियों तथा एचआईवी पीड़ितों को पेंशन देने की तैयारी कर ली है। हरियाणा की मनोहर सरकार के 27 अक्टूबर को सत्ता के सात साल पूरे हो रहे हैं। एक नवंबर को हरियाणा दिवस भी है। ऐसे में प्रदेश सरकार पेंशन भोगियों में दो नई श्रेणियों को शामिल करने की तैयारी कर ली है।

इस योजना को लागू करने में बड़ा पेंच यह है कि प्रदेश में इन दोनों बीमारियों से संबंधित ज्यादातर लोग जिला अस्पतालों में जाने की बजाए पीजीआई रोहतक तथा जयपुर, दिल्ली व गुरुग्राम के निजी अस्पतालों में इलाज करवा रहे हैं। जिसके चलते सरकार को इनकी वास्तविक जानकारी जुटाने में दिक्कत आ रही है।

पेंशन भोगियों की तर्ज पर ही पेंशन देने का निर्णय लिय

हरियाणा सरकार ने कैंसर रोगियों तथा एचआईवी पीड़ितों को सामान्य श्रेणी के पेंशन भोगियों की तर्ज पर ही पेंशन देने का निर्णय लिया है। प्रदेश में इस समय अन्य श्रेणियों को 2500 रुपये प्रति माह पेंशन मिल रही है। इसी प्रकार इन दोनों श्रेणी के लोगों को पेंशन दी जाएगी। भविष्य सरकार पेंशन वृद्धि के लिए जो फैसला अन्य श्रेणियों के लिए लेगी वही इन पर भी लागू होगा।

> सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग कैंसर रोगियों तथा एचआईवी पॉजिटिव को पेंशन देने के लिए तैयार है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा डाटा सौंपने के बाद इसे प्रदेश में लागू कर दिया जाएगा। इसे लेकर सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी हो चुके हैं।
>
> **ओपी यादव**
> **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री**
> **राज्य सरकार, हरियाणा।**

धर्मनगरी के प्राकृतिक तालाबों में प्रवासी पक्षियों का आगमन शुरू

सुनहरी खालसा, ईशाकपुर, हथीरा, ब्रह्मसरोवर में मेहमान पक्षियों का जमघट शुरू

डॉ तरसेम कौशिक ने प्रशासन से तालाबों को अनुकूल बनाने की अपेक्षा की

गुरुजोत दुग्गल। कुरुक्षेत्र

प्राचीन काल से ही भारत की संस्कृति अतुलनीय रही है। भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता कहा गया है अथार्त अतिथि देवो भव:। प्रवासी पक्षी भी हरियाणा सहित भारत के विभिन्न राज्यों में शीतकालीन प्रवास के लिए आते हैं। प्रवासी पक्षियों का प्रव्रजन सदा से ही मनुष्य के लिए कौतूहल का विषय रहा है। धर्मग्रंथों में भी पक्षियों के प्रव्रजन की व्याख्या की गई है।

भारत में प्रत्येक वर्ष सितंबर व अक्टूबर में प्रवासी पक्षियों का आगमन देखा जा सकता है जोकि पक्षियों के प्रवास की शुरुआत होती है। प्रवासी पक्षी सितंबर व अक्टूबर में संपूर्ण भारत में अपने शीतकालीन प्रवास के लिए प्राकृतिक तालाबों, पोखरों, नदियों व बैराजों में आना शुरू कर देते हैं। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र भी प्रत्येक वर्ष प्रवासी पक्षियों के शीतकालीन प्रवास की साक्षी रही है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हथीरा के जीवविज्ञान प्राध्यापक डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि धर्मनगरी के विभिन्न प्राकृतिक तालाबों जैसे सुनहरी खालसा, ईशाकपुर, हथीरा, ब्रह्मसरोवर में सर्दियों में प्रवासी पक्षियों का जमघट लगना शुरू हो जाता है। हालांकि ब्रह्मसरोवर में लाखों की संख्या में प्रवासी पक्षी अपने शीतकालीन प्रवास के लिए आया करते थे, परंतु कुछ वर्षों से पर्यटकों की संख्या बढ़ने तथा अंतराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के आयोजन होने के कारण प्रवासी पक्षी ब्रह्मसरोवर में न आकर अन्य तालाबों में प्रवास करते हैं। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि सर्दियों की आहट के साथ ही सुनहरी खालसा, ईशाकपुर तथा हथीरा के प्राकृतिक तालाबों में प्रवासी पक्षियों का आना प्रारंभ हो गया है।

डॉ कौशिक ने बताया कि वे पिछले 20 वर्षों से सुनहरी खालसा व ईशाक पुर के प्राकृतिक तालाब प्रवासी पक्षियों के शीतकालीन आवास रहे हैं क्योंकि यहां इन्हें सुरक्षित आवास एवं भोजन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो जाता था। परंतु पिछले कुछ वर्षों से इन तालाबों में प्रवासी पक्षियों की संख्या में बेतहाशा कमी आई है जिसका मुख्य कारण तालाब के जल का गंदा होना, ह्यचीन्थ पादप की अप्रत्याशित वृद्धि, मछली पालन को बढ़ावा देना, तालाब के दायरे का सिकुड़ना व तालाब के नजदीक ग्रामीणों के दैनिक क्रियाकलापों में वृद्धि है। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि प्रवासी पक्षी सुदूर देशों जैसे रूस, साइबेरिया, अफगानिस्तान, कजाकिस्तान, चीन, पश्चिम एशिया, केस्पियन सागर से हजारों किलोमीटर की दुर्गम यात्रा कर हरियाणा के प्राकृतिक तालाबों में अपने शीतकालीन प्रवास के लिए आते हैं। कौशिक ने बताया कि ईशाक पुर का प्राकृतिक तालाब में ह्यचीन्थ पादप उग आया है।

> **प्रवासी पक्षियों का संरक्षण व संवर्धन करना न केवल हमारी नैतिक ज़िमेदारी है अपितु जरूरत भी है :डॉ तरसेम**
>
> जिला प्रसाशन को उन प्राकृतिक तालाबों का संरक्षण व संवर्धन करना होगा जो जैवविविधता की दृष्टि से समृद्ध हैं। तालाबों को उनकी मूल अवस्था में ही संरक्षित करना होगा ताकि प्रवासी पक्षियों को उनके शीतकालीन प्रवास के दौरान भोजन व आवास आसानी से उपलब्ध हो सके। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि सर्दियों में प्रतिवर्ष प्रवासी पक्षियों की विभिन्न प्रजातियां जैसे सरपट्टी सवन, सिलेटी सवन, तिदारी बत्तख, सिख पर बत्तख, बेखुर बत्तख, चेता बत्तख, नकटा, छोटी सिल्ही, करछिया बगुला, ग्लॉसी आईबिस, चमचा, घोंघिल, सामान्य टील, कॉटन टील, श्वेताक्ष पोचर्ड, शिखी पोचर्ड, पिंकशीर्ष बत्तख, रक्तशिखी पोचर्ड, राजहंस, फ्लेमिंगो इत्यादि बहुसंख्या में हरियाणा के प्राकृतिक तालाबों में अटखेलियां करते दिखाई दे जाते हैं। डॉ तरसेम कौशिक ने बताया कि प्रवासी पक्षियों का संरक्षण व संवर्धन करना न केवल हमारी नैतिक ज़िमेदारी है अपितु जरूरत भी है।

कुंडली हत्याकांड की जिम्मेदारी ले संयुक्त किसान मोर्चा: विजय सांपला

एससीएसटी कमीशन अध्यक्ष ने कहा विरोध सबका हक सजा देना अदालत का काम

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला ने कुंडली हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा है कि जिन निहंगों ने इस घटना को अंजाम दिया है। वह पिछले 11 महीने से बार्डर पर ही हैं। वह लगातार किसान मोर्चा के संपर्क में हैं। किसान मोर्चा के निर्देशों पर काम कर रहे हैं। ऐसे में इस कार्य की जिम्मेदारी भी किसान मोर्चा के नेताओं को लेनी चाहिए।

शनिवार को जारी एक बयान में विजय सांपला ने कहा कि वह गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी घटनाओं की वह कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। विरोध करना सबका अधिकार है लेकिन सजा देना अदालत का काम है। उन्होंने कहा कि आज एक दलित युवक की हत्या कर दी गई है। इससे पहले जब कोई घटना हुई तो मुआवजे की बात की जाती है। यहां सभी चुप क्यों हैं।

इस मुद्दे को लेकर सांपला ने शनिवार को पंजाब के पुलिस महानिदेशक के साथ भी बात की। उन्होंने कहा कि डीजीपी ने किसी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति नहीं बिगड़ने देने का आश्वासन दिया है। सांपला ने तलख लहजे में कहा कि इससे पहले भी गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटनाएं हुई हैं। कितने लोगों को मौत के घाट उतारा गया है और कितनों को हाथ काटे गए हैं। यह युवक दलित था इसलिए इसके साथ ऐसा व्यवहार किया गया।

सुपर-100 के 26 विद्यार्थियों की आईआईटी में एंट्री

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा शुरू किये गए सुपर-100 की बदौलत इस वर्ष भी हरियाणा से 26 विद्यार्थियों ने जेईई एडवांस परीक्षा में सफल होकर आईआईटी की सीटों पर कब्जा किया है।

शिक्षा विभाग के प्रवक्ता ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सत्र 2019-21 में नॉन मेडिकल स्ट्रीम में रेवाड़ी तथा पंचकूला केन्द्रों में 119 विद्यार्थियों के द्वारा प्रशिक्षण पूरा किया गया है। जेईई (मेन) परीक्षा के दौरान 54 विद्यार्थियों ने एडवांस टेस्ट के लिए क्वालीफाई किया, जिसमें से शनिवार को आईआईटी खड़गपुर के द्वारा जेईई एडवांस का परिणाम जारी किया गया है, जिसमें प्रदेश के 26 विद्यार्थियों ने अपनी सीट को पक्का कर लिया है इस कार्यक्रम में एससी श्रेणी के 10 बच्चों ने आईआईटी में अपना स्थान पक्का कर लिया है। अम्बाला से सुशील कुमार की एससी श्रेणी में ऑल इंडिया रैंक 192 है। यदि ओबीसी की बात की जाए तो आठ विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की है।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता से ही भारत के गांवों को आदर्श बनाया जा सकता

कुरुक्षेत्र। लेखा एवं सह कार्यक्रम पर्यवेक्षक कांता देवी ने कहा कि वर्तमान में पर्यावरण प्रदूषण का मुख्य घटक प्लास्टिक है। जनता को जागरूक करने के लिए उन्होंने इसकी शुरूआत पहले अपने घर से, गली से, मुहल्ले से, अपने कार्यालय से, अपने गांवों से करने को कहा है। वे गांव पिपली खंड के गांव बजीदपुर में नेहरू युवा केंद्र सम्बंधित खेल एवं युवा मामले मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में चल रहे क्लीन इंडिया कार्यक्रम के तहत राजकीय माध्यमिक स्कूल बजीदपुर में बच्चों को संबोधित कर रही थी। मुख्याध्यापिका अनुराधा शर्मा ने कहा कि हमें सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा करकट नहीं डालना चाहिए। इस अवसर पर स्वंयसेवकों ने गांव में डोर टू डोर कैंपेन चलाकर सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया व सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्रित की। अभियान में ग्राम पंचायत बजीदपुर, ग्रामीण युवा विकास मंडल बजीदपुर, सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट विद्यालय स्टाफ का भरपूर योगदान रहा। इस मौके पर लेखा सह कार्यक्रम सहायक कांता देवी, ट्रस्ट के अध्यक्ष जरनैल सिंह, अध्यापिका स्नेहलता, अरुणा, पीटीआई मनोज, समाजसेवी वीरेंद्र रॉय, युवा लीडर सुरेश सैनी, गुरमीत, सुखचैन, संतरो देवी, प्रियंका आदि मौजूद रहे।

आमजन वैक्सीनेशन करवा कर प्रशासन का करे सहयोग

कुरुक्षेत्र। अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी ने कहा कि सरकार, प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा जागरुकता अभियानों के तहत आमजन को कोविड-19 से बचाव व वैक्सीनेशन करवाने के लिए निरंतर जागरुक किया जा रहा है। इसलिए आमजन भी जागरुक रहकर कोविड गाइड लाइंस की पालना करें और वैक्सीनेशन करवाकर कोरोना महामारी जैसी भयंकर बीमारी को मात देने में प्रशासन व सरकार का सहयोग करें। एडीसी अखिल पिलानी ने बातचीत करते हुए कहा कि कोरोना महामारी की तीसरी लहर को पनपने से रोकने का एकमात्र जरिया कोविड वैक्सीनेशन ही है। जिन लोगों ने वैक्सीन की पहली डोज लगवा ली है, वे अगले डोज को अपने निर्धारित शैडयूल के तहत अवश्य लगवाएं। कोरोना वैक्सीन व्यक्ति के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में बहुत ही कारगर है। जिस व्यक्ति का इम्यून सिस्टम सही प्रकार से कार्य कर रहा है, उसके लिए किसी भी बीमारी से निजात पाना मुश्किल नहीं है। कोरोना महामारी की सम्भावित तीसरी लहर से बचाव हेतु आमजन जागरुक रहे तथा कोविड वैक्सीनेशन करवा कर स्वयं को समय रहते सुरक्षित करें।

त्योहारी सीजन में साइबर ठगों से सतर्क रहने की जरूरत

थानेसर। डिजिटल दौर में लोगों को आनलाइन शॉपिंग ज्यादा पसंद आ रही है ऐसे ही लोग साइबर ठगों का सॉफ्ट टारगेट बन रहे हैं। साइबर ठगों द्वारा ऑनलाइन शॉपिंग, बैंक ट्रांजैक्शन से लेकर ऑनलाइन बिलिंग तक पर नजर रखी जा रही है। त्योहारी सीजन में लोगों को ज्यादा ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। इस समय ऑनलाइन खरीदारी में समझदारी की जरूरत है। सतर्कता ना बरतने पर साइबर ठग आपके खाते को हैक करके आपके बैंक से पैसे भी ट्रांसफर कर सकते हैं। इस त्योहारी सीजन में ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। बिना सावधानी बरते ऑनलाइन बिल पेमेंट करने या किसी ई-कॉमर्स साइट से गजट खरीदने और एटीएम से कैश निकालने पर ठगी का शिकार हो सकते हैं। साईबर अपराध यूनिट इंचार्ज निरीक्षक विक्रम सिंह मान ने कहा कि किसी भी वेबसाइट पर खरीदारी करने से पहले उसका डोमेन नेम जरूर चेक करना चाहिए। यह देखना भी जरूरी है कि यूआरएल में एचटीटीपीएस हो ना कि खाली एचटीटीपी। इसके बाद साइट की स्पेलिंग चेक करनी चाहिए ताकि डोमेन का नाम पता चल सके। जिस कंपनी से सामान ले रहे हैं उसकी प्रोडक्ट इंश्योरेंस सर्विस लेनी चाहिए। ऑनलाइन भुगतान से बचना चाहिए कैश ऑन डिलीवरी का विकल्प लेना चाहिए।

उदयन केयर आईटी सेंटर में 40 छात्राओं को देंगे नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण

कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण व छात्राएं।

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

उदयन केयर आईटी सेंटर में एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि फिनिक्स के मेंबर व इंजीनियर दीपक व उदयन केयर संस्था की संयोजिका डॉ सुषमा शर्मा रही। डॉ सुषमा शर्मा ने उदयन केयर संस्था के मूल्यों पर चर्चा की।

उन्होंने सभी शालिनीयों को संबोधित किया और बताया कि इन मूल्यों को अपने जीवन में उतारे। आईटी ट्रेनर गीतांजलि ने सभी शालिनीयों को उदयन केयर में चलाए जा रहे सभी आईटी कोर्स इसके बारे में बताया जिनकी अवधि मात्र 6 महीने व 3 महीने की है। सभी शालिनीयों को यहां कंप्यूटर कोर्स की शिक्षा नि:शुल्क दी जाएगी। साथ ही साथ कम्युनिकेशन स्किल्स के लिए इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स भी नि:शुल्क कराया जाएगा। आईटी सेंटर में विभिन्न प्रकार के कोर्स चलाए जाते हैं जैसे कि डीसीए, सिटीएसपी को उपलब्ध कराए जाएंगे।

अब तीर्थ यात्री दोबारा कर सकेंगे 48 कोस के 16 तीर्थ स्थलों की यात्रा

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने कहा कि कोरोना काल के बाद अब कुरुक्षेत्र 48 कोस के 16 तीर्थों के लिए 48 कोस तीर्थ परिक्रमा बस सेवा को शुरू कर दिया गया है।

वे शनिवार को ब्रह्मसरोवर केडीबी कार्यालय के समक्ष 48 कोस तीर्थ परिक्रमा बस सेवा का दोबारा शुभांरभ करने के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले केडीबी के मानद सचिव मदन मोहन छाबड़ा ने तीर्थ बस सेवा को हरी झंड़ी देकर रवाना किया। यह बस सुबह 9 बजे ब्रह्मसरोवर कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के कार्यालय के सामने से चलेगी और रंतुक यक्ष बीड़ पिपली, अभिमन्यू का चक्र स्थल, अमीन, बाणगंगा दयालपुर, कौलतारण तीर्थ किरमच, कामन्यक तीर्थ कमौदा, शालीहोत्रा तीर्थ सारसा, सरस्वती तीर्थ पिहोवा, भौर सैयदां तीर्थ, ज्योतिसर तीर्थ, भीष्म कुंड नरकातारी, मां भ्रदकाली मंदिर पहुंचेंगी।

मोदी, अमित शाह, सीएम खट्टर और योगी के दहन किए पुतले

संयुक्त किसान मोर्चे के नेताओं ने पुतला दहन कर की नारेबाजी

पायनियर समाचार सेवा। कैथल

कैथल में पुतले फूंकते संयुक्त किसान मोर्चे के पदाधिकारी।

भाजपा की मोदी सरकार द्वारा लखीमपुर खीरी जिले में बेदर्दी से मरवाए गए पांच किसान व एक पत्रकार, बसताडा टोल पर मारे गए काजल, काले कानून रद्द न करने, एमएसपी की गारंटी न देने, बेतहाशा महंगाई, भ्रष्टाचार, किसानों के धान डीएपी खाद की लूट व काला बाजारी करने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री खट्टर, योगी, अमित शाह व केन्द्रीय राज्य गृहमंत्री के अंहकार के प्रतीकात्मक पुतले फूंके। इनके तानाशाही रवैये व रावण रूपी घमंड के खिलाफ संयुक्त किसान मोर्चे के आह्वान पर संयुक्त किसान मोर्चे के नेता भरत सिंह बैनीवाल, कामरेड प्रेमचंद, डा अश्वनी हत्वाल व किसान सभा के नेता महेन्द्र सिंह की अगुवाई में इन बीजेपी के पांचों नेताओं के न्यू छोटू राम चौक करनाल रोड पर पुतले फूंकने से पूर्व भर्त्सना की। भाजपा सरकार तथा प्रधान मंत्री इत्यादि नेताओं के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

खरीद एजेंसियों ने की 6 लाख 35 हजार 359 मीट्रिक टन धान खरीदा

थानेसर अनाज मंडी में लगी धान की ढेरियां।

पायनियर समार सेवा। कुरुक्षेत्र

जिला कुरुक्षेत्र की मंडियों व खरीद केन्द्रों में 15 अक्टूबर तक खरीद एजेंसियों ने 6 लाख 35 हजार 359 मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसमें से फूड एंड सप्लाई ने 487402 एमटी, हैफेड ने 147741 एमटी और एफसीआई ने 216 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। अब तक खरीदी गई धान में से मंडियों से 405668 मीट्रिक टन धान का उठान कार्य पूरा कर लिया गया है। अहम पहलू यह है कि अब तक कुल 78196 किसानों की धान की फसल खरीदी जा चुकी है।

उपायुक्त मुकुल कुमार ने कहा कि जिले में खरीद केन्द्रों पर धान की खरीद का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। उन्होंने कहा कि जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक की रिपोर्ट के आधार पर जिला कुरुक्षेत्र के अजराना कलां मंडी में 3288, बाबैन मंडी में 41140 एमटी, भौर सैयदां में 1576 एमटी, चढ़ुनी जाटान में 2139 एमटी, गुमथला गढ़ु में 18540 एमटी, इस्माईलाबाद में 74930 एमटी, झांसा में 18052 एमटी, कुरुक्षेत्र मंडी में 119384 एमटी, लाडवा मंडी में 75928 एमटी, लुखी मंडी में 189 एमटी, मलिकपुर मंडी में 2471 एमटी, नलवी मंडी में 3902 एमटी, पिपली मंडी में 38010 एमटी, पिहोवा मंडी में 112085 एमटी, शाहबाद मंडी में 102019 एमटी, ठोल मंडी में 18683 एमटी, थाना में 3023 एमटी धान की फसल खरीद एजेंसियों द्वारा खरीदा गया है। अब तक खरीदी गई कुल 635359 एमटी धान में से 405668 एमटी धान का उठान कार्य पूरा कर लिया गया है।

बाबा बंदा सिंह बहादुर की प्रतिमा के प्लेटफार्म का हुआ शिलान्यास

शहीद स्मारक स्थल पर दसवें वंशज जितेन्द्र पाल सोढी ने रखी आधारशिला

कहा, बंदा सिंह बहादुर के कौम के लिए दिए बलिदान पर हम सब हैं नतमस्तक

पायनियर सामचार सेवा। कैथल

महा बलिदानी बाबा बंदा सिंह बहादुर की हरियाणा शहीद स्मारक स्थल पर लगाई जाने वाली प्रतिमा के प्लेटफार्म का शिलान्यास बाबा बंदा बहादुर संप्रदाय के गद्दी नशीन बाबा जितेंद्र पाल सोढ़ी ने किया।

इस अवसर पर बाबा बंदा बहादुर संप्रदाय के अखिल भारतीय संयोजक शिव शंकर पाहवा सहित पंजाबी साहित्य अकादमी हरियाणा के उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह धमीजा व सेवा संघ तथा बंदई परिवार के प्रदेशभर से आए हुए सम्मानित सदस्य मौजूद रहे। सेवा पंथी आश्रम के महंत हरीश शास्त्री के सानिध्य में किए गए शिलान्यास के उपरांत बाबा जितेंद्र पाल सोढ़ी ने अपने प्रवचनों में कहा कि हरियाणा शहीद स्मारक जहां प्रदेश के सभी जिलों के उन शहीदों के नाम की पट्टिकाए लगी हैं, जिन्होंने 1947 के बाद 1962 भारत चीन युद्ध 1965 तथा 1971 भारत पाक युद्ध के साथ-साथ कारगिल युद्ध में देश की अस्मिता की रक्षा करते हुए अपनी जान कुर्बान की थी। उन्होंने कहा की महा बलिदानी बाबा बंदा सिंह बहादुर की प्रतिमा ऐसे स्थल पर लगाना वास्तव में उनकी शहादत के प्रति सच्चे मन से नतमस्तक होना है। उन्होंने कहा कि बाबा बंदा सिंह बहादुर ने कौम की रक्षा करते हुए मुगलों द्वारा किए गए अत्याचार की इंतहा को सहन करते हुए अपने धर्म की रक्षा की थी। ऐसे महा बलिदानी भारतवर्ष के इतिहास में स्वर्णिम स्थान रखते हैं। उन्होंने यह भी कहा अट्ठारह सौ सत्तावन मे स्वतंत्रता संग्राम शुरू हुआ, लेकिन उससे पहले देश के लिए जो कुर्बानियां गुरु गोविंद सिंह के साहबजादे तथा बाबा बंदा बहादुर बंदा सिंह बहादुर ने दी थी, वह शहादत का शिलालेख बन गई।

महंत हरीश शास्त्री शिलान्यास करते हुए।

महंत हरीश शास्त्री ने अपने आशिर वचनों में बाबा बंदा बहादुर की शहादत को नमन किया। उपस्थित जनसमूह को देश के लिए मर मिटने का जज्बा अपने भीतर पैदा करके बाबा बंदा सिंह के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया। अखिल भारतीय संयोजक शिव शंकर पाहवा ने बाबा बंदा बहादुर के जन्म से लेकर उनके गुरु गोबिंद सिंह के साथ मिलने व उसके बाद के सभी संस्मरणों का विस्तार से उल्लेख किया। उन पर हुए मुगलों के अत्याचार का भी उन्होंने जिक्र करते हुए कहा कि, धर्म परिवर्तन के लिए उनके ऊपर किए गए बेइंतहा अत्याचार असहनीय थे, लेकिन बाबा बंदा बंदा बहादुर ने इसकी परवाह न करते हुए अपने धर्म पर अड़े रहे और आखिरकार कौम की रक्षा के लिए बलिदान हो गए।

पंजाबी साहित्य अकादमी हरियाणा के उपाध्यक्ष गुरविंदर सिंह धमीजा ने बाबा बंदा बहादुर संप्रदाय द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया तथा लोहागढ़ में किए जा रहे निर्माण कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। इस अवसर पर बंदई परिवार वह सेवा संघ संस्था के सभी पदाधिकारी व सदस्यों के अलावा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों में पंजाबी सेवा सदन के प्रधान प्रदर्शन परुथी, पंजाबी वेलफेयर सभा के प्रधान राजकुमार मखीजा, शिव वाटिका के प्रधान कृष्ण नारंग, तुलसी मदान के इलावा बाहर से आए हुए बंदा बहादुर संप्रदाय के सदस्यों में पुनीत सचदेवा, अनिल व्याना, संदीप गावड़ी, गुरदीप मच्छकड़, जतिन चुघ के साथ स्थानीय सदस्यों में प्रकाश नारंग,जरनैल सिंह, महेन्द्र खन्ना, चन्द्र मलिक, अशोक भारती, बीबी सतीजा, अरविन्द चावला, मदन खुरानी, गुरदीप सिंह, गुरचरण सिंह, मनजीत सिंह, नरेन्द्र सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

सुकवि-संवाद

सुकवि डॉ.एस.एन.भारद्वाज 'अश्क'
कवि, लेखक एवं वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार
विश्व भारती शिक्षण संस्थान समूह,
बल्लभगढ़, फरीदाबाद M: 9871666627

छोटा - बड़ा

रूखे सूखे वृक्ष गर्व से व्यर्थ तने रह जाते है
फल फूलों से लदे पेड़ तो झुक कर शीश नवाते हैं
कितने ओछे हैं वो इन्सां जो अपने को बड़ा कहें
जो खुद को छोटा कहते हैं वही बड़े कहलाते हैं

सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने उनके कबड्डी खेलने का वीडियो बनाने वाले शख्स को बताया रावण

कहा, संतों से टकराने वाले व्यक्ति का बुढ़ापा और अगला जन्म हो जाता है खराब

एजेंसी। भोपाल

भोपाल लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने उनके कबड्डी खेलने का वीडियो बनाने वाले व्यक्ति को रावण करार दिया। कहा कि संतों से टकराने वाले व्यक्ति का बुढ़ापा और अगला जन्म खराब हो जाता है।

हाल में सोशल मीडिया पर प्रज्ञा का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वह कथित तौर पर कबड्डी खेलते दिख रही हैं। शुक्रवार रात को भोपाल के सिंधी समुदाय बहुल उप नगर संत नगर में दशहरा कार्यक्रम के दौरान प्रज्ञा ने कहा, परसों मैं आरती के लिए गई, वहां ग्राउंड में सामने खिलाड़ी थे। उन्होंने मुझे बुलाया, बोले दीदी एक बार आप राइड डाल दीजिए। मैं जब कबड्डी बोलने गई और वापस आई तो वो छोटा सा सीन वीडियो में डल गया और इसे सोशल मीडिया पर डाल दिया।

सांसद ने कहा, यह आप लोगों के बीच का कोई रावण है। मेरा कोई बड़ा वाला दुश्मन है। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से उसके संस्कार बिगड़ गए हैं और जिसके संस्कार बिगड़ गए हैं, मैं कहती हूं, अब सुधर

जाओ, नहीं तो बुढ़ापा और आने वाला जन्म भी बिगड़ जाएगा क्योंकि राष्ट्रभक्त, क्रांतिकारी और ऊपर से संत, इनसे जब भी कोई टकराया है, ना रावण बचा है, ना कंस बचा, न ही वर्तमान के अधर्मी, विधर्मी बचेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी तपस्या और ध्यान जनता के लिए है।

वीडियो में प्रज्ञा एक काली मंदिर परिसर में कथित तौर पर कबड्डी खेलती दिख रही हैं। इससे पहले एक वीडियो में वह गरबा नृत्य करते दिखी थीं। वर्ष 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में प्रज्ञा को चिकित्सा के आधार पर जमानत मिली है तथा लंबे समय से वह व्हीलचेयर पर हैं।

सांसद का बचाव करते हुए उनकी बड़ी बहन उपमा ठाकुर ने बताया कि सांसद रीढ़ की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं।

उन्होंने कहा, आप नहीं जानते कि किस क्षण प्रज्ञा के लिए यह समस्या पैदा कर सकता है। उसकी एल-4 और एल-5 (रीढ़ की हड्डी) विस्थापित होने से यह समस्या हुई है क्योंकि आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), महाराष्ट्र के जांचकर्ताओं ने प्रज्ञा को फर्श पर पटक दिया था। उपमा ने कहा, जब भी प्रज्ञा को ये समस्या होती है तो उसके शरीर का निचला हिस्सा संवेदनशून्य हो जाता है... यह तब भी हो सकता है, जब वह बैठती है या किसी वाहन से उतरती है। वहीं, कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के नेताओं ने प्रज्ञा ठाकुर पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके कई चेहरे हैं, कभी वह व्हीलचेयर पर दिखाई देती हैं तो कभी गरबा और कबड्डी खेलती हैं।

मालेगांव विस्फोट में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई थी। मामले में 51 वर्षीय भाजपा सांसद जमानत पर हैं और उन्होंने अपनी शारीरिक स्थिति का हवाला देते हुए निचली अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी थी। वह लगभग नौ साल तक जेल में रहीं और 2017 में उन्हें जमानत मिली।

मैं हूं कांग्रेस की पूर्णकालिक अध्यक्ष

मुझसे मीडिया के जरिए बात नहीं करें : सोनिया गांधी

सोनिया ने सिब्बल समेत जी-23 के नेताओं को बयानबाजी पर लिया निशाने पर

सोनिया ने आरोप लगाया, मोदी सरकार का एक सूत्री एजेंडा बेचो, बेचो और बेचो है

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कपिल सिब्बल समेत जी 23 समूह के कुछ नेताओं की ओर से पिछले दिनों सार्वजनिक रूप से बयान दिए जाने की पृष्ठभूमि में शनिवार को उन्हें निशाने पर लिया। नसीहत देते हुए कहा कि वह ही पार्टी की स्थाई अध्यक्ष हैं। उनसे बात करने के लिए मीडिया का सहारा लेने की जरूरत नहीं है।

उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह भी बताया कि अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 30 जून तक पूरी की जानी थी, लेकिन कोरोना महामारी के कारण ही इसे टालना पड़ा तथा अब इसकी रूपरेखा पेश की जाएगी। सोनिया गांधी ने किसान आंदोलन, लखीमपुर खीरी हिंसा, महंगाई, विदेश नीति और चीन की आक्रामकता के मुद्दों को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आगामी विधानसभा चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा, हमारे सामने कई चुनौतियां आएंगी, लेकिन अगर हम एकजुट रहते हैं एवं अनुशासित रहते हैं और सिर्फ पार्टी के हित पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो मुझे पूरा विश्वास है कि हम अच्छा करेंगे। सोनिया गांधी ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

उन्होंने संगठानात्मक चुनाव का हवाला देते हुए कहा, पूरा संगठन चाहता है कि कांग्रेस फिर से मजबूत हो। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि एकजुटता हो और पार्टी के हित को सर्वोच्च रखा जाए। इन सबसे ऊपर आत्मनियंत्रण और अनुशासन की जरूरत है। कांग्रेस अध्यक्ष ने जोर देकर कहा, अगर आप मुझे बोलने की इजाजत दें तो मैं पूर्णकालिक और सक्रिय अध्यक्ष हूं...पिछले दो वर्षों में कई साथियों और खासकर युवा नेताओं ने नेतृत्व करने की जिम्मेदारी उठाई है और पार्टी की नीतियों को लोगों तक लेकर गए हैं। उन्होंने जी-23 नेताओं को नसीहत देते हुए कहा, मैंने सदा स्पष्टवादिता की सराहना की है। मुझसे मीडिया के जरिए बात करने की जरूरत नहीं है। इसलिए हम सभी यहां खुली और ईमानदार चर्चा करते हैं लेकिन इस चहारदीवारी से बाहर जो बात जाए वो सीडब्ल्यूसी का सामूहिक फैसला होना चाहिए। सोनिया ने जम्मू-कश्मरीर में पिछले दिनों कई अल्पसंख्यकों की हुई हत्या की निंदा की और कहा कि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाने और इस केंद्रशासित प्रदेश में शांति एवं सौहार्द बहाल करने की जिम्मेदारी केंद्र की है। उन्होंने लखीमपुर खीरी की घटना का हवाला देते हुए कहा कि इससे किसान आंदोलन को लेकर भाजपा की सोच का पता चलता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने संसद से जो तीन काले कानून पारित करवाएं हैं वो कुछ उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने वाले हैं। उन्होंने अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह सरकार अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने का सिर्फ एक ही उपाय जानती है और यह है उन राष्ट्रीय संपत्तियों को बेचना है जिनको बनाने में दशकों का समय लगा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार केलिए विदेश नीति चुनावी माहौल बनाने और ध्रुवीकरण का एक औजार बनकर रह गई है। सीमा पर चीन की आक्रामक्ता का उल्लेख करते हुए सोनिया ने कहा, प्रधानमंत्री ने पिछले साल विपक्षी नेताओं से कहा था कि चीन ने हमारी सीमा के भीतर कोई कब्जा नहीं किया है और इसके बाद से उन्होंने जो चुप्पी साधी है उसकी कीमत देश चुका रहा है।

लोगों के जीवन पर असहनीय बोझ पड़ रहा है :सोनिया

सोनिया ने आरोप लगाया, मोदी सरकार का एक सूत्री एजेंडा बेचो, बेचो और बेचो है...देश में किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि पेट्रोल की कीमत 100 रुपये प्रति लीटर, गैस सिलेंडर का दाम 900 रुपये और खाने के तेल की कीमत 200 रुपये के पार चली जाएगी। इससे लोगों के जीवन पर असहनीय बोझ पड़ रहा है। उनके मुताबिक, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों की मांग के बाद टीकाकरण नीति में बदलाव किया और सहकारी संघवाद आज भी भाजपा सरकार के लिए सिर्फ एक नारा मात्र है। विदेश नीति के मुद्दे को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए सोनिया ने कहा, देश में विदेश नीति को लेकर हमेशा एक व्यापक सहमति रही है, लेकिन मोदी सरकार ने विपक्ष को सार्थक ढंग से साथ लेने का प्रयास नहीं किया। जिससे इससे यह सहमति कमजोर हुई है।

जरूरत पड़ने पर नवसृजित सात रक्षा कंपनियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी : राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

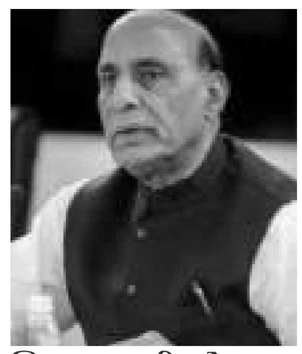

विजय दशमी को इन नई कंपनियों को किया गया है राष्ट्र को समर्पित

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ववर्ती आर्डीनेंस फैक्टरी बोर्ड (ओएफबी) को भंग कर सृजित किए गए सात नए रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों को शुरूआत में जरूरत पड़ने पर सरकार वित्तीय और गैर वित्तीय माध्यमों से सहायता उपलब्ध कराएगी। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इन कंपनियों ने एक अक्टूबर से काम करना शुरू कर दिया है। विजय दशमी के अवसर पर इन नई कंपनियों को राष्ट्र को समर्पित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि ए सात नई कंपनियां आने वाले समय में देश की सैन्य ताकत के लिए एक मजबूत बुनियाद बनाएंगी। अपने वीडियो संबोधन में मोदी ने इस बात का जिक्र किया कि विजय दशमी के अवसर पर इस दिन शस्त्र पूजा करने की परंपरा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने कहा, भारत में हम शक्ति को सृजन का माध्यम मानते हैं। इस भावना के साथ देश और मजबूत होने की दिशा में बढ़ रहा है।

ओएफबी को सात रक्षा कंपनियों में तब्दील करने के फैसले का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि यह कदम रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के सरकार के संकल्प को प्रदर्शित करता है। उन्होंने कहा कि सुधार उपाय इन कंपनियों को स्वायत्तता उपलब्ध कराएंगे और जवाबदेही तथा प्रभाव क्षमता बेहतर होगी। सिंह ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में ये नई कंपनियां रक्षा विनिर्माण माहौल में न सिर्फ अहम भूमिका निभाएंगी, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास का इंजन भी बनेंगी।

सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्रालय ने वैमानिकी और रक्षा सामग्री एवं सेवा क्षेत्र में 2024 तक 1.75 लाख करोड़ रुपए के टर्नओवर हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग ऑफ द सोसाइटी के प्रमुख जयंत पाटिल ने सात नई कंपनियां सृजित करने के कदम का स्वागत किया।

सात नई कंपनियां-म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल), आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (अवनी), एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (एडब्ल्यूई इंडिया), ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल), यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल), इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) और ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) हैं।

कोविड और फ्लू: सर्दियों में कितना बड़ा खतरा बन सकते हैं?

एजेंसी। नॉर्विच

सर्दियों में चिंता का सबसे बड़ा कारण है कोविड और फ्लू का प्रकोप पुनः शुरू होना

ब्रिटेन को छोड़कर ज्यादातर पश्चिमी देशों में कोरोना वायरस संक्रमण या तो कम है या घट रहा है लेकिन वैश्विक महामारी का खतरा पूरी तरह से दूर होने से पहले अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। सर्दियों के इस मौसम में चिंता का सबसे बड़ा विषय है कोविड का प्रकोप पुन: शुरू होना और उसके साथ-साथ श्वसन तंत्र के अन्य रोगों खासकर इन्फ्लूएंजा का और मजबूती से हमला करना।

कोविड और इन्फ्लूएंजा के लिए प्रतिरक्षा तंत्र की प्रतिक्रिया कमोबेश समान होती है। हाल में हुआ संक्रमण या टीकाकरण आगे किसी संक्रमण के खिलाफ अच्छा बचाव करते हैं लेकिन यह बचाव धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। हालांकि इनके बाद पुन: होने वाला संक्रमण या तो लक्षण रहित होता है या फिर बहुत ही मामूली होता है, लेकिन प्रतिरक्षा विकसित होने और फिर से संक्रमण होने के बीच का अंतराल यदि लंबा हो तो पुन: होने वाले संक्रमण के गंभीर होने की आशंका रहती है।

दरअसल चिंता की बात यह है कि कोविड को फैलने से रोकने के लिए 2020 की शुरुआत से उठाए गए कदमों जैसे कि लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध और घर से काम करना आदि के कारण बीते 18 महीने के दौरान लोग फ्लू के संपर्क में ज्यादा नहीं आए। ऐसे में लोगों में इस रोग के खिलाफ जो प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता होती है वह कम हो गई है।

इन हालात में जब फ्लू का प्रकोप शुरू होगा तो यह अधिकाधिक लोगों को प्रभावित करेगा और सामान्य परिस्थितियों के मुकाबले अब लोगों को गंभीर रूप से बीमार करेगा। ऐसा ही, श्वसन तंत्र को प्रभावित करने वाले अन्य वायरस भी करेंगे।

गुजरात: एक ट्यूशन सेंटर में मिले आठ विद्यार्थी कोरोना संक्रमित

सूरत। गुजरात के सूरत शहर के एक ट्यूशन सेंटर के आठ विद्यार्थी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए।

एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उप नगर आयुक्त (स्वास्थ्य) आशीष नाइक ने बताया कि नियमित कक्षा में आने वाला एक विद्यार्थी सात अक्टूबर को संक्रमित पाया गया था, जिसके बाद सभी 125 बच्चों की जांच की गई। इनमें से सात संक्रमित पाए गए। उन्होंने बताया कि एहतियात के तौर पर ट्यूशन केंद्र को बंद कर दिया गया है। अक्टूबर में शहर में दूसरी बार किसी शिक्षण संस्थान से संक्रमण के मामले सामने आए हैं। इस महीने एक निजी विद्यालय के कुछ छात्रों में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उसे अस्थाई तौर पर बंद कर दिया गया। सूरत में अब तक संक्रमण के 1,11,669 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 1,09,975 संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.48 फीसदी है। नगर निगम द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार शहर में अब तक 1,629 लोगों की कोविड-19 से मौत हुई है।

उत्तराखंड के केदारनाथ जाएंगे पांच नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

250 करोड़ रुपये की केदारपुरी पुनर्निर्माण परियोजनाओं की करेंगे शुरुआत

एजेंसी। देहरादून

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच नवंबर को केदारनाथ जाकर पूजा करेंगे और 250 करोड़ रुपये की केदारपुरी पुनर्निर्माण परियोजनाओं की शुरुआत करेंगे। एक महीने के भीतर राज्य का यह उनका दूसरा दौरा होगा।

प्रधानमंत्री सात अक्टूबर को ऋषिकेश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गए थे और वहां एक ऑक्सीजन संयंत्र का उद्घाटन किया था। अगले महीने होने वाली मोदी की केदारनाथ यात्रा की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री केदारनाथ मंदिर के दर्शन करने के अलावा 250

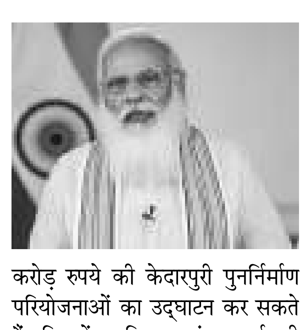

करोड़ रुपये की केदारपुरी पुनर्निर्माण परियोजनाओं का उद्घाटन कर सकते हैं, जिसमें आदि गुरु शंकराचार्य की समाधि से संबंधित परियोजना भी शामिल है। धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री केदारपुरी पुनर्निर्माण के दूसरे चरण की परियोजनाओं की आधारशिला भी रख सकते हैं, जिनपर 150 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। साल 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी कई बार केदारनाथ आ चुके हैं। वह पिछले साल कोविड-19 महामारी के कारण केदारनाथ नहीं आ सके थे।

महामारी से उत्पन्न स्थिति अपेक्षाकृत नियंत्रण में होने के बाद अब उनके मंदिर आने की अटकलें लगाई जा रही थीं। प्रधानमंत्री केदारपुरी पुनर्निर्माण परियोजनाओं की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने नवीन पटनायक को दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को उनके 75वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। बीजू जनता दल के प्रमुख पटनायक 2000 से ही पूर्वी राज्य ओडिशा के मुख्यमंत्री हैं और वह लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर रहने वाले मुख्यमंत्रियों में से एक हैं। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए कहा, श्री नवीन पटनायक जी जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि वह लोगों की सेवा के लिए दीर्घायु हों और स्वस्थ रहें।

गवाहों के बयान दर्ज कराने में देरी के चलते गवाही अस्वीकार नहीं की जानी चाहिए

सरकारी वकील ने अपना पक्ष रखते हुए कहा,आरोपियों के आतंक के चलते भाग गए थे गवाह, इससे हुई देरी

न्यायमूर्ति यूयू ललित न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने दी व्यवस्था

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने हत्या के एक मामले में चार लोगों की दोष सिद्धि को चुनौती देने वाली उनकी अपील को अस्वीकार करते हुए कहा है कि महज प्रत्यक्षदर्शियों के बयान रिकॉर्ड करने में विलंब के कारण उनकी गवाही को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति यूयू ललित, न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट्ट और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने कहा कि उपलब्ध सामग्री निश्चित रूप से इस बात को स्थापित करती है कि आरोपी व्यक्तियों ने भय पैदा किया।

न्यायमूर्ति यूयू ललित की अध्यक्षता वाली इस पीठ ने कहा, यह सच है कि संबंधित प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने में

कुछ विलंब हुआ है, लेकिन केवल इस आधार पर उनकी गवाही को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। शीर्ष न्यायालय ने कहा कि यदि गवाह आतंकित और डरे हुए थे और कुछ समय तक वे सामने नहीं आए तो ऐसे में उनके बयान दर्ज करने में हुई देरी को समझा जा सकता है।

न्यायालय चार आरोपियों की ओर से दायर अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के उनकी अपीलों को खारिज करने और सत्र न्यायाधीश द्वारा की गई दोषसिद्धि और सजा की पुष्टि करने के फैसले को चुनौती दी थी।

अपीलकर्ताओं के वकील ने न्यायालय को दो प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही के बारे में सूचित किया था। कहा था कि उनके बयानों को दर्ज करने में हुआ विलंब इस मामले में अभियोजन पक्ष के लिए नुकसानदायक होगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि गवाहों के बयान दर्ज करने में देरी क्यों हुई। वकील ने कहा कि दो प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही के अलावा अपीलकर्ताओं के अपराध को साबित करने के लिए रिकॉर्ड में कुछ और नहीं है। इस पर, सरकारी वकील ने कहा कि आरोपियों का आतंक इस कदर था कि गवाह भाग गए थे और वे जांच अधिकारियों द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी समेत अन्य कदम उठाए जाने के बाद ही सामने आए।

संक्षिप्त समाचार

जलवायु वित्तपोषण है चिंता का विषय : सीतारमण

वाशिंगटन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां कहा कि जलवायु वित्तपोषण चिंता का विषय बना हुआ है। सीतारमण ने वित्त पोषण तंत्र और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को लेकर भी चिंता जताई।यहां अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठकों के समापन के बाद सीतारमण ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि सीओपी 21 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) के मद्देजनर 100 अरब डॉलर प्रतिवर्ष की प्रतिबद्धता कैसे जताई गई है। सीतारमण ने कहा, मेरी तरफ से मैंने एक यह विषय उठाया और कई लोग इस बात का संज्ञान लेते हैं कि हमें वास्तव में यह नहीं पता कि यह आकलन करने के लिए कोई उपाय किए गए हैं या नहीं कि किसी परियोजना विशेष पर यदि कोई धन खर्च करता है तो क्या वह उसी 100 अरब डॉलर राशि का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा, 100 अरब डॉलर में क्या-क्या शामिल है? हम कैसे पता लगाएंगे कि वास्तव में 100 अरब डॉलर दिए गए हैं या उसमें से कुछ राशि ही दी गई है? इसलिए 100 अरब डॉलर प्रति वर्ष आ रहे हैं या नहीं, केवल यही मुद्दा नहीं है। एक विषय यह भी है कि हम कैसे आकलन करेंगे कि ये वास्तव में आ रहे हैं या नहीं। सीतारमण ने कहा कि आईएमएफ और विश्व बैंक दोनों की बैठकों में शामिल कई प्रतिभागियों ने इस विषय को उठाया। उन्होंने कहा, इसलिए धनराशि भी कई देशों के लिए उतनी ही चिंता का विषय बनी हुई है जितनी चिंता प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की है। उन्होंने कहा, धनराशि की तरह ही क्या हमें पता है कि हम किस प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की बात कर रहे हैं? क्या हम जानते हैं कि वो कौन सी चीजें हैं जिन पर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और उसकी चर्चा में विचार किया जाना है। वित्त मंत्री ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि उनका यह दृष्टिकोण उनके असंतोष को नहीं झलकाता है।

यूपी में बिना अनुमति आसाराम की पूजा करने पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर । दुष्कर्म के आरोप में जेल में बंद आसाराम की पूजा कर रहे उसके अनुयायियों के विरुद्ध भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता की शिकायत पर पुलिस ने कार्यक्रम को बंद कराकर पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार ने शनिवार को बताया कि अनुयाई दशहरा के उपलक्ष में थाना कांट स्थित कस्बे में शुक्रवार शाम टेंट लगाकर आसाराम की पूजा अर्चना कर उनकी आरती उतार रहे थे। इसी बीच सूचना पाकर वहां पहुंचे भाजपा नेता संतोष दीक्षित ने कार्यक्रम को बंद करने को कहा। उन्होंने बताया कि इसके बाद भी जब अनुयाई नहीं माने तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने पहुंचकर कार्यक्रम बंद करवाया तथा मुख्य आयोजनकर्ता राजकुमार, राकेश, सुनील, चंदन दास तथा दक्ष मुनि के अलावा कुछ अज्ञात अनुयायियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। कुमार ने बताया कि जिले में त्योहारों के मद्देनजर धारा 144 लागू है। ऐसे में किसी भी आयोजन को करने से पूर्व प्रशासन से अनुमति लेना आवश्यक है और आसाराम के अनुयाई बिना अनुमति के आयोजन कर रहे थे। शाहजहांपुर की एक लड़की से 15 अगस्त 2013 को जोधपुर स्थित आश्रम में आसाराम ने दुष्कर्म किया था, यह लड़की आसाराम के आश्रम में पढ़ती थी। घटना के बाद आसाराम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था।

भारत-श्रीलंका का संयुक्त सैन्य अभ्यास तालमेल बढ़ाएगा

कोलंबो। भारत और श्रीलंका का 12 दिनों का संयुक्त सैन्य अभ्यास द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के अलावा दोनों सशस्त्र बलों के बीच तालमेल एवं पारस्परिकता को और अधिक बढ़ाएगा। भारतीय थल सेना ने एक ट्वीट में कहा कि भारतीय और श्रीलंकाई थल सेनाओं के बीच सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति 21 श्रीलंका के पूर्वी जिले अंपारा में संपन्न हो गया। यह 12 दिवसीय सैन्य अभ्यास चार अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक चला, जिसमें आतंक रोधी सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया। सेना ने कहा, सशस्त्र बलों के बीच तालमेल और पारस्परिकता बढ़ाने के अलावा, अभ्यास ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने में भी मदद की। शुक्रवार को सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे अभ्यास के समापन के अवसर पर मौजूद थे। वह श्रीलंका के अपने समकक्ष जनरल शावेंद्र सिल्वा के न्योते पर चार दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे थे।

बिजली तार की चपेट में आने से तीन श्रमिकों की मौत, नौ घायल

गुमला । झारखंड के गुमला जिले में बिजली के झूलते तार की चपेट में आने से दो महिलाओं समेत तीन श्रमिकों की मौत हो गई और नौ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार को डुमरटोली मोहल्ले में हुई। श्रमिक घटना के समय मिक्सचर मशीन ले जा रहे थे, तभी वह झूल रहे तार की चपेट में आ गए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दो श्रमिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य की मौत राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), रांची में शनिवार को हुई। घायलों का गुमला सदर अस्पताल और रिम्स में उपचार चल रहा है। गुमला के उपायुक्त शिशिर कुमार सिन्हा ने मृतक के परिजन के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। उप संभागीय पुलिस अधिकारी मनीष चंद्र लाल ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

महाराष्ट्र की वर्तमान सरकार सबसे भ्रष्ट: फडणवीस

नागपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शनिवार को आलोचना करते हुए कहा कि शिवसेना नीत महाविकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार राज्य के इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार है और उगाही इसका एकमात्र एजेंडा है। पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि एमवीए सरकार झूठ के सहारे सत्ता पर काबिज हुई है, साथ ही उन्होंने दावा किया कि भाजपा राज्य की नंबर एक पार्टी है। भाजपा नेता का यह बयान शिवसेना नेता के यहां वार्षिक दशहरा रैली में भाजपा के खिलाफ बयानबाजी करने के बाद आया है। फडणवीस ने यहां संवाददाताओं से कहा, ठाकरे का भाषण उनकी हताशा दिखाती है। आप भाजपा की छवि खराब करने की कोशिश कर सकते है, लेकिन पार्टी का आधार मजबूत है....आप को याद रखना चाहिए कि भाजपा राज्य की नंबर एक पार्टी है। उन्होंने कहा, आप कह रहे हैं कि जनता ने भाजपा को नकार दिया, लेकिन तथ्य यह है कि उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस को नकार दिया और आपको (शिवसेना) बढ़ावा दिया। हम जिन सीटों पर साथ मिलकर लड़े थे (2019 के विधानसभा चुनाव), उनमें से करीब 70 प्रतिशत सीटों पर भाजपा जीती थी और शिवसेना ने 45 प्रतिशत सीटें जीती थीं। इसलिए आप जनता के मतों के साथ धोखा करके सत्ता में आए।

सिंघु सीमा पर युवक की हत्या मामले में दलित संगठनों ने उठाई कड़ी सजा की मांग

एजेंसी। नई दिल्ली

15 दलित संगठनों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को सौंपा एक ज्ञापन

दिल्ली-हरियाणा की सीमा पर सिंघु स्थित किसानों के प्रदर्शन स्थल के नजदीक एक व्यक्ति की पीट-पीट कर हत्या किए जाने के मामले में करीब 15 दलित संगठनों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को एक ज्ञापन सौंपा। उन्होंने दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की।

पंजाब के तरन तारन जिले के निवासी लखबीर सिंह (35) का पुलिस बैरीकेड से बंधा शव उस मंच के पास मिला। जिसे दस महीने से प्रदर्शन कर रहे किसानों ने तैयार कर रखा है। उसके शरीर पर धारदार हथियार के वार से बने करीब 10 निशान थे। इस घटना के लिए निहंगों के एक समूह को जिम्मेदार बताया जा रहा है। अखिल भारतीय खटीक समाज, अखिल भारतीय बेरवा विकास संघ, धनक कल्याण संघ और दलित कर्मचारियों और पेशेवरों के अन्य संगठनों समेत 15 दलित सगंठनों ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष विजय सांपला को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आयोग से इस मामले की निष्पक्ष जांच होने और दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने की मांग की।

ग्रेनो से बल्लभगढ़ चंद मिनटों में पहुंचेंगे

31 किमी. की दूरी तय करने में लगता है अभी घंटो का समय, 6 लेन का हाईवे बनाने की प्रक्रिया शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा से फरीदाबाद और बल्लभगढ़ समेत हरियाणा के दूसरे इलाकों में यात्रा करने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। ग्रेटर नोएडा से बल्लभगढ़ तक 6 लेन हाईवे बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके बनने से ग्रेटर नोएडा से बल्लभगढ़ चंद मिनटों में पहुंचा जा सकेगा। अब तक शहर से बल्लभगढ़ या फरीदाबाद जाने के लिए पलवल और दिल्ली के रास्ते घूमकर जाना पड़ता है। इस वजह से 31 किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों का वक्त लगता है। ट्रैफिक जाम की वजह से यह सफर और दुश्वार हो जाता है। लेकिन नए हाईवे के तैयार होने से ट्रैफिक जाम से छुटकारा मिलने के साथ-साथ समय की बचत होगी।

दरअसल, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के प्रस्ताव पर काम शुरू हुआ है। इसके तहत हरियाणा के बल्लभगढ़ से जेवर तक 31 किलोमीटर लंबा 6 लेन का हाईवे बनाया जाएगा। इस प्रस्तावित रूट का सर्वे हो चुका है और डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी एसए इंफ्रास्ट्रक्चर को सौंपी गई है। जल्दी ही एजेंसी डीपीआर तैयार कर प्रस्तुत करेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले महीने इसकी घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि ग्रेटर नोएडा को बल्लभगढ़ से जोड़ने के लिए 6 लेन का ग्रीन फील्ड हाईवे बनाया जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर करीब 2100 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके तैयार होने के बाद न सिर्फ जेवर एयरपोर्ट बल्कि ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेसवे से आने वाले लाखों मुसाफिर चंद मिनटों में ही बल्लभगढ़ और फरीदाबाद पहुंच सकेंगे। उन्हें दिल्ली या पलवल घूमते हुए नहीं जाना पड़ेगा।

जानकारी के मुताबिक इस रूट के लिए जेवर के 4 गावों की 132 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने अपर जिलाधिकारी एडीएम को भूमि अधिग्रहण से संबंधित प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा है। एनएचएआई ने आगे बढ़ने से पहले सर्वे में चिन्हित किए गए जेवर तहसील के 132 हेक्टेयर भूमि के नंबरों को सत्यापन के लिए भेजा है।

बताते चलें कि जेवर एयरपोर्ट को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने का काम एनएचएआई कर रही है। इसके तहत नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को हरियाणा के बल्लभगढ़ में एक्सप्रेसवे से कनेक्ट किया जाएगा। इसके बीच की दूरी करीब 31 किलोमीटर है। इसमें 6 लेन हाईवे बनाया जाएगा। इसमें करीब 24 किलोमीटर का हिस्सा हरियाणा में आएगा, जबकि 7 किमी का हिस्सा गौतमबुद्धनगर में आएगा।

गौतमबुद्धनगर में एक दशक बाद मिले डेंगू के सबसे ज्यादा मामले

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● महज तीन दिन में 50 नए मरीजों की पुष्टि

पिछले तीन दिनों में गौतमबुद्धनगर में डेंगू के कुल 50 नए मामले दर्ज किए गए हैं। नए मरीजों की संख्या के साथ ही इस साल डेंगू के मामले 193 हो गए हैं। अधिकारियों के मुताबिक यह पिछले 10 वर्षों में सबसे अधिक है। जिले में 13 अक्टूबर को डेंगू के 157 मामले दर्ज हुए थे। 14 अक्टूबर को बढ़कर इनकी संख्या 178 और 15 अक्टूबर को 193 हो गई थी।

जनपद में दो स्वीकृत लैब में प्रतिदिन 15-20 नए मामलों की पुष्टि हो रही है। जिले के कई निजी अस्पतालों ने बताया कि उनके यहां सभी बेड डेंगू के मरीजों से भरे हुए हैं। कई अस्पतालों में बेड खाली नहीं हैं। हालांकि हॉस्पिटल का कहना है कि इनमें से अधिकांश मामलों को स्वास्थ्य विभाग की टैली में नहीं जोड़ा जा रहा है। इस बीच जिले के चार स्क्रब टाइफस मरीजों का इलाज कर उन्हें छुट्टी दे दी गई है। लेप्टोस्पायरोसिस के चार मरीज भी मिले हैं जिनमें से तीन ठीक हैं। जबकि एक का अभी इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि भले ही जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या चिंताजनक है। मगर एनसीआर के अन्य जिलों की तुलना में गौतमबुद्धनगर में अब तक मामले कम हैं। इस साल अब तक किसी एक इलाके से ज्यादा मामले नहीं मिले हैं। पिछले कुछ वर्षों में निठारी और छिजारसी डेंगू हॉटस्पॉट के रूप में उभरे थे।

सड़क दुर्घटना में दो युवकों की मौत

नोएडा। जिले में अलग-अलग सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि शुक्रवार रात अब्दुल फारूक (23) मोटरसाइकिल से नोएडा एक्सप्रेस-वे के रास्ते दिल्ली जा रहे थे। एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। अत्यंत गंभीर हालत में फारूक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रवक्ता ने बताया कि थाना कासना क्षेत्र के घंघोला गांव के पास एक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। घटना में नीतीश कुमार (22) की मौत हो गई।

सोसाइटी में मारपीट करने वाले दो भाइयों को पुलिस ने दबोचा

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना फेस-3 क्षेत्र के सेक्टर-120 स्थित एक सोसाइटी में मारपीट करने के मामले में पुलिस ने 2 भाइयों को गिरफ्तार किया है।

थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रही थी, जिसमें आम्रपाली जोडियक सोसाइटी में कुछ लोगों के बीच मारपीट करने की बात सामने आ रही थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में ज्योति भूषण ने थाना फेस-3 में बीती रात को मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरएस बोरा और उनके दो बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरएस बोरा द्वारा बीच-बचाव किया जा रहा था। जबकि उनके बेटे रिदम और सक्षम ने मारपीट की थी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने सिक्योरिटी गार्ड से सामान ढोने वाली ई.कार्ट गाड़ी की मांग की थी। जिस बात को लेकर विवाद हुआ था।

ग्रेनो के सेक्टरों में बनेंगी हाउसिंग सोसाइटी

● योगी सरकार ने पहली बार निकाली योजना

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

शहर के सेक्टर जीटा-1ए ईटा-2 और सिग्मा-3 में ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी बनेंगी। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में पहली बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रुप हाउसिंग की योजना लांच की है। प्राधिकरण ने 3 सेक्टरों में ग्रुप हाउसिंग के लिए 4 भूखंड निकाले हैं। बोली के जरिए इन भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। इनका आधार मूल्य 32290 रुपए प्रति वर्ग मीटर रखा गया है। इसके लिए आवेदक 18 अक्टूबर से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं।

मौजूदा सरकार के कार्यकाल में अभी तक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ग्रुप हाउसिंग के भूखंडों की योजना नहीं निकाली थी। अब ग्रुप हाउसिंग की योजना निकाली गई है। प्राधिकरण में सेक्टर जीटा-1 व ईटा-2 में एक-एक भूखंड और सेक्टर सिग्मा-3 में दो भूखंड निकाले हैं। ये भूखंड 24 हजार वर्ग मीटर से लेकर 40 हजार वर्ग मीटर तक के हैं।

प्राधिकरण ने 32290 रुपये प्रति वर्ग मीटर इनका आधार मूल्य रखा है। इन भूखंडों का आवंटन बोली के जरिए किया जाएगा। बताया जाता है कि.इससे पहले प्राधिकरण ने 2014 में ग्रुप हाउसिंग योजना निकाली थी। उस समय आधार मूल्य करीब 26000 रुपये प्रति वर्ग मीटर रखा गया था। इस बार आधार मूल्य बढ़ा दिया गया है। आवेदक 18 अक्टूबर से आवेदन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

संपूर्ण समाधान दिवस में 12 शिकायतों का निस्तारण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जिले की तीनों तहसीलों में शनिवार को लगाए गए सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 118 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें मात्र 12 शिकायतों का ही मौके पर निस्तारण कराया गया।

इस मौके पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं, सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं।

उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को भी विभागीय अधिकारियों के द्वारा निस्तारण के दौरान उपस्थित रखा जाए ताकि शिकायतों का निराकरण गुणवत्ता परक रूप से सुनिश्चित किया जा सके।

लाइनपार में नलकूप लगाने की योजना को झटका

कसैला और खारा पाया गया भूजल, जल निगम ने गाजियाबाद नगर निगम को भेजी रिपोर्ट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

फाइल फोटो

लाइन पार क्षेत्र में नौ इलाकों का भूजल कसैला व खारा पाए जाने पर जल निगम ने यहां नलकूप लगाए जाने से मना कर दिया है। इस संबंध में जल निगम ने नगर निगम को एक बड़ी रिपोर्ट बनाकर भेजी है।

लाइन पार क्षेत्र में सरकार की अमृत निधि योजना के तहत 82 करोड़ की लागत से 29 नए नलकूप लगाने की योजना है, इनमें से 9 नलकूप लगाने से जल निगम ने साफ मना कर दिया है कारण इन इलाकों का भूजल कसैला और खारा पाया गया है। जिन इलाकों में जमीन के अंदर का पानी खारा और कसैला मिला है वहां नलकूप लगाने का कार्य फिलहाल रोक दिया गया है। जिन इलाकों में काम रोका गया है उनमें प्रताप विहार सेक्टर 12 में तीन ,चरण सिंह कॉलोनी में 1 , गऊ पुरी और भूड भारत नगर इलाके में 11 और विजय नगर पानी की टंकी के समीप एक नलकूप लगाने का प्रस्ताव था।

गाजियाबाद के विधायक और प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री अतुल गर्ग ने लाइनपार क्षेत्र में मीठे पानी की कमी दूर करने के लिए इस मामले में पैरवी की थी।

मीठे पानी की यह योजना लगभग 3 वर्ष पहले तैयार की गई थी। जल निगम ने इस इलाके में नो ऐसे स्थान चिन्हित किए हैं ,जहां भूजल स्तर पर पानी का स्वाद कसैला और खारा है। सूत्रों का कहना है कि इस पूरे इलाके में 72 एमएलडी पानी की जरूरत है लेकिन अभी फिलहाल 45 एमएलडी की ही सप्लाई हो पा रही है। नए 29 नलकूप लगाकर यहां पानी की सप्लाई बढ़ाने की योजना थी।

मुरादनगर में जनसभा को संबोधित करते आरएलडी अध्यक्ष जयंत चौधरी।

विधानसभा चुनाव में उखाड़ फेकेंगे योगी सरकार को : जयंत चौधरी

मुरादनगर में आशीर्वाद पथ जनसभा का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने शनिवार को यहां कहा कि देश भर के किसान अपने हकों की लड़ाई लड़ रहे हैं।

राष्ट्रीय लोकदल उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस लड़ाई में उनका साथ दे रहा है। उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी व प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोलते हुए किसान विरोधी सरकार बताया।

उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में किसान भाजपा व योगी सरकार को सबक सिखा देंगे। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि बजरंग बली हनुमान की तरह अपनी शक्ति को पहचाने और 2022 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को उखाड़ फेंके।

चौ. जयंत मुरादनगर के रावली रोड पर आयोजित आशीर्वाद पथ सभा को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि किसान की जाति केवल किसान होती है। वे किसानों की लड़ाई में हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर उनके साथ हैं, साथ थे और साथ रहेंगे।

उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बावजूद केंद्र सरकार किसानों को मात्र 6 हजार रूपये सालाना किसान सम्मान निधि देकर बहका रही है। उन्होंने सभी किसानों के लिए सालाना 12 हजार सम्मान निधि दिए जाने की मांग की।

उन्होंने कहा कि लखीमपुर खीरी कांड के आरोपियों को योगी सरकार बचा रही है। भले ही मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया हो लेकिन इस घटना के लिए कसूरवार केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। जयंत ने केंद्र व प्रदेश सरकारों को किसानों के अलावा भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था समेत अन्य कई मुद्दों पर भी घेरा।

गाजियाबाद में कल से शुरू होगा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान

इस बार आयुष्मान कार्ड और परिवार नियोजन कार्यक्रम भी होगा शामिल

● पूरे जनपद में स्वास्थ्य विभाग माइक के जरिए चलाएगा जागरूकता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद में सोमवार से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का आगाज होगा। यह अभियान पूरे एक माह (17 नवंबर) तक चलेगा। अभियान में संचारी रोगों से बचाव के उपायों के साथ ही लोगों को जागरूक भी किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भवतोष शंखधर ने बताया जिलाधिकारी के निर्देशन में सभी संबंधित विभागों ने अभियान के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर लिया है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह सोमवार को जिला एमएमजी अस्पताल से अभियान का शुभारंभ करेंगे। अभियान के नोडल अधिकारी एसीएमओ डा. राकेश कुमार गुप्ता ने बताया विशेष अभियान में संचारी रोग से बचाव के अलावा आयुष्मान कार्ड विहीन परिवारों को भी चिन्हित कर कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत ऐसे परिवार चिन्हित किए जाएंगे जिन्हें परिवार नियोजन कार्यक्रम अपनाने की ज्यादा जरूरत है।

ऐसे दंपति की काउंसलिंग कर उन्हें परिवार नियोजन के साधन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। खासकर तीन से अधिक बच्चों वाले दंपति को परिवार नियोजन के स्थाई साधन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसके अलावा नवविवाहित दंपति और एक वर्ष से छोटे बच्चे के माता-पिता को तीन वर्ष का सुरक्षित अंतर रखने के लिए परिवार नियोजन के अस्थाई साधन अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

परिवार नियोजन से संबंधित सभी सेवाएं हर माह की 21 तारीख को खुशहाल परिवार दिवस के मौके पर सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध रहती हैं। नोडल अधिकारी ने बताया स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहरी क्षेत्र में 15 और देहात में 12 वाहनों से माइक के जरिए पूरे माह लोगों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

उन्होंने कहा डेंगू से दिवाली तक ज्यादा सचेत रहने की जरूरत है। उसके बाद तापमान गिरने पर मच्छरों के लिए अनुकूल समय नहीं रहता है। इसलिए दिवाली तक मच्छरों से अपना बचाव करें। इसके लिए सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें। बच्चों को पूरे कपड़े पहनाकर ही घर से बाहर भेजें।

जहरीली गैस की चपेट में आने से मजदूर की मौत

नोएडा। शहर के सेक्टर-60 स्थित एक कंपनी में सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि प्रांजुल रंजन राउत (45) एक कंपनी में कल सीवर की सफाई करने गए थे। राउत सफाई करने के लिए सीवर के टैंक में उतरे। इस दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से वह बेहोश हो गए। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई।थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राशिफल ज्योतिष गुरु राजेश जी सेक्टर-19 फरीदाबाद

मेष

करीबी दोस्तों से सुखद समाचार की उम्मीद की जा सकती है। छात्रों के लिए दिन शुभ है। आय के नए स्रोतों को खोजने की ओर रुझान रहेगा। विद्यार्थी सफल रहेंगे। व्यर्थ के तनाव स्वयं को कमजोर कर रहे हैं। मुक्त रहने के लिए धर्म के उपदेशों को सुनें। राजनीतिज्ञ सफल रहेंगे. लव लाइफ में विवाह का प्रस्ताव रख सकते हैं। महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं। जो आने वाले दिनों में कारगर साबित होगी।

(चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

भाग्यांक: 1

विशेष: कुत्ते को रोटी खिलाएं।

वृष

उत्साह से लबरेज रहेंगे। घर का माहौल शांति देगा। दोस्तों से काफी क्लोज रहेंगे और काफी वक्त उनके साथ बिताएंगे। इनकम को बढ़ाने का नया आइडिया दोस्तों को दे सकते हैं। शादीशुदा लोगों का गृहस्थ जीवन थोड़ा सा कमजोर रहेगा। शांति बनाए रखने में ही भलाई है। प्रेम जीवन बिता रहे लोग प्रिय के आर्थिक मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। घर में शुभ काम होगा और सेहत अच्छी रहेगी।

(ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

भाग्यांक: 9

विशेष: पीपल के पत्ते जल में प्रवाह कर दें।

मिथुन

सितारों की स्थिति खास हो सकती है। सक्रिय रहेंगे। ऑफिस में नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए लोग जुड़ सकते हैं। लव पार्टनर की मदद से धन लाभ के योग हैं। भावनात्मक सहयोग मिल सकता है। सामूहिक कामों के लिए लोगों से मुलाकात हो सकती है। ताजगी और स्फूर्ति महसूस होगी। सेहत में सुधार होने के योग हैं।

(का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा)

भाग्यांक: 7

विशेष: सूर्य देव के सम्मुख खड़े होकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।

कर्क

पारिवारिक सदस्य भावनाओं की कद्र करेंगे। मनोरंजक स्थल पर घूमने जा सकतें हैं। आर्थिक स्थिति ठीक है योजनाएं बहुत बड़ी है जिसके चलते परिस्थितियों के आंकलन में गलती भी हो सकती है। व्यवसाय से संबद्ध जातक लाभान्वित होंगे। इंजीनियरिंग और मेडिकल के छात्रों को मेहनत का परिणाम मिलेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। भाई-बहन के सहयोग से कारोबार में वृद्धि हो सकती है।

(ही, हूं, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

भाग्यांक: 2

विशेष: विद्वानों का सम्मान करें।

सिंह

दिन उतार-चढ़ाव के बीच गुजरेगा। कई काम ध्यान आकर्षित करेंगे, जिससे भागदौड़ में ही दिन बिता देंगे और आराम नहीं कर पाएंगे। सेहत पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। शादीशुदा लोगों का गृहस्थ जीवन बढ़िया रहेगा। जीवनसाथी मददगार रहेगा ससुराल पक्ष से झगड़ा होने की नौबत आ सकती है, सावधानी रखना जरूरी होगा। प्रेम जीवन बिता रहे लोग रिश्ते से संतुष्ट होंगे और इस वजह से उनके चेहरे पर मुस्कुराहट भी होगी।

(मा, मी ,मू, में, मो, टा, टी, टू, टे)

भाग्यांक: 9

विशेष: आदित्य हृदय स्त्रोत का पाठ करें।

कन्या

बिजनेस और नौकरी के बड़े मामलों पर कुछ फैसले हो सकते हैं या प्लानिंग भी बन सकती हैं। पैसों की स्थिति में सुधार हो सकता है। आमदनी बढ़ाने और खर्चों में कटौती करने पर विचार कर सकते हैं। कारोबार से जुड़ा कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। जीवनसाथी से गिफ्ट मिल सकता है। प्रेमियों के लिए समय अच्छा हो सकता है। महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात हो सकती है। नौकरी में बदलाव और पदोन्नति की संभावना है।

(टो ,पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)

भाग्यांक: 7

विशेष: सूर्य देवता को जल दें।

तुला

राजनीति से संबद्ध लोगों का दिन उपलब्धियों से भरा रहेगा। दबी हुई समस्याएं उभरकर मानसिक तनाव दे सकती हैं। निवेश से पहले विश्वासपात्र की राय रखना बेहतर होगा। परिवार माहौल यथावत रहेगा। वित्तीय अनिश्चितता कुछ के लिए समस्याएं पैदा कर सकती हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में लाभ होगा। काम के लिए ऊर्जा बनी रहेगी। आत्मविश्वास से तो परिपूर्ण रहेंगे। परंतु मन अशांत भी रहेगा।

(रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,)

भाग्यांक: 1

विशेष: शिवलिंग पर गुड मिला जल चढ़ाएं।

वृश्चिक

आज किसी अच्छी यात्रा पर लेकर जा सकते है। घर यात्रा काम के सिलसिले में भी होगी और घूमने की प्लानिंग भी बना सकते हैं। मानसिक रूप से भी तरोताजा हो जाएंगे। किसी बात को लेकर भ्रम की स्थिति रहेगी और जीवन साथी से कोई तनाव है, तो उसे दूर करने के लिए, उनसे बातचीत करें। प्रेम जीवन बिता रहे लोग थोड़े से निराश हो सकते हैं। प्रिय गुस्से में आकर भला बुरा कह सकता है।

(तो, ना ,नी, नू, ने, नो, या, यी, यू,)

भाग्यांक: 3

विशेष: हनुमान जी को लाल कनेर के फूल अर्पित करें।

धनु

नौकरीपेशा लोगों के काम में रुकावटें आ सकती है। बिजनेस करने वाले लोग सावधान रहें। कानूनी मामले उलझ सकते हैं। फालतू कामों में समय खराब होने के योग हैं। स्थान में बदलाव संबंधी प्लान बन सकता है। कामकाज के सिलसिले में बाहर जाना पड़ सकता है। लव लाइफ में कुछ बदलाव होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों के लिए समय अच्छा हो सकता है। सेहत के मामलों में भी संभलकर रहें। खानपान का ध्यान रखें।

(ये, यो, भा, भी, भू, ध, फा, ढा, भे)

भाग्यांक: 9

विशेष: तांबे का सिक्का जल प्रवाह कर दें।

मकर

कारोबार में मुनाफा देखने को मिलेगा। उत्साह के साथ कार्य की शुरुआत करेंगे.भाग्य से अधिक कर्म पर भरोसा करें। जुआ-सट्टा आदि से दूर रहें। जीवनसाथी से मतभेद उत्पन्न होने के संकेत हैं। घर खरीद सकते हैं। किसी चुनौती से निपटने का मौका मिल सकता है। दिनभर सकारात्मक नजरिया रखें। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। विवाहितों के लिए भी दिन बढ़िया है। शांति से काम लेना आपके लिए हितकर रहेगा।

(भो, जा, जी, खी, खू, खा, गा, गी)

भाग्यांक: 8

विशेष: चांदी का सिक्का गंगा जल में डालकर घर में रखें।

कुंभ

परिवार के लोगों का साथ मिलेगा। इनकम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। कार्यालय में विवाद से बचने की कोशिश करें। शादीशुदा लोगों के जीवन में दिन थोड़ी रूमानियत भर देगा, काफी रोमांटिक महसूस करेंगे। ससुराल पक्ष के लोगों से मिलकर खूब बातें करेंगे। प्रेम जीवन बिता रहे लोग शादी के सपने देखना शुरू कर देंगे क्योंकि अच्छा समय आ गया है। अपनी सेहत का भी थोड़ा ध्यान जरूर रखें। खानपान का ध्यान रखें।

(गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो ,दा)

भाग्यांक: 6

विशेष: गरीब व्यक्ति को भोजन कराएं।

मीन

अचानक फायदा मिलने के योग हैं। पार्टनर भी मदद करेगा तो धन लाभ हो सकता है। पुराना कर्जा खत्म हो सकता है। फालतू खर्चों पर कंट्रोल हो सकता है। नए इनकम सोर्स मिलने के योग हैं। ऑफिस में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। कोई भी बात सावधानी से बोलें। सेहत को लेकर सावधान रहें। अपने खानपान का ध्यान रखें। मौसमी बीमारियों से भी परेशानी हो सकती है। बिना मांगे किसी को भी राय देने से बचें। आज का दिन अच्छा रहेगा।

(दी, दू ,थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची)

भाग्यांक: 4

विशेष: मंदिर में धूप बत्ती का दान कर दें।

राहुल द्रविड़ भारतीय टीम के कोच बनने को तैयार

कुशान सरकार। नई दिल्ली

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज राहुल द्रविड़ यूएई (संयुक्त अरब अमीरात) में खेले जाने वाले टी-20 विश्वकप के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कोच बनने के लिए तैयार हो गए हैं। द्रविड़ हालांकि पहले इस जिम्मेदारी के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की ओर जोर देने के बाद उन्होंने इसके लिए हामी भर दी। भारत के सबसे महानतम खिलाड़ियों में से एक 48 वर्षीय द्रविड़ पिछले छह वर्षों से भारत ए और अंडर -19 प्रणाली के प्रभारी हैं। उनकी देखरेख में ऋषभ पंत, अवेश खान, पृथ्वी साव, हनुमा विहारी और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों ने जूनियर स्तर से राष्ट्रीय टीम का सफर तय किया है। वह फिलहाल बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख है।

बीसीसीआई के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर एजेंसी से कहा, हां, राहुल 2023 विश्वकप तक भारतीय टीम को कोचिंग देने के लिए सहमत हो गए हैं। शुरू में, वह अनिच्छुक थे, लेकिन यह समझा जाता है कि अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह ने राहुल के साथ आईपीएल फाइनल के दौरान बैठक की थी और जिम्मेदारी के लिए उन्हें मनाने में सफल रहे।

उन्होंने कहा, यह अंतरिम जिम्मेदारी नहीं होगी। यह समझा जा रहा है कि द्रविड़ के भरोसेमंद पारस म्हाम्ब्रे टीम के गेंदबाजी कोच होंगे जबकि विक्रम राठौर के बल्लेबाजी कोच के रूप में बने रहने की संभावना है। यह पता चला है कि बीसीसीआई अब भी इस पद के लिए एक विज्ञापन देगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उचित प्रक्रिया का पालन किया गया है। बोर्ड को इसके लिए क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) का गठन करना होगा, जो लोढ़ा समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया को पूरा करने के लिए अनिवार्य होगा। बोर्ड के पदाधिकारी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि भारतीय क्रिकेट में प्रतिभा संसाधन और प्रबंधन को लेकर द्रविड़ के विशाल ज्ञान का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए और उनकी भूमिका केवल राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच तक सीमित रहने के बजाय अधिक समग्र हो सकती है।

भारत ए या अंडर -19 टीमों के अपने-अपने कोच होंगे, लेकिन बीसीसीआई द्रविड़ को सभी कोचों का प्रमुख बना सकता है, जिसमें एनसीए स्टाफ के साथ सभी क्रिकेट विभाग उनकी देखरेख में काम करेंगे। जब गांगुली ने बीसीसीआई का कार्यभार संभाला, तो उन्होंने मीडिया से राष्ट्रीय टीम, आयु वर्ग की टीम और एनसीए के बीच तालमेल के बारे में बात की थी। रवि शास्त्री के कार्यकाल में भारतीय टीम की सफलता को देखने के बाद बीसीसीआई फिर से भारतीय कोच नियुक्त करना चाहता है लेकिन उस कद के कम ही विकल्प है। एक पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज ने पहले ही मौजूदा टीम प्रणाली में कोच बनने से इनकार कर दिया था क्योंकि विराट कोहली अभी भी टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान बने हुए हैं। यह पता चला है कि कुछ पूर्व दिग्गज खिलाड़ी कोहली के नेतृत्व वाली टीम को कोचिंग देने से कतराते थे। उनके पितृत्व अवकाश के दौरान ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम की शानदार जीत के बाद हालांकि इस स्थिति में बदलाव हुआ है।

न्यूजीलैंड दौरे से पहले हो सकती है नियुक्ति की औपचारिकताएं

शास्त्री को बीसीसीआई से उनकी सेवाओं के लिए लगभग साढ़े आठ करोड़ रुपये मिलता है। यह समझा जाता है कि बीसीसीआई द्रविड़ को भी बड़ी राशि की पेशकश कर रहा है, जो उनके एनसीए पारिश्रमिक के साथ-साथ शास्त्री के वर्तमान वेतन से अधिक होगा। द्रविड़ हालांकि परिवार को समय देने के लिए इससे पहले इस भूमिका को नकार चुके थे। द्रविड़ के बेटे समित कर्नाटक के आयु वर्ग के क्रिकेट में बल्लेबाज के रूप में अपनी पहचान बनाने लगे है। भारतीय टीम में द्रविड़-म्हाम्ब्रे संयोजन होने के पीछे मूल विचार यह सुनिश्चित करना है कि अगले दो वर्षों में जब इस टीम में बदलाव का दौर शुरू होगा तो सुचारू रूप से हो सके।

बीसीसीआई सूत्र ने कहा, रोहित अगले साल 35 साल के हो जाएंगे, विराट अपने 33वें जन्मदिन से कुछ दिन दूर हैं। उनके अलावा मोहम्मद शमी, इशांत शर्मा, चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे सभी शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन अगले दो वर्षों के दौरान उन्हें चरणबद्ध तरीके से राष्ट्रीय टीम बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा, इन खिलाड़ियों की जगह जिन खिलाड़ियों का आना तय है, वे ज्यादातर अंडर-19 प्रणाली से हैं। इसलिए जरूरी है कि द्रविड़ को नियुक्त किया जाए। राष्ट्रीय टीम के कोच के मामले में टेस्ट क्रिकेट में भारत के दूसरे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी (13,288 रन) से बेहतर शायद ही कोई और हो। उन्होंने एकदिवसीय क्रिकेट में भी लगभग 11,000 (10,889) रन बनाए हैं। भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 नवंबर से शुरू होने वाली श्रृंखला में भाग लेगी और उम्मीद है इससे पहले बीसीसीआई उनकी नियुक्ति की औपचारिकताएं पूरी कर लेगा।

टी-20 विश्वकप के ग्रुप-बी से सुपर 12 में

क्वालीफाई करने में प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा बांग्लादेश

एजेंसी। अल अमेरात (ओमान)

शानदार लय में चल रही बांग्लादेश की टीम टी-20 विश्वकप के ग्रुप-बी क्वालीफाइंग दौर में प्रबल दावेदार के रूप में रविवार को यहां अपना अभियान स्कॉटलैंड के खिलाफ शुरू करेगी। अंडरडॉग का टैग हटाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में शानदार काम करने वाली बांग्लादेश की टीम को पहले दौर में स्कॉटलैंड, ओमान और पापुआ न्यू गिनी के साथ रखा गया है। और हालिया फार्म के देखते हुए उसके ग्रुप में शीर्ष पर रहकर सुपर 12 चरण के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद है।

बांग्लादेश की टीम इस टूर्नामेंट से पहले कैलेंडर वर्ष में नौ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत दर्ज कर चुकी है और केवल दक्षिण अफ्रीका से पीछे है जिसके नाम 12 जीत हैं। बल्कि मार्च में न्यूजीलैंड से उसकी सरजमीं पर हारने के बाद से बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे (2-1), आस्ट्रेलिया (4-1) और न्यूजीलैंड (3-2) के खिलाफ श्रृंखलाएं जीती हैं। अगर बांग्लादेश की टीम ग्रुप बी में शीर्ष पर रहकर क्वालीफाई कर लेती है तो सुपर 12 में वह भारत, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान तथा ग्रुप ए की उप विजेता टीम से जुड़ जाएगी। बांग्लादेश के लिए हालांकि टी-20 विश्वकप में सफर इतना अच्छा नहीं रहा है। 2007 में शुरुआती चरण में टीम सुपर आठ में पहुंची थी जो उसके लिए शानदार सफर रहा था। लेकिन इसके बाद से टाइगर्स टीम 2009, 2010 और 2012 चरण में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी। जब 2014 में टीमों की संख्या बढ़ाकर 16 कर दिया गया तो बांग्लादेश की टीम ने वापसी की और ग्रुप ए में शीर्ष पर रहकर सुपर 10 चरण में पहुंची थी, हालांकि इसके बाद सभी चारों मैच गंवा बैठी थी। वहीं 2016 में भी यही सिलसिला जारी रहा जिसमें उन्हें भारत से निराशाजनक हार के बाद बाहर होना पड़ा था। लेकिन बांग्लादेश ने सही समय पर फार्म में वापसी की और एमआरएफ टायर्स आईसीसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय टीम रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज है जिसमें वह आस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान से आगे है।

आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पर इस साल श्रृंखला में मिली जीत (इन दोनों देशों के साथ श्रृंखला में पहली जीत) इस बात का प्रमाण है कि वह 2021 में कितना शानदार प्रदर्शन कर रही है। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के सही समावेश से बांग्लादेश के पास टूर्नामेंट में दूर तक जाने के लिए सभी चीजें मौजूद हैं। कप्तान महमूदुल्लाह काफी अनुभवी हैं, जबकि आल राउंडर शाकिब अल हसन हाल में समाप्त हुई इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए कुछ अच्छा प्रदर्शन करके टीम से जुड़ हैं। टीम के लिए मुशिफकर रहीम, सौम्य सरकार और तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान काफी अहम खिलाड़ी साबित होंगे। अनुभवी सलामी बल्लेबाज तमीम इकबाल (जिन्होंने खुद को चयन के लिए उपलब्ध नहीं कराया था) की अनुपस्थिति में बल्लेबाजी की जिम्मेदारी लिटन दास, नईम शेख, शाकिब, मुश्फिकुर और खुद कप्तान के कंधों पर होगी। मुस्तफिजुर गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे जिसमें शाकिब के अलावा शमीम हुसैन, शोरिफुल इस्लाम और स्पिनर नसुम अहमद शामिल हैं। उम्मीद होगी कि महमूदुल्लाह के खिलाड़ी 14 अक्टूबर को अभ्यास मैच में आयरलैंड से मिली हार को भुलाकर लगातार शानदार प्रदर्शन कर ग्रुप में शीर्ष पर रहेंगे।

चौथी बार टी-20 विश्वकप के लिए खेलेगा स्कॉटलैंड

वहीं दूसरी ओर स्कॉटलैंड की टीम चौथी बार टी-20 विश्वकप में खेलेगी। उसके कप्तान काइल कोएत्जर को जार्ज मुनसे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है जो पिछले कुछ समय से अच्छी फार्म में हैं। कोएत्जर, कैलम मैकलियोड और (सितंबर में जिम्बाब्वे पर जीत में 82 रन की पारी खेलने वाले) रिचर्ड बैरिंगटन बल्लेबाजी विभाग में अहम भूमिका निभाएंगे। टीम के मेंटोर इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज जोनाथन ट्राट हैं। गेंदबाजी इकाई में ब्राड व्हील और जोश डावे शामिल होंगे जिन्होंने क्रमशः हैंपशर और समरसेट के लिए खेलते हुए मिलाकर 30 विकेट झटके हैं। सीम (तेज गेंदबाजी) आक्रमण की अगुआई साफयान शरीफ करेंगे। अभ्यास मैच में नामीबिया पर जीत से स्कॉटलैंड का आत्मविश्वास बढ़ा ही होगा जो पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के मुख्य दौर में पहुंचने की कोशिश करेगी।

टीमें

बांग्लादेश : महमूदुल्लाह (कप्तान), लिटन दास, मोहम्मद नईम, मेहदी हसन, शाकिब अल हसन, सौम्य सरकार, मुश्फिकर रहीम, नुरूल हसन (विकेटकीपर), अफीफ हुसैन, नसुम अहमद, तास्किन अहमद, शमीम हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, मोहम्मद सैफुद्दीन

स्कॉटलैंडः काइल कोएत्जर (कप्तान), रिचर्ड बैरिंगटन, डिलन बज, मैथ्यू क्रास (विकेटकीपर), जोश डेवी, एली इवांस, क्रिस ग्रीव्स, माइकल लीस्क, कैलुम मैक्लियोड, जार्ज मुनसे, साफयान शरीफ, हम्जा ताहिर, क्रेग वालेस, मार्क वाट, ब्रैड व्हील।

पीएनजी के खिलाफ ओमान की कोशिश परिस्थितियों का फायदा उठाने की

एजेंसी। अल अमेरात

कोविड-19 के सबसे बुरे से दौर से जूझ रहे पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) की टीम रविवार को आईसीसी टी-20 विश्वकप के क्वालीफाइंग दौर में रविवार को जब ओमान के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसकी कोशिश महामारी से निराशा के बीच अपने देशवासियों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरने की होगी। दूसरी तरफ टूर्नामेंट का सह-मेजबान ओमान घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा उठाना चाहेगा। पीएनजी टीम दो बार बेहद करीब से टी-20 विश्व के लिए क्वालीफाई करने से चूकने के बाद 2019 में आईसीसी टी-20 विश्वकप क्वालीफायर में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बनी थी।

ग्रुप चरण में नीदरलैंड पर पांच विकेट की जीत उनके लिए निर्णायक साबित हुई। टीम हालांकि वे फाइनल हार गई थी लेकिन कप्तान असद वाला और उनके खिलाड़ी अपने पहले आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे थे। पीएनजी की टीम यहां हालांकि काफी मुश्किल परिस्थितियों में पहुंची है। देश इस समय कोविड-19 के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है, जिसमें कुछ खिलाड़ियों को भी अपने परिवार के सदस्यों को खोना पड़ा है। करीब दो साल तक कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने के बाद टीम लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। टूर्नामेंट से पहले हालांकि टीम को लगातार 12 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, इसमें आठ एकदिवसीय, दो टी-20 अंतरराष्ट्रीय और विश्वकप के दो अभ्यास मैच शामिल है। टीम को हालांकि उम्मीद होगी की सितंबर की शुरुआत से ओमान में रहने का उन्हें फायदा होगा और परिस्थितियों से सामंजस्य बैठा का टीम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट वाली लय हासिल करने में कामयाब रहेगी। तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने वाले कप्तान असद को खुद से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वह ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते है और तेज गेंदबाज नोर्मन वनुआ टीम में अहम भूमिका निभाएंगे।

वनुआ आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते है। उन्होंने बरमूडा के खिलाफ 2019 क्वालीफायर्स में हैट्रिक लिया था। सलामी बल्लेबाज टोनी उरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय में शतक लगा चुके है। उन्होंने 2018 में आयरलैंड के खिलाफ 151 रन बनाए थे। टीम उनसे फिर से वैसे ही प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। टूर्नामेंट की सह-मेजबान ओमान को अपने खेल में सुधार और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाते हुए सुपर 12 चरण में जगह बनाने की उम्मीद होगी। ओमान मैच जीतने के लिए अपने शीर्ष क्रम और तेज गेंदबाजों पर भरोसा करेगा। टीम में धीमी गेंदबाजी करने वाले हरफनमौला खिलाड़ियों के कई विकल्प है। आकिब इलियास और जतिंदर सिंह की सलामी जोड़ी मजबूत है। गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई बिलाल खान करेंगे, जिनके नाम पर टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 51 विकेट है। उन्होंने इसमें से चार विकेट हांगकांग के खिलाफ निर्णायक क्वालीफायर मुकाबले में लिए लिए, जिससे टीम ने सफलतापूर्वक 134 रन के स्कोर का बचाव कर टी-20 विश्वकप का टिकट कटाया था। तेज गेंदबाज कलीमुल्लाह नई गेंद से सभी प्रारूपों में प्रभावी रहे हैं, जबकि फैयाज बट भी बेहतर लय में हैं।

टीमें

ओमानः जीशान मकसूद (कप्तान), आकिब इलियास, जतिंदर सिंह, खावर अली, मोहम्मद नदीम, अयान खान, सूरज कुमार, संदीप गौड़, नेस्टर ढांबा, कलीमुल्लाह, बिलाल खान, नसीम खुशी, सुफियान महमूद, फैयाज बट, खुर्म नवाज खान।

पापुआ न्यू गिनीः असद वाला (कप्तान), चार्ल्स अमिनी, लेगा सियाका, नॉर्मन वनुआ, नोस्यो पोकाना, किपलिंग डोरिगा, टोनी उरा, हिरी हिरी, गौड़ी टोका, सेस बाउ, डेमियन रावू, कबुआ वागी-मोरिया, साइमन अताई, जेसन किला, चाड सोपर, जैक गार्डनर।

मैच भारतीय समयानुसार दोपहर साढ़े तीन बजे से खेल जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एससी ईस्ट बंगाल ने मैत्री मैच में सलगांवकर को हराया

पणजी। एससी ईस्ट बंगाल ने शनिवार को यहां आमिर डर्विसेविच और सौरव दास के गोल की मदद से सत्र पूर्व मैत्री मैच में पूर्व आई लीग चैम्पियन सलगांवकर पर 2-0 से जीत दर्ज की। स्लोवेनियाई मिडफील्डर डर्विसेविच ने छठे और दास ने 65वें मिनट में गोल किए। टीम ने शुक्रवार को पहले मैत्री मैच में वास्को एससी पर 3-1 से जीत दर्ज की थी, जिससे उसने इसी लय को दूसरे मैच में भी जारी रखा।

फ्रिट्ज और बासिलाश्विली इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स। टेलर फ्रिट्ज ने तीसरे वरीय एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-3, 7-6 से हराकर उलटफेर करते हुए बीएनपी पारिबस ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह फ्रिट्ज के छोटे से करियर की सबसे बड़ी जीत थी। संन्यास ले चुकी टेनिस खिलाड़ी कैथी मे के 23 साल के बेटे फ्रिट्ज तीसरे सेट में पिछड़ रहे थे लेकिन वह इसे टाईब्रेकर तक ले गए और जीत गए। फ्रिट्ज ने इससे पहले 2019 में शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल पांच खिलाड़ियों पर जीत दर्ज की थी जिसमें डोमिनिक थिएम भी शामिल थे। लेकिन विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज ज्वेरेव के खिलाफ उनकी सबसे बड़ी जीत रही। फ्रिट्ज शनिवार को सेमीफाइनल में 29वें वरीय निकोलोज बासिलाश्विली से खेलेंगे जिन्होंने दूसरे वरीय स्टेफनोस सिटसिपास को 6-4, 2-6, 6-4 से हराकर उलटफेर किया। दूसरा सेमीफाइनल कैमरन नौरी और ग्रिगोर दिमित्रोव के बीच होगा। महिला वर्ग के सेमीफाइनल में विक्टोरिया अजारेंका का सामना एलेना ओस्टापेंको से होगा जबकि दूसरे में ओन्स जाबेयूर की भिड़त पाउला बाडोसा से होगी।

अदिति की टीम संयुक्त 13वें पायदान पर

न्यूयॉर्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दो अंडर 70 के कार्ड से अरामको टीम सीरीज के दूसरे दौर के बाद व्यक्तिगत तालिका में संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर है। उनकी अगुवाई वाली टीम अशोक (अदिति) भी संयुक्त रूप से इसी पायदान पर है। टीम अशोक का कुल स्कोर 21 अंडर का है। एक अन्य भारतीय त्वेसा मलिक (74-72) व्यक्तिगत तालिका में संयुक्त रूप 37वें स्थान पर है जबकि उनकी टीम 26वें स्थान पर है। त्वेसा की टीम की कप्तान लिजेटे सालास है और इस टीम का कुल स्कोर 14 अंडर का है। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी नेली कोर्डा (69-66) व्यक्तिगत तालिका में शीर्ष पर थीं।

शुभंकर, भुल्लर स्पेन में कट हासिल करने से चूके

वालडेरामा (स्पेन)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर की एंडालुसिया मास्टर्स टूर्नामेंट के शुरुआती दो दौर में खराब खेल के कारण कट में जगह बनाने से चूक गए। पहले दौर में 82 का निराशाजनक कार्ड खेलने वाले भुल्लर ने दूसरे दौर में शानदार वापसी की और 13 शॉट का सुधार करते हुए 69 का कार्ड खेला। उनका कुल स्कोर हालांकि नौ ओवर का रहा जो कट हासिल करने के लिए काफी नहीं था। कुल छह ओवर तक का स्कोर करने वाले खिलाड़ियों ने कट में प्रवेश किया। शुभंकर का प्रदर्शन और निराशाजनक रहा। उन्होंने दूसरे दौर में चार ओवर 75 का स्कोर किया। उन्होंने पहले आठ ओवर 79 का कार्ड खेला था।

फजल महमूद, अब्दुल कादिर पीसीबी हॉल ऑफ फेम में

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान के पहले महान तेज गेंदबाज फजल महमूद और 1970 के दशक के आखिर में कलाई की स्पिन गेंदबाजी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से जीवित करने वाले अब्दुल कादिर को मरणोपरांत पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया है। ये दोनों दिवंगत सितारे इस प्रकार आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉफ ऑफ फेम में शामिल हनीफ मोहम्मद, इमरान खान, जावेद मियांदाद, वसीम अकरम, वकार युनूस और जहीर अब्बास के साथ पीसीबी के हॉल ऑफ फेम में शामिल हो गए। सभी आठ पूर्व खिलाड़ियों को पीसीबी हॉल ऑफ फेम में शामिल करने की औपचारिकता मौजूदा सत्र के दौरान पूरी होगी।

पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने कहा, दो अलग-अलग युगों के दिग्गजों फजल महमूद और अब्दुल कादिर को उनके साथियों और प्रशंसकों द्वारा 2021 के लिए पीसीबी हॉल ऑफ फेम में वोट दिया जाना उचित है। उन्होंने कहा, यह उनकी अपार लोकप्रियता का प्रमाण है और इस महान खेल के लिए उनकी सेवाओं का सम्मान भी है। रमीज ने कहा, फजल महमूद और अब्दुल कादिर पाकिस्तान और वैश्विक क्रिकेट के सर्वकालिक महान खिलाड़ी और सही मायने में उत्कृष्ट राजदूत हैं। यह उनके योगदान के प्रति हमारी प्रशंसा और कृतज्ञता का एक छोटा सा प्रतीक है। पाकिस्तान क्रिकेट के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले फजल का जन्म 18 फरवरी, 1927 को लाहौर में हुआ था और उन्होंने 1952 से 1962 तक 34 टेस्ट में 139 विकेट लिए, जिसमें एक पारी में 13 बार पांच विकेट और एक मैच में चार बार 10 विकेट या उससे अधिक शामिल थे।

सौराष्ट्र के युवा खिलाड़ी अवि बरोट का दिल का दौरा पड़ने से निधन

एजेंसी। राजकोट/अहमदाबाद

सौराष्ट्र के बल्लेबाज और भारत के पूर्व अंडर-19 कप्तान अवि बरोट का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया, वह महज 29 साल के थे। सौराष्ट्र की 2019-20 सत्र में रणजी ट्रॉफी जीतने वाली टीम के सदस्य बरोट ने अपने कॅरियर में हरियाणा और गुजरात की टीमों का भी प्रतिनिधित्व किया था। अहमदाबाद में अपने घर में बेचैनी महसूस करने के बाद शुक्रवार को उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। बरोट के परिवार में उनकी मां और पत्नी हैं। उनकी पत्नी गर्भवती हैं।

सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जयदेव शाह ने एजेंसी से कहा, अवि को जब बेचैनी महसूस हुई, तब वह घर में थे। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन एम्बुलेंस में ही उन्होंने अंतिम सांस ली। वह बहुत ही जिंदादिल लड़का था और उसकी प्रतिभा देखकर ही मैं उसे हरियाणा से सौराष्ट्र लाया था जहां उसने अपना प्रथम श्रेणी करियर शुरू किया था। शाह ने कहा, अवि के पिता का 42 साल की उम्र में निधन हो गया था। अवि के परिवार में अब उनकी मां और पत्नी हैं। उनकी पत्नी को चार माह का गर्भ है। इस दुखद घटना से उबरने में उन्हें काफी समय लगेगा। यह युवा क्रिकेटर पिछले हफ्ते एक स्थानीय टूर्नामेंट में खेला था। वह दाएं हाथ का बल्लेबाज था जो ऑफ ब्रेक गेंदबाजी भी कर सकता था। शाह ने कहा, मैं अब भी इस खबर से स्तब्ध हूं। वह महज 29 साल का था और पिछले हफ्ते हमारा एक राज्य स्तर का टूर्नामेंट जीवन ट्रॉफी हुआ था जिसमें वह खेला था। बल्कि मैंने उसे कहा था कि तुम रन बना रहे हो, जल्दबाजी मत करो तो उसने कहा, जयदेव भाई हमें इसे जीतना होगा। बरोट 38 प्रथम श्रेणी मैच, 38 लिस्ट ए मैच और 20 घरेलू टी20 मैच खेल चुके थे। वह विकेटकीपर बल्लेबाज थे जिन्होंने प्रथम श्रेणी मैचों में 1,547 और लिस्ट ए मैचों में 1,030 और टी-20 मैचों में 717 रन बनाए थे।

विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड टीम से जुड़े सीएसके के कोच फ्लेमिंग

दुबई। चेन्नई सुपर किंग्स के आईपीएल विजेता मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग शनिवार को अल्पकाल के लिए टी-20 विश्वकप से पहले न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम से जुड़ गए। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में चेन्नई ने शुक्रवार को चौथी बार आईपीएल खिताब जीता। इसके एक दिन बाद ही वह न्यूजीलैंड टीम के शिविर में पहुंच गए। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ट्वीट किया, आईपीएल फाइनल से सीधे। चेन्नई के आईपीएल विजेता कोच स्टीफन फ्लेमिंग टी-20 विश्वकप से पहले कुछ दिन के लिए न्यूजीलैंड टीम से जुड़े। न्यूजीलैंड को पहला मैच 26 अक्टूबर को पाकिस्तान से खेलना है।

सीएसके की शानदार टीम से हारे, रसेल फिर से चोटिल होने के डर से नहीं खेले: मैकुलम

दुबई। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने माना कि उनकी टीम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की एक बहुत शानदार टीम ने हराया और उन्होंने इस खराब प्रदर्शन का जिम्मेदार मध्यक्रम के बल्लेबाजों की नाकामी को ठहराया।

मैकुलम ने यह भी कहा कि विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल मांसपेशियों में खिंचाव से उबर कर मैच-फिट होने के लिए कड़ी मेहनत करने के बावजूद अंतिम एकादश में जगह नहीं बना सके क्योंकि मैच के दौरान उनके फिर से चोटिल होने का जोखिम था। धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई की टीम ने शुक्रवार को खेले गए फाइनल के एकतरफा मुकाबले में केकेआर को 27 रन से हराकर अपना चौथा इंडियन प्रीमियर लीग खिताब जीता। मैकुलम ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह निराशाजनक है कि हम जीतने में नाकाम रहे, लेकिन हम सीएसके की एक बेहतरीन टीम से हारे। जीत के लिए 193 रन का पीछा करते हुए शुभमन गिल (51 रन) और वेंकटेश अय्यर (50 रन) ने पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़कर केकेआर को ठोस शुरुआत दिलाई, लेकिन इसके बाद उसने 34 रन के अंदर आठ विकेट गंवा दिए।

कोच फ्लेमिंग ने बताया चेन्नई सुपर किंग्स की जीत का मंत्र

एजेंसी। दुबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चौथी बार चैंपियन बनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनके उम्रदराज योद्धाओं की सफलता का राज यह है कि वे विश्लेषण और संख्याओं पर निर्भर रहने के बजाय अंदर की भावना और खिलाड़ियों के साथ रिश्ते पर भरोसा करते हैं। फ्लेमिंग काफी गर्व महसूस कर रहे थे और संतुष्ट थे कि 40 साल के करिश्माई कप्तान धोनी की अगुआई में टीम ने शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स को 27 रन से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया।

फ्लेमिंग ने कहा, हमारे खिलाड़ियों की उम्र को लेकर काफी आलोचना होती थी लेकिन खिताब जीतना शानदार रहा। उन्होंने कहा, अनुभव काफी महत्वपूर्ण है, जो खिलाड़ी टीम में हैं और पहले ऐसा कर चुके हैं, उनसे टीम में काफी अनुभव शामिल होता है। हम विश्लेषण और संख्या में ज्यादा गहराई तक नहीं जाते, हम अंदर की भावना और खिलाड़ियों के साथ रिश्ते बनाने पर विश्वास करते हैं। यह पारंपरिक है लेकिन हमारे लिए यह कारगर होती है। फ्लेमिंग ने कहा कि उनके लिए आईपीएल के सभी चारों खिताब काफी विशेष हैं लेकिन मौजूदा ट्रॉफी उनके लिए काफी अहमियत रखती है क्योंकि यह उस टीम ने जीती है जिसे टूर्नामेंट के शुरू में चुका हुआ मान लिया गया था। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इस खिताब को रैंकिंग देना काफी मुश्किल है। यह इसलिए भी विशेष है क्योंकि आप इतनी मेहनत करते हो और यह मेहनत का नतीजा है इसलिए ये खिताब उनके लिए बहुत विशेष हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि 2018 में वापसी में खिताब जीतना भी टीम के लिए काफी भावनात्मक रहा था लेकिन इस बार काफी कड़ी मेहनत की गई है। मुझे नहीं लगता कि काफी लोगों को हमसे कोई उम्मीद होगी कि हम इस चक्र के दौरान अपनी प्रतिस्पर्धिता बरकरार रख पाएंगे। हमें चुका हुआ मान लिया गया था। फ्लेमिंग ने कहा, इसलिए इसे लेकर थोड़ा सा संतोष भी है और खिलाड़ियों पर गर्व है कि वे कई महीनों के बाद उन मानकों पर जारी रहे और इन्हें हासिल कर सके जबकि यह उम्रदराज होती टीम के लिए एक चुनौती थी। उन्होंने जो किया और वे जिस तरह से खेले, मुझे उन पर काफी गर्व है।

रुतुराज गायकवाड़ की प्रशंसा की

उन्होंने साथ ही रुतुराज गायकवाड़ की भी प्रशंसा की जो इस सत्र में सबसे ज्यादा रन जुटाने वाले खिलाड़ी रहे। फ्लेमिंग ने कहा, हां, मैं भी उसे भारतीय क्रिकेट के अगले सितारे के रूप में देखता हूं। वह (रुतुराज) मेरी निगाहों में पहले ही सुपरस्टार है। जब हमने उसे पिछले साल उतारा था तो लोग थोड़ी आलोचना कर रहे थे लेकिन हमें उससे काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि वह सत्र का अंत शानदार तरीके से कर सका। वह शानदार खिलाड़ी है। उन्होंने कहा, उसने इस साल सलामी जोड़ी के रूप में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उसके साथ फाफ (डु प्लेसिस) ने इतने सारे रन जुटाए, जिसकी बदौलत भी हम आईपीएल खिताब जीत सके।

पायनियर

हरियाणा, रविवार, 17 अक्टूबर, 2021

सिंघु बॉर्डर पर निहंग कॉलोनी बसाने में किसका हाथ

पिछले दस महीनों से हरियाणा से दिल्ली को जोड़ने वाले सिंघु बॉर्डर और टिकरी बॉर्डर पर किसान संगठनों के अलावा कई असामाजिक तत्वों का कब्जा है। हिसार-रोहतक से दिल्ली आने वालों को टिकरी बार्डर और पानीपत-सोनीपत से दिल्ली आने वालों को सिंघु बॉर्डर पर अवैध कब्जों के कारण गांवों से घूम-घूमकर दिल्ली में प्रवेश करना पड़ता है।

सुभाष शर्मा
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

मंथन

पिछले दस महीनों से हरियाणा से दिल्ली को जोड़ने वाले सिंघु बॉर्डर और टिकरी बॉर्डर पर किसान संगठनों के अलावा कई असामाजिक तत्वों का कब्जा है। हिसार-रोहतक से दिल्ली आने वालों को टिकरी बार्डर और पानीपत-सोनीपत से दिल्ली आने वालों को सिंघु बॉर्डर पर अवैध कब्जों के कारण गांवों से घूम-घूमकर दिल्ली में प्रवेश करना पड़ता है। इसमें न केवल समय ज्यादा लगता है बल्कि पेट्रोल-डीजल का भी काफी नुकसान होता है। कच्ची सड़कों से गुजरने के कारण वाहनों का मेंटीनेंस भी बढ़ गया है।

हरियाणा दिल्ली के दोनों ही बॉर्डर की जमीनी हकीकत देखे तो हरियाणा और दिल्ली बॉर्डर पर बसे हजारों उद्योगपतियों को पिछले करीब एक वर्ष से नुकसान झेलना पड़ रहा है। मौके का मुआयना करे, तो पता चलता है कि यहां किसान संगठनों ने पक्के कब्जे कर रखे है। सड़क पर दिवारे लगा रखी है, पानी के लिए बोर लगा रखे है और शौच आदि के लिए भी आसपास के क्षेत्र को गंदा किया जाता है। किसानों के अलावा यहां नशा तस्करों को हर प्रकार का नशा बेचने की खुली छूट है, जिसमें शराब, चरस, गांजा, सुल्फा जैसे अनेक नशीले पदार्थ खुले में उपलब्ध है। किसानों के डर के कारण पुलिस यहां जाती नहीं और दूर से इन अवैध गतिविधियों का तमाशा देखती रहती है। दूसरे शब्दों में कहे तो किसान धरने की आड़ में अनेक असामाजिक तत्वों ने यहां अपने डेरे जमा लिए है, जिनमें निहंग कॉलोनी भी शामिल है। शुक्रवार को यहां एक सिख दलित युवक की जब बेरहमी से हत्या कर उसका वीडियो बनाया जा रहा था, तब भी वहां सैकड़ों लोग मौजूद थे। जैसे ही इस घटना का वीडियो वायरल हुआ, किसान संगठनों ने निहंगों से अपना पल्ला झाड़ लिया और बयान जारी कर दिया कि निहंग सिख हमारे आंदोलन का हिस्सा नहीं है। इससे पूर्व यहां बलात्कार, हत्या जैसी और भी घटनाएं हो चुकी है, लेकिन हर बार किसान संगठन इनसे संबंध होने का पल्ला झाड़ लेते है, लेकिन जब कोई सरकार पर दबाव बनाना हो तब सभी असामाजिक तत्व, देशविरोधी तत्व खलिस्तान समर्थक किसानों के साथ खड़े मिलते है, तब कोई भी किसान नेता इन्हें वहां से भगाने के लिए नहीं कहता यानी जब जरूरत हो तो ये लोग किसान आंदोलन का हिस्सा बन जाते है और जब कोई गैरकानूनी घटना हो जाए, तो किसान संगठन अपने आपको बड़ी बेशर्मी से अलग कर लेते है। अब सवाल उठता है कि जब निहंग सिख किसान आंदोलन का हिस्सा नहीं है, तो फिर उन्हें सिंघु बॉर्डर पर किसकी शह पर बसाया गया।

26 जनवरी, 2021 को जब लालकिले पर असामाजिक तत्वों ने किसान संगठनों के साथ कब्जा करने का प्रयास किया था, तब भी अनेक निहंग सिख आंदोलन में साथ खड़े थे, उनकी कई वीडियो तब भी वायरल हुई थी। निहंगों ने शुक्रवार को जिस एक युवक के हाथ पैर काटकर हत्या की है, उसने अफगानिस्तान के तालिबानों द्वारा किए जा रहे जुल्म को भी पीछे छोड़ दिया। इस घटना से पूरी दुनिया में भारत का सिर शर्म से झुक गया है, क्योंकि यह घटना किसी दूर दराज के इलाके में नहीं हुई बल्कि देश की राजधानी दिल्ली के बॉर्डर पर की गई है। इतना ही नहीं इस घटना का किसी निहंग संगठन को कोई गम नहीं है। उन्होंने इसे धर्म से जोड़कर इस हत्या के समर्थन में आने की बात तक कही है।

हरियाणा सरकार की मुश्किलें बढ़ी: दरअसल कुछ दिनों पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए स्पष्ट कहा था कि किसान संगठनों को आम रास्तों को जाम कर अन्य लोगों को परेशान करने का कोई हक नहीं। शीर्ष अदालत ने सरकार को इस पर एक्शन लेने के भी निर्देश दिए थे। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस सिलसिले में दिल्ली आकर गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात कर निर्देश हासिल किए थे और बाहर आकर पत्रकारों से कहा था कि जल्द ही किसानों से एक साइड का रास्ता खाली करवा लिया जाएगा। इस सिलसिले में अनेक आला अधिकारियों ने किसान संगठनों से बात भी की थी, उन्हें अदालत के आदेशों का हवाला देकर रास्ता खाली करने की मिन्नतें भी की थी, लेकिन किसान नेताओं पर इसका कोई असर नहीं हुआ था। इसी बीच निहंगों द्वारा किया गया जघन्य हत्याकांड का वीडियो भी सामने आ गया। अब सरकार दावा तो कर रही है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा पर यह दावा दबे स्वर में कर रही है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को चंडीगढ़ में एक हाईलेबल मीटिंग भी की है और बॉर्डर पर चल रहे धरनास्थल को कैसे खाली करवाया जाए और निहंगों सहित अन्य असामाजिक तत्वों से कैसे निपटा जाए, इस पर भी चर्चा की लेकिन सरकार की कमजोर इच्छाशक्ति को देख लगता नहीं कि सरकार इस मकसद में कामयाब हो पाएगी।

किसान संगठनों पर सख्ती न करने की वजह: दरअसल आगामी तीन से छह महीनों बाद देश के पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने है, जिनमें सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश और इसकी सीमा से सटा राज्य उत्तराखंड भी शामिल है। इसके अलावा किसान आंदोलन की जड़ यानी पंजाब में भी चुनाव होने है, जबकि गोवा एवं मणिपुर जैसे छोटे राज्य भी है, लेकिन वहां किसान आंदोलन का कोई ज्यादा प्रभाव नहीं है। भाजपा के लिए इन चुनावों को जीतना तभी संभव होगा, जब वो किसान संगठनों को चुनाव तक मनमानी करने दे और उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई न करे, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल किसान आंदोलन को हवा देने में जुटे है क्योंकि किसान आंदोलन जितना उग्र होगा, विपक्ष को उतना ज्यादा सियासी लाभ मिलेगा। किसान संगठन भी सरकार की इस मजबूरी को समझ चुके है, यही कारण है कि राकेश टिकैत सहित सभी नेता एक स्वर में विपक्ष की भाषा बोल कर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने में जुटे है। लखीमपुर खीरी, सिंघु बॉर्डर पर घटित ताजा घटनाएं इसका उदाहरण है, यहां सरकार किसानों के आगे घुटनों के बल पर बैठ गई और उनकी सारी मांगे एक ही दिन में मान ली। कुल मिलाकर जब तक पांच राज्यों में चुनाव नहीं निपट जाते, किसानों पर सरकार सख्ती नहीं करेगी और इसी बात का फायदा किसान संगठनों के साथ-साथ इन धरनास्थल पर जमे असामाजिक तत्व भी उठाते रहेंगे। अब जबकि किसान संगठनों ने निहंगों से पल्ला झाड़ लिया है, बावजूद इसके हरियाणा सरकार उन पर हाथ डालने की हिम्मत नहीं कर सकती।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें बना रही नया रिकार्ड

तेल के बढ़ती कीमतों ने अब जनता को रूलाना शुरू कर दिया है। अक्टूबर माह में करीब-करीब हर रोज पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित अनेक विपक्षी दलों ने सरकार को इस मुद्दे पर घेरना शुरू कर दिया है, लेकिन सरकार इसकी जरा भी परवा नहीं कर रही। गौरतलब है कि मोदी सरकार ने जब से पेट्रोल डीजल के तेल कंपनियों के हवाले किया है, वे कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों के आधार पर हर रोज तेल के दाम खोलने के लिए स्वतंत्र है।

पहले सरकार तेल कंपनियों को सब्सिडी देती थी, लेकिन मोदी सरकार ने इस व्यवस्था को खत्म कर दिया है। रिजर्व बैंक के गर्वनर भी तेल पेट्रोल के ऊंचे अप्रत्यक्ष करों के मुद्रास्फीति प्रभाव को लेकर चिंता जता चुके है। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर भारत सरकार को फैसला करना है। दरअसल, हर रोज बढ़ रहे तेल के दामों ने आम व्यक्ति की परेशानियों को बढ़ा दिया है। 10 से 25 हजार अधिक की नौकरी करने वाले दुपहिया चालक इन कीमतों से सबसे ज्यादा परेशान है। फरीदाबाद से नोएडा, गुरुग्राम व एनसीआर के अन्य क्षेत्रों में रोज आने जाने वाले नौकरीपेशा लोगों का कहना है कि पहले उनका मासिक पेट्रोल का खर्च तीन से चार हजार आता था, लेकिन लगातार बढ़ रही तेल कीमतों ने इस बजट को 5 से 6 हजार तक पहुंचा दिया है, जबकि कंपनियां उनकी सैलरी में एक रुपये का भी इजाफा नहीं कर रही। तेल की बढ़ती कीमतों से सबसे ज्यादा प्रभावित ट्रांसपोर्ट से जुड़े व्यवसायी है। उनका कहना है कि मौजूदा हर रोज तेल दामों में हो रही बढ़ोतरी से यह धंधा घाटे का सौदा बन गया है। हालांकि ट्रक मालिकों ने भाड़ा भी बढ़ाया है, लेकिन वे हर रोज भाड़ा नहीं बढ़ा सकते, जैसा कि तेल कंपनियां बढ़ा रही है। ट्रांसपोर्ट महंगा होने से खाने पीने से लेकर सब्जियों, फलों तक की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हो रही है। आमजन मोदी सरकार की इस नीति से परेशान है। कांग्रेसी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला का कहना है कि तेल के दामों में बढ़ोतरी का सबसे मुख्य कारण सरकार के टैक्स है, अगर सरकार इसे भी जीएसटी के दायरे में ले ले तो पेट्रोल व डीजल के दाम 55 से 65 रुपये के दायरे में आ सकते है। जानकारों का मानना है कि इस मुद्दे पर अनेक बार सरकार पर दबाव बनाया गया है, लेकिन मोदी सरकार पेट्रोल-डीजल को वैट के दायरे में ही रखना चाहती है। यही कारण है कि इनके दामों में हर रोज बढ़ोतरी हो रही है और वैट की दरें भी अलग-अलग प्रदेशों में अलग-अलग है। यही कारण है कि कुछ प्रदेशों में जहां डीजल 95 रुपये प्रति लीटर है तो अनेक प्रदेशों में 100 से 105 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है।

मानसिक स्वास्थ्य सही रखने से ही शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहेगा

देश एवं दुनिया में मानसिक बीमारियां बढ़ रही हैं, तनाव एवं असंतुलन के कारण अनेक विकृतियां एवं मनोरोग पनप रहे हैं, मानसिक अस्वास्थ्य वर्तमान युग की ज्वलंत समस्या है, उस पर नियंत्रण पाने के लिए विविध प्रयोग हो रहे हैं। इन्हीं प्रयोगों में एक सकारात्मक उपक्रम है, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस। लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशील और जागरूक करने के उद्देश्य से 10 अक्टूबर को यह दिवस मनाया जाता है। शास्त्रों में कहा गया है, चिंता, चिता के समान है। प्रतिदिन के तनाव से उपजती और मौत के मुंह में ले जाती गंभीर बीमारियों को देखते हुए यह बात बिल्कुल सही साबित होती है। हर एक मिनट का हिसाब रखती, भागदौड़ भरी वर्तमान जीवनशैली में सबसे बड़ी और लगातार उभरती हुई समस्या है मानसिक अस्वास्थ्य। हर किसी के जीवन में स्थाई रूप से अपने पैर पसार चुके मनोरोग, तनाव और कुंठा व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं।

आपकी निजी जिंदगी से शुरू होने वाला मानसिक तनाव एवं मानसिक विकृतियां पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण समस्या बनकर उभरी है, जो अपने साथ कई तरह की अन्य समस्याओं को जन्म देने के कारण होते हैं। इन्हीं मानसिक विकृतियों एवं बीमारियों से ही उपजा है आतंकवाद, युद्ध, हिंसा, भ्रष्टाचार, व्यभिचार, एवं यौन विकृतियां। यही कारण है कि इनसे बचने के लिए और मानसिक शांति प्राप्त करने के लिए योग, ध्यान, अध्यात्म और कई तरह के अलग-अलग तरीकों को लोग अपने जीवन में उतार रहे हैं। यह सच है कि प्रतियोगिता और प्रतिस्पर्धा के इस युग में मनोरोग अधिक पनप रहे हैं। बीमार मानसिकता के कारण ही हम लगातार संघर्षों एवं परेशानियों से घिरे रहते हैं। हमारा मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य के साथ काफी जुड़ा हुआ है। किसी एक के प्रभावित होने से दूसरे पर जरूर असर पड़ता है। हम यह भी जानते हैं हमारे मस्तिष्क के रसायन, हमारे मन और विचारों को प्रभावित करते हैं। मानसिक तनाव की स्थिति में हम प्रायः किसी तरह के व्यायाम, योग-ध्यान को करना पसंद नहीं करते। जबकि मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि हम पौष्टिक आहार खाएं, व्यायाम करें, ध्यान एवं साधना के प्रयोग करें और भरपूर नींद लें।

मनोरोग विशेषज्ञ का मानना है कि मानसिक स्वास्थ्य का रिश्तों के साथ गहरा संबंध है। भारतीय संस्कृति में परिवार व पारिवारिक मूल्यों की अपनी अहमियत है। यही वह व्यवस्था है जो भारतीय समाज को विश्व में सर्वश्रेष्ठ और अद्वितीय बनाती है। यह भारत और भारतीयता की विशिष्ट पहचान है, लेकिन समय के साथ यह संस्था भी प्रभावित होती गई है और मौजूदा समय में संक्रमण के दौर से गुजर रही है। इसकी एक बड़ी वजह है कि मनुष्य का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। विरोधाभासी स्थितियों के कारण से भारतीय समाज को प्रगतिशील बनाने के बजाय तनावग्रस्त ज्यादा बनाया है। खुले दिल-दिमाग से हमने पारिवारिक व्यवस्था और मूल्यों का मूल्यांकन करना ही बंद कर दिया है, जिसका परिणाम है समाज में तरह-तरह के रोगों का पनपना, रोज गृह-क्लेश, तलाक, घरेलू हिंसा, पारिवारिक झगड़े जैसी घटनाएं होना। मस्तिष्क प्रमुख प्रवर्तक है, वह मनुष्य की सोच की दिशा तय करता है। यह मस्तिष्क ही है जो चाहे तो हमें ईश्वर की ओर जाने में सहायता दे सकता है या निरर्थक गतिविधियों में फंसाये रख सकता है। किसी भी तरह के युद्ध या हिंसा के व्यूह-रचना सबसे पहले मस्तिष्क में रची जाती है फिर समरांगण में यानी प्रायोगिक रूप में उतरती है। इसी तरह हर एक अच्छा विचार या अच्छी प्रवृत्ति सबसे पहले मस्तिष्क में आकार लेती है, फिर जीवन व्यवहार में उसको साकार होते देखा जाता है। यह मस्तिष्क ही है जो हमें शक्ति देता है जिससे हम हार को जीत में बदल देते हैं। बुराई से अच्छाई, असत्य से सत्य, अंधकार से प्रकाश और हिंसा से अहिंसा की ओर ले जाने में मस्तिष्क ही कारगर भूमिका निभाता है। मन को शक्तिशाली बनाने और जीवन में जोश भरने का काम संतुलित मस्तिष्क एवं स्वस्थ मानसिकता के द्वारा ही संभव होता है।

व्यक्ति के जीवन का ध्येय होना चाहिए कि उसका मस्तिष्क संतुलित एवं स्वस्थ बने, उसे हार, डर और बुराई की प्रवृत्ति से हटाकर उपलब्धि, जीत और अच्छाई की दिशा में ले जाए। मस्तिष्क स्वस्थ और शांत होता है, तो जीवन अर्थपूर्ण और लक्ष्य समर्पित होता है। अन्यथा उसमें खालीपन भर जाता है, अनेक घातक बीमारियों को पनपने का कारण बनता है। कहा भी गया है खाली दिमाग शैतान का घर होता है। यह खालीपन बहुत बार मानसिक ही नहीं बल्कि शारीरिक बीमारियों का कारण भी बनता है। मस्तिष्क की अस्वस्थता से शरीर ही नहीं, आत्मा भी बीमार हो जाती है। अध्यात्म महर्षियों ने स्वस्थ मस्तिष्क को स्वस्थ मानव का मूलभूत आधार माना है। विज्ञान भी इससे असहमत नहीं है। डॉक्टरों ने तो यहां तक कहा है कि बड़ी से बड़ी बीमारी पर अपनी चित्त-दशा को बदलकर नियंत्रण पाया जा सकता है। अधिकांश बीमारियों का कारण व्यक्ति की रुग्ण मानसिकता ही है। सही जीवन पद्धति, स्वस्थ मानसिकता एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति से एक उन्नत व्यक्ति और समाज का निर्माण संभव है। यह बात हर किसी को हर दिन याद रखनी चाहिए, कि तनाव किसी भी समस्या का हल नहीं होता, बल्कि कई अन्य समस्याओं का जन्मदाता होता है। इसी तनाव के कारण अनेक मनोरोग उत्पन्न होते हैं। तनाव ही आपको अत्यधिक सिरदर्द, माइग्रेन, उच्च या निम्न रक्तचाप, हृदय से जुड़ी समस्याओं से ग्रस्त करता है। दुनिया में सबसे अधिक हार्ट अटैक का प्रमुख कारण मानसिक तनाव एवं मानसिक अस्वास्थ्य होता है। यह आपका स्वभाव चिड़चिड़ा कर आपकी खुशी और मुस्कान को भी चुरा लेता है। इससे बचने के लिए तनाव पैदा करने वाले अनावश्यक कारणों को जीवन से दूर करना जरूरी ही नहीं, अनिवार्य हो गया है। मस्तिष्क को संतुलित एवं स्वस्थ बनाने का कार्य जटिल अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं। गीता में अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि चित्त बहुत चंचल, उद्वेगकारक और दुराग्रही है। इसे वश में करना वायु को वश में लाने के समान है। भगवान श्रीकृष्ण ने तब एक सरल उपाय बताया कि निरंतर अभ्यास और अनासक्ति से चित्त को वश में किया जा सकता है। आज योग, ध्यान और साधना के क्षेत्र में अनेक प्रयोग कराए जाते हैं जिनसे मस्तिष्क को संतुलित, मनोरोगों पर नियंत्रण एवं स्वस्थ मानसिकता को संभव बनाया जा सकता है। निराशा और मृत्यु दोनों एक ही सिक्के के दो पहलुओं की तरह है। वस्तुतः समस्या का समाधान व्यक्ति के अपने भीतर में अवस्थित है अगर अंतःकरण जागृत हो गया तो संघर्ष के सारे तूफान एक साथ शांत हो सकते हैं, क्योंकि उनका उद्गम-स्थल तो एक ही है। यद्यपि दिखाई यह दे रहा है कि समस्याएं असंख्य हैं किंतु उनका समाधान एक प्रशिक्षित मस्तिष्क ही कर सकता है। यह प्रशिक्षण बाहरी नहीं बल्कि अपने ही दिल और दिमाग को निर्मल करने का सम्यक् उपक्रम बने, तभी संभव है। मन की तृष्णा और अत्यधिक प्राप्त कर लेने की आकांक्षा संतोष और आंतरिक संतुलन जैसे चिंतन से ही शांत हो सकेगी।

'मैं' की शैवाल इतनी सघन है कि असलियत का सूर्य नजर ही नहीं आता। अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए निजी रिश्तों को भी दांव पर लगा दिया जाता है। बेटी पूरे गांव की इज्जत समझी जाती थी, लेकिन आज खुले आम द्रौपदी का चीरहरण होता है किंतु सबकी आंखें धृतराष्ट्र बनी हुई है। मूढ़ता जिंदगी के हर मुकाम पर तैनात है। ऐसी स्थितियां अस्वस्थ मानसिकता की उपज है। समाज एक जलाशय है। उसमें एक ढेला फेंकने का अर्थ है पूरे पानी को कम्पित कर देना। 'समूह में एक नहीं, सभी व्यक्ति महत्वपूर्ण हैं' इस विचार की कलमें रोपना (लगाना) जरूरी है। क्योंकि व्यक्ति हित, व्यक्तिगत चिंतन, व्यक्तिगत सुविधा और व्यक्तिगत जीवन को महत्व देने वाला व्यक्ति समाज के चैखटे में फिट नहीं हो सकता। फिर तो वहां दूध के स्थान पर पानी का भरा तालाब ही नजर आएगा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य संघ (वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेंटल हेल्थ) ने विश्व के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य देखभाल को यथार्थवादी बनाने के लिए विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की स्थापना की थी। दृष्टिकोण हमारा कितना मानवीय है और कितना होना चाहिए यह मस्तिष्क के परिष्कार एवं स्वस्थ मानस पर निर्भर है।

साभार: ललित गर्ग